प्रवीण पाठमाला

सत्यमेव जयते

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय

भारत सरकार

कापीराइट © निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान 2007 (शक 1929)

निदेशन
पी.वी. वत्सला जी. कुट्टी
पूर्व संयुक्त सचिव, भारत सरकार

संरक्षक
डॉ॰ जय प्रकाश कर्दम
निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

संपादन
प्रो. वी. रा. जगन्नाथन

परामर्श एवं सहयोग
मोहिनी हिंगोरानी, पूर्व निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
एम.एस.दोहरे, पूर्व संयुक्त निदेशक (मुख्यालय), केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
एम.एल.शर्मा, पूर्व सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
तनूजा सचदेव, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
स्नेह लता, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

ऑनलाइन संस्करण
श्री योगेन्द्र कुमार, अनुसंधान सहायक (भाषा)
श्री अजित सिंह खोला, अनुसंधान सहायक (भाषा)

प्रस्तुति
केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
7वां तल, पर्यावरण भवन, सी०जी०ओ० कॉम्प्लेक्स,
लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
दूरभाष: 24361852, 24366794, 24368158
फैक्स: 011-24366794, 24365089
email : dirchti.dol@nic.in
वेबसाइट : www.chti.rajbhsha.gov.in
प्रथम संस्करण 2007
द्विवितीय संस्करण 2010

प्रस्तावना

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि सभी अधिकारी/ कर्मचारी हिंदी भाषा का अपेक्षित स्तर का ज्ञान प्राप्त कर लें। इसी उद्देश्य से राजभाषा विभाग सन् 1955 से हिंदी के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ हिंदी के शिक्षण प्रशिक्षण के दायित्व का निर्वाह गंभीरता से कर रहा है। राजभाषा हिंदी को सूचना और प्रौद्योगिकी के माध्यम से और बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग ने सी-डैक, पुणे के सहयोग से लीला प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ नामक हिंदी भाषा शिक्षण पैकेज सी.डी. के रूप में उपलब्ध करा दिए हैं और अब ये पैकेज इंटरनेट पर भी उपलब्ध हैं। केंद्र सरकार के हिंदी भाषा सीखने के इच्छुक सभी अधिकारी/कर्मचारी इस सुविधा का नि:शुल्क लाभ उठा रहे हैं।

सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति जागरूकता, लगन एवं रुचि बढ़ाने के लिए जहाँ एक ओर हम सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़कर अत्याधुनिक तरीकों से हिंदी शिक्षण का कार्य प्रारंभ कर चुके हैं वहीं दूसरी ओर हम अपने विभिन्न पाठ्यक्रमों की पाठ्य-पुस्तकों का स्तर ऊँचा करने के लिए प्रयासरत हैं। केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान ने इसी उद्देश्य से हिंदी भाषा शिक्षण के प्रथम पुनर्रचित प्रबोध पाठ्यक्रम को देश भर में जनवरी, 2006 से लागू किया। इस पाठ्यक्रम को सभी पाठकों से अत्यंत सराहना मिली। अब इसी क्रम में भाषाविदों तथा विभागीय अधिकारियों के सहयोग से तैयार किए गए प्रवीण पाठ्यक्रम का यह संस्करण आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष है। इसी प्रकार प्राज्ञ पाठ्यक्रम के पुनर्लेखन का कार्य भी आरंभ हो गया है।

मैं इस कार्य से जुड़े हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देना चाहूँगी जिन्होंने हिंदी भाषा के विविध आयामों को ध्यान में रखते हुए प्रवीण पाठ्यक्रम की इस पाठमाला को सुरुचिपूर्ण, उपयोगी और समसामयिक बनाने में विशेष योगदान दिया है।

मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक हिंदी शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध होगी।

नई दिल्ली
नवम्बर. 2007

पी.वी. वल्सला जी. कुट्टी
पूर्व संयुक्त सचिव, भारत सरकार

आमुख

भाषा हमारे विचारों की अभिव्यक्ति और संप्रेषण की जीवंतकृति है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343(1) में देवनागरी लिपि में लिखित 'हिंदी' को संघ की राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

हिंदी शिक्षण योजना द्वारा सन् 1955 से हिंदीतर भाषा-भाषी अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान एवं दक्षता प्रदान करने का कार्य सफ़लतापूर्वक किया जा रहा है ताकि संघ का अधिकाधिक सरकारी काम राजभाषा हिंदी में करने में आसानी हो सके। 'प्रबोध', 'प्रवीण' एवं 'प्राज्ञ' नामक तीन पाठ्यक्रमों के माध्यम से हिंदी भाषा के शिक्षण-प्रशिक्षण का काम देश के कोने-कोने में नियमित, अंशकालिक और पत्राचार पाठ्यक्रम आदि कार्यक्रमों द्वारा संचालित किया जा रहा है। इन पाठ्यक्रमों में भाषा शिक्षण के चारों सोपानों- श्रवन, भाषण, वाचन और लेखन को महत्ता दी गई है।

संसदीय राजभाषा समिति की सिफ़ारिशों के आधार पर समसामयिक और आधुनिक विषयों को ध्यान में रखकर, तीनों पाठ्यक्रमों का पुनर्लेखन किया गया है। नवनिर्मित 'प्रबोध' पाठ्यक्रम जनवरी, 2006 से लागू किया गया है। इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षार्थी भाषा का प्रारंभिक ज्ञान एवं व्यवहार सरल और सुबोध भाषा में सीखते हैं। 'प्रवीण' पाठ्यक्रम में प्रशिक्षार्थियों को सामाजिक व्यवहार और जरूरतों के साथ सरकारी कामकाज की भाषा अर्थात राजभाषा की शब्दावली से परिचित कराने का प्रयास किया गया है। यह नवनिर्मित पाठ्यक्रम जनवरी, 2009 से लागू है।

इस द्वितीय पाठ्यक्रम 'प्रवीण' में प्रशिक्षार्थियों को रोचक एवं समसामयिक संदर्भों के माध्यम से विभिन्न व्याकरणिक संरचनाओं का ज्ञान कराने के साथ-साथ उन्हें अभ्यावेदन एवं सरकारी पत्र के माध्यम से कार्यालयीन पत्राचार एवं शब्दावली से परिचित कराने का प्रयास किया गया है। इस पाठ्यक्रम के निर्माण में विशेष रूप से यह ध्यान रखा गया है कि प्रशिक्षार्थियों के भाषा ज्ञान के परिमार्जन के साथ-साथ उन्हें भाषा व्यवहार के अन्य क्षेत्रों से भी परिचित कराया जाए, जिससे उन्हें भाषा के अभिव्यक्ति एवं लेखन कौशल में दक्षता हासिल हो सके।

नव-निर्मित 'प्रवीण' पाठ्यक्रम का यह चतुर्थ संस्करण है। हिंदी प्रशिक्षण के आधुनिकीकरण के परिप्रेक्ष्य में केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा राजभाषा विभाग के सहयोग से हिंदी भाषा प्रशिक्षण को भी कंप्यूटरीकृत किया गया है तथा नवनिर्मित भाषा पाठ्यक्रमों के आधार पर सी-डैक, पुणे के सहयोग से हिंदी शिक्षण कि लिए लीला प्रबोध, लीला प्रवीण तथा लीला प्राज्ञ सॉफ्टवेयरों का विकास करवाया गया है। आज इन सॉफ्टवेयरों द्वारा अंग्रेजी तथा 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से इंटरनेट पर नि:शुल्क हिंदी सीखी जा सकती है। 'प्रबोध' स्तर की हिंदी सीखने की सुविधा मोबाइल फोन पर भी चिप के माध्यम से उपलब्ध है। सूचना प्रौद्योगिकी का भरपूर प्रयोग करते हुए केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान एवं राजभाषा विभाग ने सी-डेक, पुणे के सहयोग से भाषा के तीनों पाठ्यक्रमों - प्रबोध, प्रवीण तथा प्राज्ञ के लिए ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली का भी विकास कर लिया है तथा वर्ष 2009-2010 से सी-डेक, पुणे के

सहयोग से देश के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों पर तीनों पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन परीक्षाओं का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। उम्मीद की जाती है कि राजभाषा विभाग एवं केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के इन प्रयासों से हिंदी सीखने वालों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी और राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को बल मिलेगा।

'प्रवीण' पाठ्यक्रम का नवीन संस्करण आपके हाथों में है। इसको और बेहतर एवं उपयोगी बनाने के लिए आपके अभिमत और सुझावों का स्वागत है।

नई दिल्ली | **(डॉ० जयप्रकाश कर्दम)**

मार्च, 2016 | **निदेशक**

भूमिका

प्रबोध के नये पाठ्यक्रम के उपरांत आप प्रवीण के पाठ्यक्रम में प्रवेश कर रहे हैं। पहला पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए बधाइयाँ और हम उम्मीद करते हैं कि इस पाठ्यक्रम में भी आपको हिंदी भाषा में दक्षता प्राप्त करने में पूरी सफलता मिलेगी।

प्रबोध पाठ्यक्रम में हिंदी की आधारभूत संरचनाओं का परिचय कराया गया था और उनका जीवन के संदर्भ में बोलने और लिखने का अभ्यास कराया गया था। लिपि ज्ञान का कार्य प्रबोध में पूरा हो गया था और प्रवीण में लिपि के संदर्भ में केवल सुधारात्मक शिक्षण और वर्तनी की पहचान अपेक्षित है। हम इस पाठ्यक्रम को लिपि, उच्चारण और वर्तनी के पुनरीक्षण से शुरू कर रहे हैं और आगे के पाठों में यथास्थान वर्तनी और शब्द लेखन का कार्य करा रहे हैं।

भाषा दक्षता विकास के लिए कुल 24 पाठ हैं, जिनमें पहला पाठ पुनरीक्षण का है। शेष पाठों में वाच्य, प्रेरणार्थक क्रिया, संदेहार्थ और संभावना, संबंधवाचक वाक्य आदि विशिष्ट पाठ्यबिंदुओं को संगत संदर्भ में प्रस्तुत किया गया है। जैसे कर्मवाच्य का संदर्भ नियुक्ति की प्रक्रिया में लिया गया है, क्योंकि यह प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रमुख प्रसंग है और इसमें कर्मवाच्य के वाक्य स्वाभाविक रूप में आते हैं। इसी तरह प्रेरणार्थक क्रिया के प्रयोग समझाने के लिए यूनीसेफ़ का चयन किया गया है, क्योंकि यह संस्था देशों में स्वयं विकास कार्य नहीं करती, बल्कि स्थानीय अभिकरणों से विविध कार्य संपन्न कराती है। इस तरह पाठों के निर्माण में भाषिक संदर्भ और संदर्भानुकूल भाषिक संरचना के तत्वों को ध्यान में रखा गया है, जिससे भाषा अर्जन उपयोगी, रोचक और प्रभावी बन सके।

पाठों का स्वरूप प्रबोध जैसा ही है। स्वाभाविक संदर्भों के माध्यम से पाठ्यबिंदुओं का परिचय कराया गया है और आवश्यकतानुसार सांस्कृतिक और व्याकरणिक टिप्पणियाँ जोड़ी गई हैं, जिससे शिक्षार्थी पाठ को ठीक से समझ सकें। पाठ का मूल उद्देश्य प्रशिक्षार्थियों में बोलने (भाषण) के कौशल का विकास करना है जिससे वे भाषा के उपयोग द्वारा उत्तरोत्तर भाषा अर्जन कर सकें। प्रशिक्षार्थी जितना अधिक और जितनी स्वाभाविकता से बोलने का अभ्यास कर सकें, उतना ही वे भाषा का सहज अर्जन कर सकेंगे। स्थानापत्ति, रूपांतरण और प्रश्नोत्तर अभ्यास कराने की विधि की चर्चा हम प्रबोध पाठ्यक्रम में कर चुके हैं। मौखिक अभ्यास कराने के संदर्भ में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखें:-

- पाठ में सुझाए गए अभ्यास संकेतात्मक हैं, प्राध्यापक इसी तरह के अन्य वाक्य आवश्यकतानुसार जोड़ सकते हैं।
- साँचा अभ्यास/संरचना अभ्यास में प्रशिक्षार्थियों को बोलने की पूरी स्वतंत्रता दें और बीच-बीच में सुधारने का प्रयत्न न करें। इससे उनकी सहजता प्रभावित होती है।
- जो गलतियाँ प्रमुख रूप से दिखाई दें, उन्हें ध्यान में रखकर सुधारात्मक अभ्यास कराएँ।
- अभ्यासों का स्थानीयकरण (स्थानीय नाम, परिवेश आदि का समावेश) अवश्य करें। इससे अभ्यास की प्रासंगिकता बनती है।

* ध्यान रखें कि अच्छे ढंग से आयोजित मौखिक अभ्यास में प्रशिक्षार्थी बहुत रुचि लेते हैं, उन्हें किसी नई भाषा के सक्षम उपयोग की क्षमता का भान होता है। इसलिए प्राध्यापक को चाहिए कि परस्पर संवादपरक अभ्यासों पर जोर दें।

पाठों के प्रस्तुतीकरण में अनुवाद का सहारा न लें। हमारा उद्देश्य पाठ के कथ्य को समझाना नहीं है, बल्कि प्रशिक्षार्थियों को पाठ के तथ्यों को भाषा के माध्यम से समझना है। शब्दों का अर्थ समझाने और सही ढंग से वाचन से प्रशिक्षार्थियों में बोधन की क्षमता विकसित होती है। कहीं कठिन शब्दों के अर्थ समझाने या किसी जटिल वाक्य संरचना को स्पष्ट करने के लिए अंग्रेज़ी या मातृभाषा का सहारा लिया जा सकता है। यत्न यही होना चाहिए कि कक्षा का कार्य हिंदी के माध्यम से ही चले।

पाठ में दिए गए अभ्यास विकासात्मक हैं, भाषा अर्जन की युक्तियाँ हैं। लेखन से पहले इनका भी मौखिक रूप में अतिरिक्त वाक्यों के साथ अभ्यास कराया जा सकता है लेकिन बाद में जब लेखन अभ्यास किया जाए, तो प्रशिक्षार्थी को अपने ज्ञान के आधार पर ही उत्तर देना चाहिए।

पाठ्य पुस्तक नियंत्रित परिवेश में पाठ्य बिंदुओं के प्रस्तुतीकरण का माध्यम है। लेकिन हमारा अंतिम लक्ष्य है कि प्रशिक्षार्थी सामान्य परिवेश में स्वतंत्र रूप से भाषण कर सकें और सुन या पढ़कर समझ सकें। इसी उद्देश्य से हमने यहाँ चार पूरक पाठ जोड़े हैं। प्रशिक्षार्थी अर्जित ज्ञान के आधार पर शब्दावली की सहायता से पाठ के मूल भावों और विचारों को पहचान सकें, तो शिक्षण का उद्देश्य पूरा हो जाता है। इन पाठों को अनुवाद से समझाएँ नहीं, बल्कि स्वयं पढ़कर समझने के लिए प्रेरित करें।

इन पाठों के अध्ययन से हिंदी भाषा के समग्र और व्यविस्थत ज्ञान का बीजारोपण हो जाता है। इसके बाद प्रशिक्षार्थी अध्यवसाय से और शब्दकोश का सहारा लेकर स्वयं हिंदी भाषा के विविध पाठों का वाचन कर सकते हैं। प्राध्यापक उन्हें रेडियो, टी.वी. सुनने तथा समाचार पत्र और पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ने की ओर प्रवृत्त करें। वे यथासंभव हिंदी के माध्यम से भी कार्य कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें प्रोत्साहित करें।

हम सभी प्रशिक्षार्थियों को भाषा अर्जन के सुखद प्रयास पर शुभकामनाएँ देते हैं।

प्रो. वी.रा. जगन्नाथन

विषय सूची

	पाठ संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
भाग-1	**लिपि, वर्तनी, उच्चारण का पुनरीक्षण**		02
भाग-2	**शिक्षण पाठ**		
	1.	उड़ीसा की सैर	10
	2.	मिट्टी की गाड़ी	18
	3.	मकान के लिए ऋण	24
	4.	ट्रेवल एजेंट से बातचीत	30
	5.	हमारे चुनाव	35
	6.	नियुक्ति की प्रक्रिया	39
	7.	बीमारी	45
	8.	प्राकृतिक आपदाएँ	49
	9.	भूमंडलीकरण	54
	10.	श्रीनगर	58
	11.	शहरी जीवन	63
	12.	अमर आश्रम	68
	13.	प्रकृति की गोद में	73
	14.	सपनों का महल	78
	15.	यूनीसेफ	83
	16.	स्वामी विवेकानंद	88
	17.	प्रदर्शनी	93
	18.	इंफाल की यादें	98
	19.	समापन समारोह	104
	20.	परीक्षा	109
	21.	बैठक का आयोजन	114
	22.	वार्षिक निरीक्षण	119
	23.	अभ्यावेदन	124
	24.	सरकारी पत्र	128
भाग-3	**विविधा (बोधन)**		
	1.	उपभोक्ता संरक्षण	132
	2.	संचार	134
	3.	हमारा स्वास्थ्य	136
	4.	खेल जगत और महिलाएँ	138
	5.	हिंदी शब्दों के अंग्रेजी पर्याय	140

भाग- 1

लिपि, वर्तनी, उच्चारण का पुनरीक्षण

लिपि-वर्तनी, उच्चारण-वाचन

प्रबोध पाठ्यक्रम में आप देवनागरी लिपि के बारे में पढ़ चुके हैं। हिंदी में अनुस्वार व विसर्ग को मिलाकर 13 स्वर हैं । स्वरों के दो रूप प्रयुक्त होते हैं- पूर्ण रूप और मात्रा रूप। शब्द के आरंभ में तथा अन्य स्वरों के साथ स्वर पूरे रूप में लिखे जाते हैं जैसे- आइए, आओ, आऊँगा। व्यंजनों के साथ इनका मात्रा रूप लिखा जाता है जैसे- कैसे, कौन-सा आदि।

मानक हिंदी वर्णमाला

स्वर	अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ						
अनुस्वार और विसर्ग	अं			अ:			
मात्राएँ	ा ि ी ु ू े ै ो ौ ं :						
	(अ की मात्रा नहीं होती)						
	हिंदी में 35 व्यंजन हैं तथा 4 संयुक्त व्यंजन हैं।						
व्यंजन	क	ख	ग	घ	ङ		
	च	छ	ज	झ	ञ		
	ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़
	त	थ	द	ध	न		
	प	फ	ब	भ	म		
	य	र	ल	व			
	श	ष	स	ह			
संयुक्त व्यंजन	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र			
गृहीत/आगत स्वर	ऑ						
गृहीत/आगत व्यंजन	ख़	ज़	फ़				
देवनागरी अंक	१	२	३	४	५		
	६	७	८	९	०		
भारतीय अंकों का	1	2	3	4	5		
अंतरराष्ट्रीय रूप	6	7	8	9	0		

संयुक्त वर्ण

हिंदी में तीन प्रकार से संयुक्त वर्ण बनाए जाते हैं। जिन व्यंजनों में खड़ी पाई का प्रयोग होता है, उनमें से खड़ी पाई हटा दी जाती है जैसे:-

ख	ख्याति	ग	लग्न
घ	विघ्न	च	बच्चा
ज	राज्य	ध	अध्ययन
न	अन्न	प	प्यास
ब	शब्द	म	अम्बर
ल	मल्लाह		

क और फ में वर्ण को आधा बनाने के लिए आखिरी मोड़ को थोड़ा कम कर दिया जाता है । जैसे:- वक्त, पक्का, दफ़्तर आदि ।

जिन व्यंजनों में खड़ी पाई नहीं होती उनको आधा करने के लिए हल चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे:- छुट्टी, पाठ्य, जिह्वा, उद्देश्य, चिह्न आदि ।

पहले कई वर्ण अलग तरह से लिखे जाते थे जैसे:- ट्ट (ट्ट), द्य (द्‌य), द्व (द्‌व)

आप पुरानी पुस्तकों में ऐसे कई मिले-जुले वर्ण देख सकते हैं। लिखते समय सिर्फ़ मानक हिंदी वर्णमाला का ही प्रयोग करें।

अभ्यास

निम्नलिखित शब्दों में अशुद्ध रूप से बने संयुक्ताक्षरों को ठीक कीजिए:-

वक्त, छुट्टी, उद्योग, उद्देश्य, बुद्धि, चिह्न, विद्वान

....

....

हिंदी में 'र' का प्रयोग तीन रूपों में किया जाता है। यदि व्यंजन से पहले 'र' का उच्चारण या प्रयोग होता है तो 'र' आने वाले व्यंजन के ऊपर रेफ (र्‍) के रूप में आता है और यह आधा 'र' होता है जैसे:- कर्म, धर्म, अर्थ आदि।

यदि 'र' व्यंजन के साथ आता है तो उसका प्रयोग व्यंजन के नीचे (पाई या पैर में) किया जाता है, यह 'र' पूरा होता है जैसे- प्रेम, क्रम आदि। ट, ठ, ढ, ड के बाद आने वाले 'र' का प्रयोग वर्ण के नीचे (‸) होता है, जैसे- ट्रक, ट्रेन, ड्रम आदि। इनमें व्यंजन आधा होता है और 'र' पूरा होता है। जैसे:- प् + र = प्र, ड् + र = ड्र , ट् + र = ट्र, द + र = द्र

अभ्यास

प्राध्यापक प्रशिक्षार्थियों को श्रुतलेखन करवाएँ-

मार्मिक, प्रेम, परिश्रम, अर्थव्यवस्था, ट्राम, ड्रामा, क्रमांक, प्रयोग, गर्मी

....

....

जिन वर्णों में हल चिह्न का प्रयोग कर संयुक्ताक्षर बनाए जाते हैं, उन अक्षरों में द्‌वितीय व्यंजन के साथ 'इ' की मात्रा का प्रयोग संबंधित व्यंजन से पहले/पूर्व ही किया जाएगा न कि पूरे युग्म से पहले, जैसे:- द्‌वितीय, बुद्‌धिमान, छुट्‌टियाँ आदि।

अभ्यास

निम्नलिखित शब्दों का श्रुतलेखन करवाएँ।

छुट्‌टी, पाठ्‌यपुस्तक, चिह्न, उद्‌देश्य, आर्थिक, व्यंजनांत, निम्नलिखित, कार्यक्रम।

....

....

रिक्त स्थानों की पूर्ति सही शब्द से करें।

1. कल से राम .... ले रहा है। (छुट्‌टियाँ/छुट्टियाँ)
2. मेरा बेटा इस वर्ष कक्षा में ....आया है। (द्‌वितीय/दिवतीय)
3. राधा .... मंत्रालय में काम करती है। (गृह/ग्रह)
4. माँ ने मुझे ....दिया। (आर्शीवाद/आशीर्वाद)
5. तुम ....निकालकर घर आना। (वक्त/वक्‍त)

ड - ड़ और ढ - ढ़ वर्णों का प्रयोग

ड, ड़ और ढ ढ़ वर्णों के प्रयोग में यह विचारणीय है कि ड और ढ का प्रयोग शब्द के आरंभ में किया जाता है जबकि शब्द के मध्य और अंत में ड़ और ढ़ का प्रयोग मिलता है। जैसे:- डाक, ढक्कन, डरना, ढीला, खड़ा, उड़ान, ढूँढ़ना, पढ़ना एवं पहाड़ आदि।

अभ्यास

शब्दों को पढ़िए और लिखिए:

1. लड्डू, आड़, पापड़, सड़क, थप्पड़

....

....

2. पेड़, घड़ा, बड़ा, घोड़ा, गड्ढा, अड्डा

....

....

3. चिड़िया, पीड़ा, लड़ना, झगड़ना, भाड़ा

....

....

4. डाक, डमरू, गड़बड़, कड़ाई, फड़फड़ाना

....

....

5. उड़ान, पढ़ना, पढ़ाई, बढ़-चढ़कर बातें करना

....

....

(ँ) अनुनासिक चिह्न

(ँ) अनुनासिक का प्रयोग स्वरों और उनकी मात्राओं के साथ किया जाता है लेकिन प्रेस की सुविधा के लिए कुछ स्वरों जैसे - इ, ई, ऐ, ओ, औ की मात्राओं के साथ अनुनासिक चिह्न (ँ) के स्थान पर (ं) अनुस्वार का प्रयोग किया जाता है। जैसे- मैं, में, हैं, बातें, लोगों।

निम्नलिखित शब्दों को पढ़िए और लिखिए:

1. गाँव, गेहूँ, ऊँट, आँख, हाँ

....

2. मुँह, कुँआ, हँसी, अँगूठा

....

3. बाँटना, छाँटना, माँगना, महँगा

....

4. मँगवाना, बाँधना, बँधना, चाँदनी

....

अभ्यास

प्राध्यापक प्रशिक्षार्थियों को अनुनासिकता वाले शब्दों का श्रुतलेख कराएँ:-

....

....

पाँचवाँ अक्षर और अनुस्वार (ं)

ङ, ञ, ण, न, म- ये पंचमाक्षर हैं। प्रेस की सुविधा के लिए शब्द के बीच में नासिक्य व्यंजनों (पंचमाक्षर) का प्रयोग आधे व्यंजन के रूप में न कर अनुस्वार (ं) के रूप में किया जाता है । जैसे- गंगा, चंचल, दंड, धंधा, अंबा।

अभ्यास

निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार का प्रयोग करके लिखें -

गङ्गा, चञ्चल, दण्ड, सन्देह, सम्पत्ति, व्यञ्जन

....

....

अभ्यास

कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द छाँटकर खाली जगह भरिए।

1. इस कार्यालय में कर्मचारियों की.............................अधिक है। (सख्या/ संख्या)

2. सरकार ने नए बजट में...................... कर बढ़ाया है। (मनोरंजन/ मनोरञ्जन)

3. मुझे यहाँ आए एक... हो गया। (घण्टा/ घंटा)

4. राम का .... आजकल मंदा है। (धन्धा/ धंधा)

5. आप मेरे... पर जरूर आइए। (जंमदिन/ जन्मदिन)

वाक्यों को शुद्ध करके लिखें -

1. गाव वालो की बाते तुम नहीं जानते।

   ....

2. मैं यहा वर्षो से रह रहा ह।

   ....

3. तुम मरीज़ को अस्पताल मे जाकर ही क्यो नही देख लेते?

   ....

4. गेहू की माग बढ रही है।

   ....

5. आकड़ो की जाच अभी चल रही है।

   ....

स्वर का प्रयोग

क्रिया रूप: मानक रूप में "ये" का प्रयोग न करके "ए" का प्रयोग मानक माना गया है। जैसे:- लिए, गए, चाहिए, कीजिए आदि और "यी" के स्थान पर "ई" का प्रयोग मानक होगा। जैसे:- गयी/ गई, आयी/ आई, लायी/लाई आदि।

हिंदी उच्चारण के कुछ प्रमुख नियम इस प्रकार है :-

1. शब्द के अंत में आने वाले व्यंजन का उच्चारण "अ" स्वर के साथ नहीं किया जाता। जैसे:- काम, मान, राम आदि।

2. "ह" से पहले आने वाले "अ" का उच्चारण "ए" के रूप में होता है। जैसे- कहना, रहना आदि।
3. "ह" से पहले और बाद में यदि "अ" ध्वनि आए तो "ह" का उच्चारण "ए" के रूप में होता है।
   जैसे- शहर, महल, बहन आदि।
4. "य" से पहले "ऐ" ध्वनि का उच्चारण "अई" के रूप में किया जाता है- मैया, भैया आदि।
5. "व" से पहले "औ" का उच्चारण "अउ" के रूप में किया जाता है। जैसे:-कौवा, हौवा आदि।
6. "ऐ" तथा "औ" का उच्चारण एकल स्वर के रूप में किया जाता है जैसे:- ऐसा, औरत आदि।

प्राध्यापक उच्चारण और लेखन का अभ्यास कराएँ।

....

....

विराम-चिह्न

हिंदी में पूर्ण विराम को छोड़कर बाकी विराम चिह्न अंग्रेजी के ही प्रयोग किए जाते हैं। पूर्ण विराम के लिए हिंदी में खड़ी पाई (।) का प्रयोग किया जाता है। जैसे:- मेरा घर दिल्ली में है।

भाग - 2

शिक्षण पाठ

पुनरीक्षण

पाठ - 1
उड़ीसा की सैर

सामान्य भूतकाल था थे थी, पहुँचे हुए

इस बार हमने छुट्टी यात्रा रियायत लेकर भारत के पूर्व में स्थित उड़ीसा जाने का कार्यक्रम बनाया। उड़ीसा हमें हमेशा ही आकर्षित करता रहा है। ईश्वर में अगाध श्रद्धा के कारण जगन्नाथ पुरी के दर्शन करना मेरी व मेरी पत्नी की इच्छा थी। इसके साथ ही सम्राट अशोक की कलिंग विजय का युद्ध क्षेत्र व अन्य ऐतिहासिक स्थल भी मैं देखना चाहता था।

हम रेल से उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर पहुँचे। वहाँ से बस द्वारा भगवान जगन्नाथ की नगरी "पुरी" गए। भुवनेश्वर से पुरी की दूरी लगभग 52 किलोमीटर है। धार्मिक मान्यता के अनुसार प्रसिद्ध चार धामों में से जगन्नाथ पुरी एक है। पुरी में भगवान श्रीकृष्ण, बलभद् एवं सुभद्रा की काठ की मूर्तियाँ स्थापित हैं। प्रति वर्ष इन मूर्तियों की विशाल शोभा यात्रा निकाली जाती है जिसे भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा कहते हैं । इसमें लाखों भक्तजन श्रद्धापूर्वक भगवान श्रीकृष्ण, बलभद्र एवं सुभद्रा के रथ को खींचते हुए गुंडिचा मंदिर तक लाते हैं। पुरी का जगन्नाथ मंदिर प्राचीन और भव्य है। पुरी में इस मंदिर के अतिरिक्त छोटे-बड़े अनेक मंदिर हैं। इसलिए इसे मंदिरों की नगरी कहा जाता है।

पुरी केवल धार्मिक नगरी के रूप में ही नहीं बल्कि सागर तट के कारण भी पूर्व क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। देश-विदेश से लाखों पर्यटक यहाँ के सागर तट पर पर्यटन और सूर्योदय का आनंद उठाने आते हैं। समुद्र से धीरे-धीरे निकलते हुए सूर्य के गोले को देखकर हमें अद्भुत, रोमांचक अनुभूति हुई। बच्चों के साथ समुद्र में स्नान भी किया। लहरों से खेलने में बच्चों को खूब आनंद आया। सागर के किनारे पर ही शंख, सीपी से बनी सुंदर-सुंदर चीजें बेचने वाले घूम रहे थे। हमने उनसे कुछ सामान खरीदा और वापस लौटे।

उड़ीसा राज्य का "राज्य पर्यटन विकास निगम" पर्यटकों के लिए "कंडक्टेड टूर" आयोजित करता है। दो दिन पुरी में रुक कर हमने राज्य पर्यटन निगम की बस द्वारा उड़ीसा के प्रमुख पर्यटन केंद्र देखने का कार्यक्रम बनाया। होटल के समीप ही टूरिस्ट बस खड़ी थी, हमारे बैठते ही बस प्रात: 6.30 बजे रवाना हुई। बस का पहला पड़ाव था चंद्भागा नदी का सागर में संगम। नदी में पानी प्राय: नहीं था। किवदंती है कि यह नदी ऊपर से सूखी रहती है और इसके नीचे पानी बहता है। बारिश में जब इसमें पानी आता है तब नदी अपने किनारों को तोड़कर उछलती हुई तेज़ी से सागर में मिलने को मचलती है।

इसके बाद हम कोणार्क पहुँचे। कोणार्क अपनी भव्य शिल्पकला के कारण विश्व प्रसिद्ध है। कोणार्क का सूर्य मंदिर हमारी संस्कृति की अमूल्य धरोहर है।

कोणार्क के बाद हमारा अगला पड़ाव था कलिंग का रणक्षेत्र। यही वह मैदान है, जहाँ सम्राट अशोक ने कलिंग पर विजय प्राप्त करने के लिए युद्ध लड़ा था। सम्राट विजयी तो हुए परंतु पद्मा नदी के लहू से भरे जल को देखकर बहुत पछताए। यहीं पर उन्होंने युद्ध न करने का संकल्प लिया और बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया।

दोपहर होने को थी। सूर्य अपनी तपन से हमें डरा रहा था। अब हम भुवनेश्वर लौट आए। भुवनेश्वर में लिंगराज का प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर देखा। यह 108 मंदिरों का परिसर है। यह मंदिर हमारी स्थापत्य कला एवं आस्था का प्रतीक है।

भुवनेश्वर नगर की यात्रा हमने बस से ही की। अपराह्न में हमने विख्यात नंदनकानन वन्यजीव संरक्षण केंद्र देखा। सफेद बाघ, हाथी, नंदनकानन के मुख्य आकर्षण हैं। वन्य जीवों को खुले में घूमते देखना एक अलग तरह का रोमांचक अनुभव था।

नंदनकानन की सैर के बाद हमने उदय गिरि और खंड गिरि की विश्व प्रसिद्ध जैन गुफाएँ देखीं। अगले दिन हमने मशहूर "चिल्का झील" देखने का कार्यक्रम बनाया। "चिल्का" भारत की विशाल झील है और यहीं पर विश्व प्रसिद्ध पक्षी विहार भी है। यह एशिया में खारे पानी की सबसे बड़ी झील है। पूरे दिन हमने चिल्का में नौकायन किया। इसमें डाल्फिन को देखकर बच्चे खूब प्रसन्न हुए।

उड़ीसा की यह यात्रा हमें हमेशा याद रहेगी।

शब्दार्थ

छुट्टी यात्रा रियायत	leave travel	रोमांचक	thrilling concession
पूर्व में स्थित	situated in the east	शंख	conch
आकर्षित करना	to attract	सीपी	shell
अगाध श्रद्धा	deep faith	प्रतीक	symbol
दर्शन करना	to see/to visit	विख्यात	famous
युद्ध क्षेत्र	war field	समीप	near
ऐतिहासिक स्थल	historical place	पड़ाव	resting place
राजधानी	capital	किवदंती	legend
प्राय:	often	संकल्प	resolution
धार्मिक मान्यता	religious belief	परिसर	premises
काठ की मूर्तियाँ	wooden idols	शिल्पकला	art of sculpture
भव्य	grand	पर्यटन स्थल	tourist place
पर्यटक	tourist	सूर्योदय	sunrise
नौकायन	boating	पक्षी विहार	bird sanctuary

वन्यजीव संरक्षण	wild life protection
राज्य पर्यटन विकास निगम	state tourist development corporation

सांस्कृतिक टिप्पणी

<u>रथ यात्रा</u> :जगन्नाथ पुरी में भगवान श्री कृष्ण, बलभद्र और सुभद्रा को रथ में बिठाकर निकाली जाने वा ली यात्रा। इसी को शोभा यात्रा भी कहा जाता है।

<u>कलिंग विजय</u> : कलिंग विजय के बाद ही भीषण नरसंहार को देखकर सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन हुआ था और उन्होंने बौद्ध धर्म स्वीकार किया।

<u>चार धाम</u> : बद्रीनाथ, रामेश्वरम, द्वारकापुरी व जगन्नाथ पुरी चार धाम माने जाते हैं। हिंदू इन चारों धामों की यात्रा करना पुण्य मानते हैं।

<u>नगरी</u> : मथुरा, द्वारका, जगन्नाथ पुरी आदि स्थानों को "नगरी" कहा जाता है। बड़े शहरों को महानगर (metropolitan city) कहा जाता है।

पर्यायवाची शब्द

परिवेश	=	वातावरण, माहौल	ऊबना	=	मन न लगना
रोमांचक	=	आह्लादकारी	गिरि	=	पहाड़
पर्यटक	=	यात्री	अमूल्य	=	अनमोल
नौकायन	=	नौका विहार	शोभा यात्रा	=	जुलूस
समीप	=	नजदीक	विख्यात	=	प्रसिद्ध

विलोम शब्द

प्राचीन	x	नवीन	सूर्योदय	x	सूर्यास्त
विजय	x	पराजय	तपन	x	ठंडक
युद्ध	x	शांति	आस्था	x	अनास्था

बोध प्रश्न

1. लेखक ने छुट्टी यात्रा रियायत लेकर कहाँ जाने का कार्यक्रम बनाया?
2. भगवान जगन्नाथ की नगरी किसे कहा जाता है?
3. जगन्नाथ मंदिर में किनकी मूर्तियाँ स्थापित हैं?
4. पुरी के समुद्र में किस नदी का संगम होता है?
5. कोणार्क का सूर्य मंदिर किस लिए विश्व प्रसिद्ध है?
6. लिंगराज मंदिर कितने मंदिरों का परिसर है?

व्याकरणिक पुनरीक्षण

1. आज्ञार्थक वाक्यों में "तुम" के लिए धातु के साथ "ओ" तथा आप के लिए "इए" जोड़ा जाता है। नमूना के तौर पर -

मोहन, यहाँ आओ, अंदर बैठो।

चाचाजी, आइए, सोफे पर बैठिए।

"दे" और "ले" के साथ "ओ" जोड़ने पर "दो" और "लो" के रूप बनते हैं।

तुम पैसा दो और आम लो।

आदरार्थक में कर, दे, ले, पी के साथ "इए" के स्थान पर "जिए" जोड़ा जाता है।

कर	-	की	+	जिए	=	कीजिए
दे	-	दी	+	जिए	=	दीजिए
ले	-	ली	+	जिए	=	लीजिए
पी	-	पी	+	जिए	=	पीजिए

2. **वर्तमान काल (simple present tense)**

हिंदी में वर्तमान काल का रूप इस प्रकार बनता है:

धातु	+	वर्तमान प्रत्यय	+	सहायक क्रिया
जा	+	ता	+	है

वर्तमान कालिक प्रत्यय "ता" कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार बदलता है और सहायक क्रिया कर्ता पुरुष के अनुसार बदलती है। तीनों पुरुषों में कर्ता के लिंग, वचन के आधार पर क्रिया के रूप इस प्रकार हैं-

पुरुष	**एकवचन**	**बहुवचन**
उत्तम	मैं जाता/जाती हूँ।	हम जाते/जाती हैं।
मध्यम	तुम जाते/जाती हो।	आप जाते/जाती हैं।
अन्य	वह जाता/जाती है। राम जाता है। सीता जाती है।	वे जाते/जाती हैं। सीता और लता जाती हैं। श्री दास जाते हैं। (आदरसूचक) श्रीमती दास जाती हैं। (आदरसूचक)

यद्यपि इस रूप को हिंदी में सामान्य वर्तमान कहा जाता है, वास्तव में यह नित्य वर्तमान है क्योंकि इस रूप से रोज होने वाली घटना, किसी का शौक/व्यवसाय, प्राकृतिक घटना आदि को व्यक्त किया जाता है।

सूरज पूरब से निकलता है। मेरी बहन बैंक में काम करती है।
राजन नौ बजे स्कूल जाता है। मैं कॉफी ही पीता हूँ।

निषेधार्थक वर्तमान में जब क्रिया से पहले "नहीं" का प्रयोग होता है तब सहायक क्रिया है/हैं/हो/हूँ का लोप हो जाता है।

मैं कॉफी नहीं पीता। ये लड़कियाँ स्कूल नहीं जातीं।

सतत् वर्तमान काल (present continuous tense)

अभी जो व्यापार चल रहा है उसके लिए "रहा है" रूप का प्रयोग होता है। इसे सतत् वर्तमान कहते हैं। नमूना:-

पिता जी रेडियो पर समाचार सुन रहे हैं।
इस समय लड़कियाँ गाना गा रही हैं।

पुरुष	**एकवचन**	**बहुवचन**
उत्तम	मैं पढ़ रहा/रही हूँ।	हम पढ़ रहे/रही हैं।
मध्यम	तुम पढ़ रहे/रही हो।	आप पढ़ रहे/रही हैं।
अन्य	वह पढ़ रहा/रही है। मोहन पढ़ रहा है। (पु.) लीला पढ़ रही है। (स्त्री.)	वे पढ़ रहे/रही हैं। रघु और रहीम पढ़ रहे हैं। (पु.) लीला और गीता पढ़ रही हैं। (स्त्री.) श्री राव पढ़ रहे हैं। (आदरसूचक) श्रीमती राव पढ़ रही हैं। (आदरसूचक)

"रहा है" रूप अभी इस समय घटित व्यापारों के अलावा निकट भविष्य की घटना को भी सूचित करता है। नमूना:-

मेरी बहन आज शाम की गाड़ी से आ रही है। मैं कल चंडीगढ़ जा रही हूँ।

<u>विशेषण - संज्ञा की अन्विति</u>

संज्ञा से पहले आकर उसकी विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं जैसे:-

अच्छा लड़का सस्ती कलम

आकारांत विशेषण संज्ञा के लिंग, वचन के अनुसार बदलते हैं :-

अच्छा लड़का - अच्छे लड़के - अच्छी लड़की/लड़कियाँ

आकारांत विशेषण में कुछ इसके अपवाद हैं -

ताजा खबर (स्त्री0) बढ़िया चीजें (स्त्री0)

आकारांत को छोड़कर अन्य विशेषण में परिवर्तन नहीं होता:-

मेहनती लोग सुंदर लड़की

भविष्यत् काल (future tense)

इसमें धातु के साथ एगा, एँगे, एँगी आदि जोड़कर आगे होने वाले व्यापार को व्यक्त किया जाता है। कर्ता के पुरुष, लिंग और वचन के अनुसार भविष्यत् काल की रचना इस प्रकार है:-

पुरुष	**एकवचन**	**बहुवचन**
उत्तम	मैं जाऊँगा/जाऊँगी।	हम जाएँगे/जाएँगी।
मध्यम	तुम जाओगे/जाओगी।	आप जाएँगे/जाएँगी।
अन्य	वह जाएगा/जाएगी। राम जाएगा। (पु.) सीता जाएगी। (स्त्री)	वे जाएँगे/जाएँगी। श्याम और शेखर जाएँगे।(पु.) लीला और सलमा जाएँगी। (स्त्री) श्री राव जाएँगे। (आदरसूचक) श्रीमती राव जाएँगी। (आदरसूचक)

कुछ क्रियाओं के विशेष रूप पर ध्यान दीजिए:-

<u>हो</u> हूँगा - होगे - होगा - होंगे

<u>दे</u> दूँगा - दोगे - देगा - देंगे

<u>ले</u> लूँगी - लोगी - लेगी - लेंगी

भूतकाल (past tense)

भूतकाल की क्रियाएँ धातु में आ/ए/ई/ईं जोड़ने से बनती हैं। जैसे:-

लाया - लाए - लाई - लाईं

उठा - उठे - उठी - उठीं

हिंदी में "जाना " एक प्रमुख अपवाद है जिसके रूप हैं:-

गया - गए - गई - गईं

कुछ अन्य क्रियाओं के भूतकाल के रूप निम्न प्रकार के हैं:-

हो-हुआ कर-किया छू-छुआ

दे-दिया ले-लिया पी-पिया

<u>संभावनार्थ</u>

इन वाक्यों में क्रिया लिंग के अनुसार नहीं बदलती, वचन के अनुसार बदलती है। इसके मुख्यत: तीन रूप हैं। जैसे:-

करना क्रिया के रूप इस प्रकार हैं - करूँ, करो, करें।

इनका प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है।

अनुमति माँगना	-	मैं जाऊँ?	हम जाएँ?
अनुमति देना	-	तुम चलो।	आप चलें।

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

1. <u>रमेश</u> गर्मी की छुट्टियों में अक्सर पहाड़ी स्थलों पर जाता है।
   (गीता, हम, वे, वह, आप)
2. <u>श्री सुब्रमण्यम</u> अभी कुछ काम कर रहे हैं।
   (तुम, मैं, श्रीमती ललिता, मेरा मित्र)
3. <u>मैं</u> हिंदी में काम करने की कोशिश करूँगी।
   (हम, तुम, आप, मीता, निखिल)
4. <u>संतोष</u> पिछले वर्ष कन्याकुमारी देखने गई थी।
   (हम सब, वे लोग, उनका परिवार, मेरे माता-पिता)
5. शुभम ने कल लगान <u>फिल्म</u> देखी।
   (नाटक, प्रदर्शनी, सर्कस, मेला)
6. क्या मकान की <u>खिड़कियाँ</u> <u>बन</u> चुकी हैं?
   (दीवार बनना, दरवाज़े लगना, सफेदी होना, प्लास्टर होना)

रूपांतरण

नमूना: रेल की यात्रा आरामदायक होती है।

रेल की यात्रा आरामदायक होगी।

1. सरकार कर्मचारियों को मँहगाई भत्ता देती है।
2. आचरण नियमावली का पालन न करने पर अनुशासनिक कार्रवाई की जाती है।
3. श्री रमेश का स्थानांतरण लोक हित में किया जाता है।
4. अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में विदेशी फिल्में भी दिखाई जाती हैं।
5. अच्छी साहित्यिक कृतियों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

नमूना: श्री राव लंबी छुट्टी पर जाएँगे।

श्री राव लंबी छुट्टी पर जा रहे हैं।

1. निदेशक चेन्नै कार्यालय के निरीक्षण के लिए जाएँगी।
2. इस वर्ष रेल कर्मचारियों को बोनस दिया जाएगा।
3. विश्व कप में हमारी टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी।
4. हिंदी फिल्में ऑस्कर पुरस्कार के लिए भेजी जाएँगी।
5. नोएडा में पाँच सितारा होटलों का निर्माण होगा।

नमूना: उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए प्रतीक्षा कर रहे थे।

उम्मीदवारों ने साक्षात्कार के लिए प्रतीक्षा की।

1. संसद सदस्य सीलिंग से संबंधित प्रश्न उठा रहे थे।
2. शोधार्थी जीव-विज्ञान में अनुसंधान कर रहे थे।
3. श्रीमती बिमला मसौदा लेखन पर कार्यशाला ले रही थीं।
4. भू-वैज्ञानिक पूर्वोत्तर क्षेत्र की भूमि पर भाषण दे रहे थे।
5. प्रशिक्षार्थी केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो में अनुवाद प्रशिक्षण ले रहे थे।

नमूना: बच्चे परीक्षा की तैयारी करेंगे।

बच्चे परीक्षा की तैयारी करें।

1. वह आज मसौदा तैयार करेगा।
2. हिंदी अधिकारी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।
3. वे मुंबई में आयोजित बैठक में जाएँगे।
4. तुम लेखा का सभी काम पूरा करोगे।
5. क्या हम अगले शनिवार आगरा देखेंगे?

नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए

नमूना: श्री निवास ने यात्रा का कार्यक्रम...(बनाना)

श्री निवास ने यात्रा का कार्यक्रम बनाया।

1. मेरी पत्नी ने कटक से चांदी के गहने...(खरीदना)
2. अशोक ने कलिंग युद्ध... (जीतना)
3. हमने उदयगिरि, खंडगिरि की गुफाएँ...(देखना)
4. उन्होंने कल फिल्म...(देखना)
5. मैंने प्रेमचंद का उपन्यास...(पढ़ना)

संवाद

प्रशिक्षार्थी अपने देखे हुए किसी पर्यटन स्थल के बारे में आठ-दस वाक्य बोलें।

पाठ - 2

मिट्टी की गाड़ी

परसर्गों का प्रयोग

संस्कृत में एक प्रसिद्ध नाटक है- "मृच्छकटिकम्" अर्थात मिट्टी की गाड़ी। यह नाटक शूद्रक ने लिखा है। इस नाटक में समाज की अच्छाइयों और बुराइयों को इस प्रकार दिखाया गया है कि वे आज भी विश्वसनीय लगती हैं।

नाटक का नायक चारुदत्त है। वह धनी परिवार से है। धनिकों की बस्ती में रहता है पर व्यापार में घाटा होने के कारण गरीबी में जी रहा है। धन के नाम पर उसके पास चरित्र और यश ही रह गया है। बसंतसेना नाम की गणिका उसे बहुत चाहती है। उसे चारुदत्त से प्रेम है, धन से नहीं।

उस समय समाज में अन्याय और अत्याचार बढ़ रहा था। राजा को इसकी कोई चिंता नहीं थी। वह मौज मस्ती में रहता था। उसके राज्य में चोर लुटेरे अपनी मनमानी और लूटमार करते थे। प्रजा इनसे बहुत त्रस्त थी। समाज में असुरक्षा व्याप्त थी। इसी डर से बसंतसेना ने अपने गहने चारुदत्त के पास रखवा दिए थे। एक दिन एक सेंधमार उन्हें चुरा कर ले गया। चारुदत्त को यह चिंता सताने लगी कि लोग उस पर दोष लगाएँगे कि उसने बसंतसेना की धरोहर हड़प ली। चारुदत्त को इस अपमान से बचाने के लिए उसकी पत्नी द्यूता ने अपना बहुमूल्य हार बसंतसेना के पास भेज दिया।

इस बीच चोरी हुए आभूषण वापस बसंतसेना के पास पहुँच गए। बसंतसेना द्यूता का हार लौटाने के बहाने चारुदत्त के घर आती है। चारुदत्त का नन्हा बच्चा जिद कर रहा है, मुझे सोने की गाड़ी चाहिए। असल में उसके साथी अमीर परिवारों के थे और कीमती खिलौनों से खेलते थे। चारुदत्त के पुत्र को मिट्टी की गाड़ी से बहलाया जाना उनकी विवशता थी। बसंतसेना इस बात से दुखी होती है और बच्चे की गाड़ी को अपने आभूषणों से भर देती है। लौटते हुए भीड़-भाड़ में रथ बदल जाने के कारण बसंतसेना निर्जन स्थान में जा पहुँचती है। राजा के साले शंकर को चारूदत्त से ईर्ष्या है क्योंकि बसंतसेना चारुदत्त की प्रेमिका है और वह भी बसंतसेना को चाहता है। इसलिए मौका पाकर शंकर बसंतसेना की हत्या का प्रयास करता है और लौटकर चारुदत्त पर बसंतसेना की हत्या का झूठा आरोप लगा देता है। न्यायाधीश के पास विवाद पहुँचता है। न्यायालयों में भी भ्रष्टाचार फैला है। राजा का साला न्यायाधीश को धमकाता है। चश्मदीद गवाह को न्यायालय तक नहीं पहुँचने दिया जाता। चारुदत्त के विरुद्ध झूठी गवाही दी जाती है और सच्चे गवाहों के बयानों को भी तोड़-मरोड़ दिया जाता है। न्यायाधीश बिना देर लगाए चारुदत्त को मृत्युदंड सुना देता है।

निर्दोष चारुदत्त को मृत्युदंड देने की घोषणा सुनते ही जनता में असंतोष फैल जाता है। राजा के विरोध में जन आंदोलन खड़ा हो जाता है। जनक्रांति होती है। झूठे

आरोपों में बंदी बनाए गए कैदी छोड़े जाते हैं। उन्हीं कैदियों में से एक ऐसा था जिसने शंकर को बसंतसेना का गला दबाते हुए देखा था। वह कैदी वध स्थल की ओर भागता है। बसंतसेना गला दबाए जाने से बेहोश हो जाती है लेकिन शंकर उसे मरी समझकर भाग जाता है। होश में आने पर बसंतसेना चारुदत्त को दिए गए मृत्युदंड की खबर सुनती है और वह भी चारुदत्त को बचाने के लिए न्यायालय की ओर दौड़ती है। दूसरी ओर चारुदत्त का बेटा भी आभूषणों से लदी मिट्टी की गाड़ी लेकर वहाँ पहुँचता है जहाँ चारुदत्त को मृत्युदंड दिया जाना था। शंकर अपने सामने जल्दी से जल्दी चारुदत्त को फाँसी लगते देखना चाहता है पर जब क्रांतिकारियों की भीड़ वहाँ पहुँचती है तो उसे अपनी जान बचाना कठिन हो जाता है। बसंतसेना के आ पहुँचने से सारे आरोप ही झूठे सिद्ध हो जाते हैं।

उधर क्रांतिकारी राजा को अपदस्थ कर देते हैं और चारुदत्त को छुड़ा लेते हैं। अंत में प्रजा ऐसे व्यक्ति को अपना राजा चुनती है जो योग्य और न्यायप्रिय होता है।

शब्दार्थ

नाटक	drama	धरोहर	pledge
समाज	society	अपमान	insult
विश्वसनीय	reliable	बहुमूल्य	valuable
व्यापार	business	आभूषण	jewellery
घाटा	loss	विवशता	helplessness
गरीबी	poverty	निर्जन स्थान	deserted place
चरित्र	character	हत्या	murder
यश	fame	आरोप/दोष	allegation
अन्याय	injustice	न्यायाधीश	judge
लुटेरे	looters	न्यायालय	court
प्रजा	public	भ्रष्टाचार	corruption
त्रस्त	oppressed	चश्मदीद गवाह	eye witness
असुरक्षा	insecurity	बयान	statement
बहाना	excuse, pretext	निर्दोष	innocent
मृत्युदंड	death sentence	तोड़-मरोड़	twist
सेंधमार	one who breaks into the wall		

पर्यायवाची शब्द

प्रसिद्ध	=	मशहूर	धरोहर	=	अमानत
चिंता	=	फिक्र	प्रयास	=	कोशिश

आभूषण	=	गहने	प्रजा	=	जनता
ज़िद	=	हठ	सज़ा	=	दंड
घोषणा	=	एलान			

विलोम शब्द

अच्छाई	x	बुराई	सम्मान	x	अपमान
विश्वसनीय	x	अविश्वसनीय	धनी	x	निर्धन
अमीर, धनी	x	गरीब	योग्य	x	अयोग्य
घाटा	x	फायदा	संतोष	x	असंतोष
प्यार	x	घृणा	झूठ	x	सच
न्याय	x	अन्याय	आदर	x	अनादर

सांस्कृतिक टिप्पणी

गणिका : रूप, नृत्य और संगीत का व्यवसाय करने वाली।

साला : पत्नी का भाई।

बोध प्रश्न

1. यह नाटक किस भाषा का है? इसे किसने लिखा?
2. नाटक के नायक चारुदत्त के बारे में बताइए।
3. चारुदत्त को अपमान से बचाने के लिए उसकी पत्नी ने क्या किया?
4. चारुदत्त पर झूठा आरोप कौन लगाता है?
5. क्या चारुदत्त को मृत्युदंड मिला?
6. प्रजा कैसे व्यक्ति को अपना राजा चुनती है?
7. "मृच्छकटिकम् " नाटक की स्थितियाँ आज भी विश्वसनीय क्यों लगती हैं?

व्याकरणिक टिप्पणी

कारक के भेद [Kind of case]

1. **कर्ता कारक [Subject case]** जब वाक्य में भूतकाल में सकर्मक क्रिया का प्रयोग किया जाता है तो कर्ता के बाद "ने" परसर्ग का प्रयोग होता है।

   जैसे:- राधा <u>ने</u> पत्र लिखा।

2. **कर्म कारक [Object case]**

(क) "को" का प्रयोग कर्म के बाद विशेष रूप से प्राणीवाचक संज्ञा के साथ होता है।

जैसे:- माँ ने बेटे को पढ़ाया।

आमतौर पर अप्राणीवाचक कर्म में "को" नहीं लगता।

जैसे:- तुम यह पेड़ मत काटो।

अपवाद स्वरूप इसका प्रयोग अप्राणीवाचक संज्ञाओं के साथ भी किया जाता है।

जैसे:- तुम इस पेड़ को मत काटो।

(ख) **"चाहिए"** क्रिया का प्रयोग करते समय भी "को" का प्रयोग होता है।

जैसे:- उसको किताब चाहिए।

3. **करण कारक [Instrumental case]**

(क) जिस साधन द्वारा कार्य किया जाता है उसके बाद "से" एवं "के द्वारा" का प्रयोग होता है।

जैसे:- वह हवाई जहाज से अमेरिका गया।

(ख) "से" का प्रयोग रीति, कारण, दशा, मूल्य, शरीर का दोष दिखलाने के लिए भी किया जाता है ।

जैसे:- तुम ध्यान से कार्य करो। वह काम से बाहर गया है।

अध्ययन करने से भविष्य बनेगा। वह कमर दर्द से पीड़ित है।

(ग) कर्मवाच्य और भाववाच्य में कर्ता के बाद "से" का प्रयोग होता है।

जैसे:- रोगी से चला नहीं जाता।

(घ) पूछना, करना, बोलना, कहना, प्रार्थना करना, ढकना और माँगना क्रियाओं का प्रयोग करते समय "से" का प्रयोग किया जाता है।

जैसे:- माँ से पूछकर आओ।

देश से प्यार करना चाहिए।

4. **संप्रदान कारक [Dative case]** वाक्य में जिसे कुछ दिया जाए या जिनके लिए कुछ किया जाए, उनके बाद 'को' और 'के लिए' कारकों का प्रयोग होता है।

जैसे:- मैंने राधा को पुस्तक दी।

उसने पत्नी के लिए साड़ी खरीदी।

5. **अपादान कारक [Ablative case]** जिन शब्दों से अलग होने का, दूरी का, तुलना का, निकलने का, डरने का, सीखने का तथा लज्जित होने का बोध हो उसे अपादान कारक कहते हैं। इसका परसर्ग "से" है।

जैसे:- पेड़ से सेब गिरा।

मेरा घर सबसे दूर है।

लता ऊषा से अच्छा गाती है।

6. **संबंध कारक [Genetive case]** जिन शब्दों से एक वस्तु का दूसरी वस्तु से संबंध होने का बोध होता है, उन्हें संबंध कारक कहते हैं।

जैसे:- अशोक सीता का पुत्र है।

यह मेरी कार है।

आपके कितने बच्चे हैं।

7. **अधिकरण कारक [Locative case]** जिन शब्दों से क्रिया की स्थिति का बोध हो उसे अधिकरण कारक कहते हैं।

जैसे:- मेरे घर में तीन कमरे हैं।

किताब मेज पर रखी है।

8. **संबोधन कारक [Vocative case]** जिन शब्दों से किसी को पुकारने, बुलाने, सुनाने या सावधान करने का बोध हो उन्हें संबोधन कारक कहते हैं।

जैसे:- अरे बच्चों! शोर मत मचाओ।

हे भगवान! ये क्या हो गया?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

1.	राम के चार बेटे हैं।	(बेटियाँ, भाई, बहन, बच्चे)
2.	राधा की लड़की बड़ी है।	(लड़का, घर, परिवार, बैठक)
3.	राम ने चॉक से लिखा।	(कलम, पैंसिल, बॉलपेन, जेलपेन)
4.	नरेश बस से गिर गया।	(सीढ़ी, साइकिल, पलंग, पेड़)
5.	माँ ने सबके लिए खाना बनाया।	(बच्चे, मेहमान, पिताजी, बेटियाँ)
6.	मेरे परिवार में तीन लोग हैं।	(सदस्य, बच्चे, बेटे, बेटियाँ)
7.	लक्ष्मण ने बगीचे में उर्मिला को देखा।	(लड़कियाँ, लड़के, लोग, पक्षी)
8.	मैंने अपने मित्र को घड़ी उपहार में दी।	(छोटी बहन, माताजी, पिताजी, बड़े भाई)
9.	सहायक ने रिपोर्ट तैयार की।	(मसौदा, कार्यवृत्त, कार्यसूची, टिप्पणी)

रूपांतरण

नमूना: सौरभ ने प्रतियोगिता में भाग लिया। उसे पुरस्कार मिला।

प्रतियोगिता में भाग लेने पर सौरभ को पुरस्कार मिला।

1. राघवन को पदोन्नति मिली। उसने पार्टी दी।
2. सचिव ने बजट देखा। उन्होंने संशोधन के कुछ सुझाव दिए।

3. तिमाही प्रगति रिपोर्ट भेजी। उसकी प्राप्ति सूचना आ गई है।
4. असम के लिए आरक्षण करवाया। हमारी यात्रा सुखद रही।
5. शुभाशीष ने मेहनत की। वह परीक्षा में प्रथम आया।

दोहरा स्थानापत्ति अभ्यास

1.	<u>अत्याचार</u> बढ़ रहे हैं, पर <u>पुलिस</u> को कोई चिंता नहीं।	
2.	कीमतें	सरकार
3.	नुकसान	मालिक
4.	जनसंख्या	प्रशासन
5.	चोरियाँ	पुलिस
6.	अनुशासनहीनता	प्रधानाचार्य

उपयुक्त परसर्ग चुनकर रिक्त स्थान भरें।

(ने, को, का, के, पर, से, की, में)

1. कई त्योहारों.............झाँकियाँ निकाली जाती हैं ।
2. हिंदी..........परीक्षा.......... सफलता पाने..........मेरी तरफ से तुम्हें बधाई है।
3. मिसिल...........अधिकारी............हस्ताक्षर कर दिए हैं।
4. ठेकेदार............मजदूरों ....सड़क बनवाई।
5. चेन्नै..............दिल्ली.................किराया कितना है?

संवाद

(1) चर्चा करें कि भारी वर्षा होने, तूफान आने, ठंड बढ़ने, बाढ़ आने पर क्या-क्या होता है?

(2) "से" का उपयोग करते हुए शहरों, नदियों, जानवरों आदि की तुलना करें।
जैसे - आगरा शहर दिल्ली से छोटा है । दिल्ली आगरा से बड़ी है।

(3) आप शहर से अपने परिवार वालों के लिए क्या-क्या लेना चाहते हैं, प्रश्नोत्तर कीजिए।
जैसे - मैं अपनी माँ के लिए एक साड़ी लेना चाहता हूँ ।

पाठ - 3

मकान के लिए ऋण

अगर............तो

मोहिनी : अरे प्रशांत, तुम आज बहुत चिंतित लग रहे हो। अगर कोई परेशानी है तो मुझे बताओ। शायद मैं कुछ मदद कर सकूँ।

प्रशांत : जी हाँ, मैडम। मैंने 25,000 रुपए भरकर नगर आवास विकास प्राधिकरण के अंतर्गत एक फ्लैट लेने के लिए आवेदन दिया था, अब मेरा नाम उस लॉटरी में निकल आया है। फ्लैट निकल तो आया है पर.............।

मोहिनी : यह तो खुशी की बात है, बहुत-बहुत बधाई। पर तुम इतने परेशान क्यों हो?

प्रशांत : मेरी चिंता का कारण है पैसा। इतने पैसों का इंतजाम कैसे होगा?

मोहिनी : इस फ्लैट की कुल कीमत कितनी है?

प्रशांत : इस फ्लैट को लेने के लिए मुझे दस लाख रुपए चाहिए। समस्या यह है कि अगर मैं तीन महीने के अंदर पैसों का इंतजाम न कर पाया तो मेरा पंजीकरण रद्द हो जाएगा। मकान खरीदने का मौका बार-बार मिलता कहाँ है?

मोहनी : आपने अपने कार्यालय में तो भवन निर्माण अग्रिम के लिए आवेदन-पत्र दे ही दिया होगा।

प्रशांत : हाँ, पहले सूचना दे दी थी। अब ड्रा निकलने पर मैंने ऋण के लिए आवेदन भी दे दिया है। अगर ऋण समय पर नहीं मिला तो मुझे कठिनाई होगी।

मोहिनी : अगर कार्यालय ऋण देगा तो कितना देगा?

प्रशांत : मुझे पचास माह के मूल वेतन के बराबर ऋण मिल सकता है जोकि लगभग पाँच लाख रुपए होगा।

मोहिनी : शेष राशि का इंतजाम तुम कहाँ से करोगे? अगर तुम सहकारी ऋण समिति के सदस्य हो तो लगभग दो लाख रुपए तक का ऋण वहाँ से भी मिल सकता है।

प्रशांत : हाँ। अगर सहकारी ऋण समिति से समय पर ऋण नहीं मिला, तो बैंक और कुछ निजी वित्तीय कंपनियों से ऋण ले सकता हूँ।

मोहिनी : तुम्हारी सरकारी सेवा तो पंद्रह साल की है। अगर तुम चाहो तो सामान्य भविष्य निधि से नब्बे प्रतिशत तक अंतिम निकासी ले सकते हो।

प्रशांत	:	हाँ, सामान्य भविष्य निधि से मुझे लगभग तीन लाख रुपए मिल सकते हैं।
मोहिनी	:	अगर तुम्हारे पास निजी बचत या कुछ शेयर हैं तो मकान खरीदने के लिए उनका भी उपयोग कर सकते हो।
प्रशांत	:	हाँ, इन सब स्रोतों से पाँच-छह लाख मिल जाएँगे। अगर कार्यालय से ऋण मिलने में देर होगी तो मकान लेने की सारी योजना चौपट हो जाएगी।
मोहिनी	:	लेकिन तुम निराश न हो। एक उपाय और है। अगर पूरे पैसों का इंतजाम न हो सका, तो तुम किस्तों में भी मकान खरीद सकते हो।
प्रशांत	:	नहीं मैडम, मेरे इस फ्लैट का आबंटन नकद क्रय योजना के अंतर्गत किया गया है अत: यह किस्तों में नहीं बदला जा सकता ।
मोहिनी	:	तब तो मुश्किल है। लेकिन मुझे लगता है कि तुम्हें ऋण मिल जाएगा।

शब्दार्थ

भरना	to fill up	मूल वेतन	basic Pay
आवास विकास	housing development	शेष राशि	balance amount
प्राधिकरण	authority	सहकारी ऋण	co-operative loan
ऋण	loan	समिति	society
आवेदन	application	निजी वित्तीय	private financial
अग्रिम	advance	कंपनी	company
बधाई	congratulation	पंजीकरण	registration
भविष्य निधि	provident fund	अंतिम निकासी	final withdrawl
रद्द	cancell	किस्त	instalment
निर्माण	construction	आबंटन	allotment
भवन निर्माण	house building	नकद क्रय	cash down
		योजना	scheme

पर्यायवाची शब्द

मदद	=	सहायता	चिंता	=	फ़िक्र
ऋण	=	कर्ज़	भवन	=	इमारत
अग्रिम	=	पेशगी	प्रतिशत	=	फ़ीसदी

विलोम शब्द

सामान्य	x	विशेष	कठिनाई	x	सरलता
निजी	x	सार्वजनिक	नकद	x	उधार
क्रय	x	विक्रय	सरकारी	x	गैर सरकारी

शब्द निर्माण

योग - प्रयोग-उपयोग-सदुपयोग-दुरुपयोग-अभियोग-संयोग-वियोग

बोध प्रश्न

1. प्रशांत क्यों चिंतित है?
2. प्रशांत को फ्लैट के लिए धन कब चाहिए?
3. प्रशांत को मकान के लिए कितने रुपए चाहिए?
4. कार्यालय से कितने महीने के मूल वेतन के बराबर ऋण मिलता है?
5. सामान्य भविष्य निधि से अंतिम निकासी कितने साल बाद होती है?
6. सामान्य भविष्य निधि से कितने प्रतिशत राशि अंतिम निकासी के रूप में निकाली जा सकती है?
7. सहकारी समिति किसे ऋण देती है?

व्याकरणिक टिप्पणी

इच्छा, अनुमान आदि काल्पनिक स्थितियों को "अगर..........तो" उपवाक्यों से जोड़ा जाता है। ये आश्रित वाक्य तीनों कालों में आते हैं। "अगर" के स्थान पर "यदि" का भी प्रयोग हो सकता है।

अगर तुम्हारे पास शेयर हैं तो उनसे पैसा मिल जाएगा।

यदि बारिश होगी तो फसल अच्छी होगी।

यदि वह नहीं आया तो काम नहीं बन पाएगा।

पहले दो वाक्यों में शर्त में व्यंजित अनुमान के सही होने पर परिणाम की सूचना है। तीसरे वाक्य में काम न होने की पूर्व कल्पना की प्रतिक्रिया है जैसे:-

मान लो, तुम्हें कर्ज नहीं मिला, तब क्या करोगे?

अगर मुझे कर्ज नहीं मिला तो मकान नहीं बन पाएगा।

"मिलता कहाँ है "is not a question. It means the negative i.e. नहीं मिलता। similarly जानता कौन है = कोई नहीं जानता, आता कब है = नहीं आता।

"जो कि" इस शब्द का प्रयोग संयोजक के रूप में होता है जो उप वाक्य के रूप में आता है। जैसे:-

मुझे पंद्रह सौ रुपए त्योहार अग्रिम मिलेगा जोकि दस किस्तों में लौटाना होगा।

I will get festival advance of Rs. 1500/- which will be repaid in ten instalments.

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

(क) 1. अगर <u>रोटी</u> नहीं मिली तो हमें <u>फल</u> से काम चलाना पड़ेगा ।

(इडली-डोसा, दाल-दही, कुरसी-चटाई, होटल-धर्मशाला)

2. यदि केबल ऑपरेटरों की हड़ताल हुई तो हम <u>अखबार </u>से काम चला लेंगे।

(रेडियो, इंटरनेट, दूरदर्शन)

3. यदि श्याम रात दस बजे तक घर नहीं आया तो हमें उसके <u>दोस्तों</u> से पता करना होगा।

(रिश्तेदारों, कार्यालय-साथियों, अधिकारी)

4. अगर बैंक ने ऋण नहीं दिया तो मुझे <u>साहूकार </u>से ऋण लेना पड़ेगा।

(सहकारी समिति, कार्यालय, दोस्तों)

(ख) 1. विदेश जाने पर मैं वहाँ <u>व्यापार करूँगा।</u>

(नौकरी करना, विभिन्न स्थान देखना, हिंदी पढ़ाना, अध्ययन करना)

2. अवर सचिव के सामने <u>मसौदा</u> प्रस्तुत करना है।

(पत्र, विवरण, वार्षिक कार्यक्रम, प्रतिवेदन)

3. <u>सचिव महोदय</u> कार्यालय का निरीक्षण करेंगे।

(वित्त मंत्री, अवर सचिव, निदेशक)

4. <u>मैं </u>दिल्ली में रुंकने पर प्रदर्शनी देखूँगा।

(भाई साहब, सुनील, रमेश की बहनें)

रूपांतरण अभ्यास

नमूना: ऋण न मिलने पर मकान नहीं बन पाएगा।

अगर ऋण न मिला तो मकान नहीं बन पाएगा।

1. फूल न मिलने पर पूजा नहीं हो पाएगी।
2. बस न मिलने पर मैं कार्यालय नहीं जा पाऊँगा।
3. बैंक न खुलने पर हम पैसे नहीं निकाल पाएँगे।
4. मंत्री के न आने पर कार्यक्रम नहीं हो पाएगा।
5. अनुमोदन न मिलने पर बैठक नहीं हो पाएगी।

नमूना: माँ की बीमारी से बच्चों को चिंता है।

माँ की बीमारी से बच्चे चिंतित हैं।

1. भविष्य निधि अग्रिम समय पर न मिलने से मुझे परेशानी है।
2. प्रतियोगी परीक्षा में चयन होने पर उन्हें प्रसन्नता है।
3. बढ़ती हुई महंगाई से लोगों में असंतोष है।
4. दुर्घटना की खबर सुनकर राधा को दुख है।
5. बिजली न होने के कारण हम सबको बेचैनी है।

प्रश्नोत्तर अभ्यास

नमूना: क्या आप आज शाम को सिनेमा चलेंगे? (छुट्टी मिलना)

अगर छुट्टी मिलेगी तो मैं आज शाम को सिनेमा चलूँगा।

1. क्या आप टैनिस प्रतियोगिता में भाग लेंगे? (स्वस्थ रहना)
2. क्या तुम कांजीवरम से साड़ी लाओगे? (समय मिलना)
3. क्या वे पाँच बजे के बाद कार्यालय में रुंकेंगे? (ज्यादा काम होना)
4. क्या अवर सचिव इस टिप्पणी पर हस्ताक्षर करेंगे? (सहमत होना)
5. क्या निदेशक तीन बजे मुझे समय दे सकेंगी? (बैठक खत्म हो जाना)

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

1. अगर बारिश हुई तो...
2. अगर दौरे पर जाना पड़ा तो...
3. अगर शीला बीमार हुई तो..
4. यदि अध्यापक न आया तो..
5. यदि ट्रेन छूट गई तो...

संवाद

1. आप सिनेमा जाने का कार्यक्रम बना रहे हैं। व्यवधान की स्थितियों की कल्पना कर हर स्थिति में विकल्पों की चर्चा कीजिए।

   बस न मिलना - बस नहीं मिलेगी तो टैक्सी से जाएँगे।

   टिकट न मिलना- टिकट नहीं मिलेगा तो दूसरे हॉल में देखेंगे।

अन्य व्यवधान हैं- आगे की सीट न मिलना, बिजली चली जाना, नौ बजे तक काम पूरा न होना।

2. ऊपर की स्थिति में एक प्रशिक्षार्थी व्यवधान का उल्लेख करेगा, दूसरे प्रतिवाद करेंगे । जैसे:-

प्रशिक्षार्थी-1	**प्रशिक्षार्थी-2**
टिकट नहीं मिलेगा।	टिकट नहीं मिला, तो दूसरी जगह जाएँगे।

क्रम से दोनों स्थितियों में बातचीत कराएँ।

(इसी तरह होटल में खाना खाना, शादी में जाना आदि स्थितियों में भी वार्तालाप कराएँ।)

पाठ - 4

ट्रैवल एजेंट से बातचीत

अगर...............वो
यदि................तो

पर्यटक : नमस्कार साहब!

ट्रैवल एजेंट : नमस्कार। आइए, बैठिए। कहिए, क्या जानकारी चाहिए।

पर्यटक : साहब, मैं अपने परिवार के साथ दक्षिण भारत की यात्रा करना चाहता हूँ। इसके लिए आपसे कुछ जानकारी चाहिए।

ट्रैवल एजेंट : अवश्य मिलेगी। कृपया यह बताइए कि आपके परिवार में कितने लोग हैं?

पर्यटक : हम पाँच लोग हैं। मैं, पत्नी, माताजी, पिताजी और बेटा।

ट्रैवल एजेंट : आप कितने दिन की यात्रा पर जाना चाहते हैं?

पर्यटक : अगर अच्छा कार्यक्रम बन जाए तो 15 दिन की यात्रा पर जाना चाहेंगे।

ट्रैवल एजेंट : दक्षिण भारत मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। आप दक्षिण में कहाँ-कहाँ जाना चाहेंगे?

पर्यटक : हम दक्षिण में मैसूर, चेन्नै, मदुरै और कन्याकुमारी घूमना चाहेंगे।

ट्रैवल एजेंट : मेरा सुझाव है कि यदि आप मैसूर जा रहे हों तो रास्ते में बेंगलूर में उतरें। बेंगलूर बहुत ही सुंदर शहर है। एक दिन आप बेंगलूर घूमें। बाद में मैसूर जाएँ। मैसूर में रॉयल पैलेस, टीपू सुल्तान का किला, वृंदावन गार्डन आदि दर्शनीय स्थान हैं। मैसूर से आप चेन्नै जाएँ। चेन्नै के आस-पास महाबलिपुरम, काँचीपुरम देख सकते हैं। अगर चाहें तो चेन्नै से सीधे कन्याकुमारी जाएँ। वहाँ से लौटते समय मदुरै और कोडै-केनाल देख सकते हैं। अच्छा, यह बताइए कि आप रेल से यात्रा करना चाहेंगे या बस से?

पर्यटक : अगर कार्यक्रम तय हुआ तो रेल से यात्रा करना चाहूँगा।

ट्रैवल एजेंट : क्या आपको होटल की सुविधा चाहिए? आप कहाँ ठहरेंगे?

पर्यटक : हाँ, होटल तो चाहिए ही।

ट्रैवल एजेंट : दक्षिण में होटल काफी सस्ते हैं और अच्छे भी।

पर्यटक : अगर रेल से यात्रा करें तो कितना किराया होगा?

ट्रैवल एजेंट : यदि रेल से यात्रा करें तो ए.सी. द्वितीय श्रेणी का किराया लगभग चालीस हजार रुपए होगा।

पर्यटक : जानकारी के लिए धन्यवाद। कार्यक्रम बन जाए तो एक दो दिन में आपसे संपर्क करूँगा ।

शब्दार्थ

जानकारी	information	दर्शनीय स्थान	worth seeing places
दक्षिण	south	सस्ता	cheap
यात्रा	travel	किराया	fare
अवश्य	sure	द्वितीय श्रेणी	class-II
कार्यक्रम	programme	संपर्क	contact
मंदिर	temple	प्रसिद्ध	famous

पर्यायवाची शब्द

सुझाव	=	सलाह	प्रसिद्ध	=	मशहूर
आसपास	=	ईदगिर्द	तय करना	=	निश्चित करना
दर्शनीय स्थल	=	देखने लायक स्थान	बातचीत	=	वार्तालाप
यात्रा	=	सफर	श्रेणी	=	दर्जा

विलोम शब्द

व्यवस्था	x	अव्यवस्था	सस्ता	x	महँगा
सुविधा	x	असुविधा	सुंदर	x	कुरूप

बोध प्रश्न

1. पर्यटक कहाँ की यात्रा करना चाहता है?
2. पर्यटक दक्षिण भारत में कौन-कौन से शहर घूमना चाहता है?
3. ट्रैवल एजेंट ने कौन-कौन से स्थान देखने का सुझाव दिया?
4. ट्रैवल एजेंट ने प्रथम श्रेणी का रेल किराया कितना बताया?
5. मैसूर में कौन-कौन से दर्शनीय स्थल हैं?
6. पाँच लोगों के लिए कुल मिलाकर कितना किराया होगा?

व्याकरणिक टिप्पणी

इच्छा, अनुमान, संभावना आदि को व्यक्त करने के लिए "अगर......तो " उपवाक्य का प्रयोग किया जाता है।

अगर आप घर आएँ तो अच्छा होगा।

अगर आप आए तो मेरा काम बन जाएगा।

पहले वाक्य में संभाव्य भविष्यत रूप "आएँ" का प्रयोग हुआ है। इसमें इच्छा या कामना के साथ आशंका भी छिपी हुई है जबकि दूसरे वाक्य में समापिका क्रिया "आए" में एक प्रकार की निश्चितता व्यक्त होती है।

उदाहरणार्थ:-

अगर वे मैसूर गए तो महाराजा का महल ज़रूर देखेंगे। (अनुमान)

अगर रेल से यात्रा करें तो सुविधाजनक रहेगा। (संभावना)

अगर कर्ज मिला तो मकान बन जाएगा। (निश्चितता)

हिंदी में अगर और यदि दोनों शब्द समानार्थी हैं, दोनों ऐच्छिक हैं।

"अगर" से बनी कुछ विशिष्ट अभिव्यक्तियाँ

इन वाक्यों को पढ़िए:-

अगर आप उचित समझें तो (If you think appropriate) उनसे ज़रूर मिल लें।

अगर आप अन्यथा न लें तो (If you don't take it otherwise) मैं एक बात कहना चाहूँगी।

अगर आप अनुमति दें तो (If you permit) मैं भी साथ चलूँगा।

अगर आप बुरा न मानें तो (If you don't mind) मैं एक बात कहना चाहता हूँ।

अगर आप चाहें तो (If you like so) यह किताब ले लें।

अगर हो सके तो (If it is possible) मुझे कुछ रुपए दें/दीजिए।

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

1. अगर आपके पास पाँच सौ रुपए हों तो दे दीजिए।
   (पुस्तकें, कोरे कागज, दो पेन)
2. अगर ब्रैड न मिले तो फल ले आना।
   (मिठाई, डोसा, समोसे)
3. अगर आप शादी में जा सकें तो ठीक रहेगा।
   (पिकनिक पर, पार्टी में, कार्यक्रम में)
4. अगर आप आज्ञा दें तो मैं जाना चाहूँगा।
   (आना, बात करना, खेलना)
5. यदि आप छुट्टी लेना चाहें तो ले लें।
   (वह, बच्चे, श्रीमती नूपुर, तुम)

रूपांतरण अभ्यास

नमूना : आपके कहने पर मेरा काम बन जाएगा।

अगर आप कहें तो मेरा काम बन जाएगा।

1. तुम्हारे आने पर बैठक हो जाएगी।
2. राम के ढूँढने पर मकान मिल जाएगा।
3. गोपाल के पढ़ने पर वह पास हो जाएगा।
4. अध्यक्ष के आने पर सभा शुरू हो जाएगी।
5. मेहमानों के बैठने पर खाना परोसा जाएगा।

स्थानापत्ति अभ्यास

1. अगर विभाग में लेखा परीक्षा हुई तो विभिन्न तथ्य सामने आएँगे।
   (वर्क स्टडी, जाँच, छँटनी)
2. यदि हमारी योजनाएँ ठीक होंगी तो देश का विकास होता रहेगा।
   (नीतियाँ, अन्य देशों से संबंध, आंतरिक प्रशासन)
3. अगर कनिष्क जी ठीक से काम नहीं करेंगे तो उन्हें सेवामुक्त किया जाएगा।
   (स्थानांतरित, निलंबित, प्रत्यावर्तित)
4. यदि वे संयुक्त सचिव से मिलेंगे तो रिपोर्ट तैयार करेंगे।
   (संसद प्रश्नोत्तर, बजट अनुमान, बैठक की कार्यसूची)
5. अगर रमेश मेहनत से काम करेगा तो उसकी पदोन्नति होगी।
   (आप, वह, रेखा, वे)

रूपांतरण

नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए:-

नमूना: एक सहायक बुलाने पर अनुभाग का काम पूरा हो जाएगा।

अगर एक सहायक बुलाएँ तो अनुभाग का काम पूरा हो जाएगा।

1. दो टंकक नियुक्त करने पर रिपोर्ट समय पर टंकित हो जाएगी।
2. कुछ सख्ती बरतने पर कार्यालय में अनुशासन बना रहेगा।
3. कर्मचारियों को समझाने पर हड़ताल समाप्त हो जाएगी।
4. समयोपरि भत्ते की स्वीकृति देने पर कर्मचारी उत्साह से काम करेंगे।
5. अस्पताल में डाक्टरों की संख्या बढ़ने पर मरीजों की देखभाल अच्छी होगी।

नमूना: बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्हें पुरस्कार मिला।

प्रतियोगिता में भाग लेने पर बच्चों को पुरस्कार मिला।

1. कार्यालय ज्ञापन जारी हुआ। उसे अनुभागों में परिचालित किया गया।
2. सचिव महोदय ने आदेश दिए। आवश्यक कार्रवाई की गई।
3. अध्यक्ष ने प्रस्ताव को देखा। उन्होंने कुछ सुझाव दिए।
4. पत्र की प्रतिलिपि सूचनार्थ भेजी। उसकी प्राप्ति सूचना आ गई।
5. वित्त मंत्रालय से स्वीकृति मिली। नई परियोजना का काम शुरू हो गया।

प्रश्नोत्तर अभ्यास

नमूने के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

नमूना: लॉटरी मिलने पर आप क्या करेंगे? (कार खरीदना)

अगर लॉटरी मिली तो मैं कार खरीदूँगा।

1. नौकरी लगने पर आप क्या करेंगे? (मकान लेना)
2. एल.टी.सी. लेकर आप कहाँ जाएँगे? (लक्षद्वीप)
3. आरक्षण न मिलने पर दौरे पर कैसे जाएँगे? (हवाई जहाज)
4. मंत्री बनने पर आप क्या करेंगे? (नई नीतियाँ बनाना)
5. बैंक से ऋण न मिलने पर आप क्या करेंगे? (सहकारी समिति से)

संवाद

(1) आपने पूर्व पाठ में सिनेमा जाने के बारे में जो अभ्यास किया था, उसका वार्तालाप के रूप में पुन: अभ्यास करें।
टिकट न मिले तो आप क्या करेंगे?
आगे की सीट न मिले तो आप क्या करेंगे? आदि

(2) तेज बारिश हो, शहर में बंद हो जाए, रास्ते में गाड़ी खराब हो जाए, शहर में बीमारी फैले तो इन स्थितियों में क्या परिणाम होते हैं और आप क्या करते हैं? इस पर परस्पर चर्चा कीजिए।

पाठ - 5
हमारे चुनाव

कर्मवाच्य-बनना, धुलना
कर्तृवाच्य-बनाना, धोना

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव स्वयं करती है। चुनाव आयोग हर पाँच वर्ष बाद लोक सभा और विधान सभा के लिए आम चुनाव करवाता है। भारत का चुनाव आयोग एक सांविधिक संस्था है। यह देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव को सुनिश्चित करता है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान सर्वप्रथम चुनाव आयोग द्वारा देश भर में चुनाव की तिथियाँ अधिसूचित की जाती हैं। चुनाव की तिथियों की घोषणा होते ही राजनीतिक दलों में हलचल बढ़ जाती है और उनके चुनाव घोषणा पत्र जारी होने लगते हैं। पूरे देश में चुनावी कार्रवाइयाँ तेज हो जाती हैं। पोस्टर, नारे, अपीलें आदि छपने लगती हैं। टिकट देने के लिए उम्मीदवारों के नामों पर विचार होने लगता है। छोटे-बड़े नेताओं के बड़े-बड़े कट आउट लग जाते हैं। चुनावी सभाओं और रैलियों की बाढ़-सी आ जाती है। मतदाताओं को लुभाने की नई-नई योजनाएँ बनती हैं। उन्हें रिझाकर चुनाव जीतने की युक्तियाँ तलाशी जाती हैं। रोज नए-नए मुद्दे उछाले जाते हैं। सभाओं, रैलियों में भीड़ कम जुटती है तो फिल्मी कलाकारों को बुलाया जाता है। कहीं-कहीं तो कोई लोकप्रिय फिल्मी कलाकार स्वयं ही चुनाव में उतर जाते हैं।

कहीं-कहीं राजनीति के अपराधीकरण के प्रयास भी दिखाई पड़ते हैं। चुनाव आयोग तथा देश के माननीय न्यायालय इससे अनभिज्ञ नहीं हैं। इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए समय-समय पर नियम-कानून भी बनाए जाते हैं। लोकतंत्र में मतदान नागरिकों का पवित्र कर्त्तव्य है। जागरूक नागरिक होने के नाते हमें अपने मताधिकार का प्रयोग बहुत सोच-समझकर करना चाहिए। वोट डालते समय किसी धर्म, जाति और भाषा आदि पर विचार किए बिना कर्मठ और ईमानदार प्रत्याशी को ही वोट देना चाहिए। वास्तव में ऐसा ही प्रत्याशी देश की जनता के हितों की रक्षा कर सकता है। मतदाता को बिना किसी दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए जिससे भारत को कुशल नेतृत्व मिल सके और भारत का लोकतंत्र और अधिक मजबूत हो।

शब्दार्थ

लोकतंत्र	democracy	उम्मीदवार	candidate
जनता	public	मुद्दे	issues
प्रतिनिधि	representative	अपराधीकरण	criminalisation
चुनाव आयोग	election commission	माननीय	honourable
सांविधिक	statutary	अनभिज्ञ	ignorant
निष्पक्ष	fair	प्रवृत्ति	nature

अधिसूचित	notified	मतदान	voting
प्रत्याशी	candidate	जागरूक	aware
घोषणा पत्र	manifesto	मताधिकार	franchise
नारे	slogan	मतदाता	voter
रिझाना	to attract	नेतृत्व	leadership

पर्यायवाची शब्द

लोकतंत्र	=	जनतंत्र, प्रजातंत्र	प्रत्याशी	=	उम्मीदवार
भागीदारी	=	सहभागिता	वोट	=	मत
चुनाव	=	निर्वाचन	अपराध	=	जुर्म

विलोम शब्द

लोकतंत्र	x	राजतंत्र	हित	x	अहित
स्वतंत्र	x	परतंत्र	पक्ष	x	निष्पक्ष

संबद्ध शब्द

चुनाव	-	चुनावी	संविधान	-	संवैधानिक
अपराध	-	अपराधी, अपराधीकरण	मत	-	मतदान,मतदाता
लोकतंत्र	-	लोकतांत्रिक	राजनीति	-	राजनीतिक
अधिसूचना	-	अधिसूचित	जागरूक	-	जागरूकता

बोध प्रश्न

1. चुनाव आयोग का क्या कार्य है?
2. राजनीतिक दलों में हलचलें क्यों बढ़ जाती हैं?
3. चुनाव जीतने के लिए क्या क्या युक्तियाँ अपनाई जाती हैं?
4. मतदान में हमारा क्या कर्त्तव्य है?
5. कैसे प्रत्याशी को अपना मत देना चाहिए?
6. चुनाव आयोग किसके लिए चुनाव करवाता है?

व्याकरणिक टिप्पणी:-

कर्तृवाच्य (active voice): इसमें क्रिया का सीधा संबंध कर्ता से होता है। अत: जिस प्रयोग में क्रिया का मुख्य विषय कर्ता हो, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं। जैसे:-

1. माँ खाना बना रही हैं।
2. रमेश मेज़ लगा रहा है।

इन वाक्यों को कर्म प्रधान रचना में भी बोल सकते हैं। जैसे:-

1. खाना बन रहा है।
2. मेज़ लग रही है।

मौखिक अभ्यास

रूप रचना देखिए। **क्रियाएँ बनाएँ।**

करना	होना	बनाना	____________
लगाना	लगना	उतारना	____________
उछालना	उछलना	बाँटना	____________
काटना	कटना	उड़ाना	____________
सजाना	सजना	छोड़ना	____________
छापना	छपना	मोड़ना	____________
तोड़ना	टूटना	बाँधना	____________
फोड़ना	फूटना	सिलाना	____________
खोलना	खुलना	जलाना	____________

स्थानापत्ति

कोष्ठक के शब्द को बदलिए और उसके अनुसार वाक्य बनाइए।

1. बच्चों ने खेलते समय <u>शीशा</u> तोड़ दिया।
   (तस्वीर, गिलास, घड़ी)
2. राधा ने <u>सामान</u> बाँध लिया।
   (कपड़े, किताबें, बर्तन)
3. आज सुबह मुझसे <u>गिलास</u> टूट गया।
   (प्लेट, मूर्तियाँ, शीशा)
4. राम <u>मिठाई</u> बाँट रहा है।
   (फल, भोजन, प्रसाद)

दोहरा स्थानापत्ति अभ्यास

हम जो <u>पेड़ काट</u> रहे थे वह <u>कट</u> गया।

व्यंजन बनाना	बनना
पर्दा सीना	सिलना
कमरा सजाना	सजना
तस्वीर लगाना	लगना
मिठाई बाँटना	बँटना

रूपांतरण अभ्यास

नमूना: महेश के लिए खीर बन रही है। (माँ)

माँ खीर बना रही है।

1. श्रीमती बनर्जी के लिए कमरा सज रहा है। (नौकर)
2. पिता जी के लिए आँगन में बिस्तर बिछ रहा है। (मेरा भाई)
3. बच्चे के लिए दूध का डिब्बा खुल रहा है। (मेरी दीदी)
4. विद्यार्थियों के लिए लेख छप रहे हैं। (प्रकाशक)
5. चाचा जी के लिए पंखा चल रहा है। (बच्चे)

नमूना के अनुसार वाक्य बदलिए:-

नमूना: खाना बन रहा है। (सुधा)

सुधा खाना बना रही है।

1. सब्जी कट रही है। (माता जी)
2. मिठाई बन रही है। (हलवाई)
3. कार चल रही है। (ड्राइवर)
4. पतंग उड़ रही है। (बच्चे)
5. विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। (अध्यापक)
6. बक्से उतर रहे हैं। (नौकर)
7. पुस्तक छप रही है। (प्रकाशक)
8. दीपक जल रहा है। (माला)

संवाद:-

आपके घर में नाश्ते में, दोपहर तथा रात के खाने में क्या-क्या चीज़ें बनती हैं? आपस में प्रश्नोत्तर कीजिए।

अखबार में क्या-क्या चीज़े प्रकाशित होती/छपती हैं? पाँच-छह वाक्य बोलिए। खबरें, विज्ञापन, संपादकीय, खेल समाचार, साहित्य का स्तंभ।

प्रशिक्षार्थी अपने क्षेत्र में हुए चुनाव के संबंध में बातचीत करें।
(निष्पक्ष चुनाव, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, मतदाता सूची, पहचान पत्र)

पाठ - 6
नियुक्ति प्रक्रिया

कर्मवाच्य
किया जाता है..........
की जाती है.............

मेरा भाई मनोहर बी.ए. कर चुका है। वह आशुलिपि भी सीख गया है और कंप्यूटर पर काम करना भी। वह चाहता है कि कोई सरकारी नौकरी मिल जाए तो अच्छा हो।

पिछले हफ्ते हमारे चाचा जी दिल्ली से आए। वे दिल्ली में केंद्रीय सचिवालय में वित्तीय सलाहकार हैं। बातचीत के दौरान मनोहर ने उनसे कहा, "चाचाजी, जब आप दिल्ली लौटेंगे, तो मैं भी आपके साथ चलूँगा। मुझे किसी सरकारी कार्यालय में नौकरी दिला दीजिए।"

चाचा जी ने समझाया, "बेटे, तुम मेरे साथ चल सकते हो। तुमसे मिलकर चाची भी खुश होंगी, पर सरकारी नौकरी पाना आसान नहीं है, क्योंकि सरकारी कार्यालयों में नियुक्ति के लिए एक निश्चित प्रक्रिया होती है।"

संघ लोक सेवा आयोग तथा कर्मचारी चयन आयोग केंद्र सरकार के पदों पर चयन के लिए प्रतियोगी परीक्षाएँ आयोजित करते हैं। लिखित परीक्षाओं में सफल होने वाले उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार के बाद सफल उम्मीदवारों की भर्ती की जाती है। ये दोनों आयोग विभिन्न सरकारी कार्यालयों में उनकी माँग के अनुसार समय-समय पर रिक्त पदों के लिए भी साक्षात्कार के आधार पर चयन करते हैं । इसी तरह भारत के विभिन्न राज्यों में राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा सरकारी पदों पर भर्ती के लिए प्रतियोगी परीक्षाएँ आयोजित की जाती हैं । प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन से पहले विभिन्न कार्यालय रिक्त पदों की सूचना इन आयोगों को देते हैं। विभिन्न कार्यालय कभी-कभी प्रतिनियुक्ति के पदों पर भर्ती के लिए रोजगार समाचार में विज्ञापन देकर आवेदन पत्र मंगवाते हैं। आवेदन पत्र में पदनाम, आयुसीमा, अर्हताएँ, अनुभव आदि सूचनाएँ देना अपेक्षित होता है। आवेदन प्राप्त होने पर उनकी जाँच की जाती है और आवेदकों की सूची बनाई जाती है। यदि लिखित परीक्षा ली जाती है तो उसके बाद योग्यता क्रम के अनुसार सूची बनाई जाती है। इस सूची के अनुसार आवेदकों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में आवेदकों का सामान्य ज्ञान, योग्यता एवं व्यावहारिक कौशल आदि देखा जाता है। जो अभ्यर्थी आत्मविश्वास के साथ सही उत्तर देते हैं, उनका ही चयन किया जाता है।

मनोहर चाचा जी की बातें समझ गया। उसने कहा कि मैं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अच्छी तैयारी करूँगा। अगले दिन दिल्ली लौटते समय चाचाजी ने कहा- "बेटे, दैनिक समाचार पत्रों के अलावा रोजगार समाचार नियमित रूप से देखते रहो। इनमें संघ

लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड, बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड तथा निगमों, निकायों, उपक्रमों आदि के सेवा संबंधी विज्ञापन निकलते रहते हैं। जब तुम्हारे लायक कोई पद निकलेगा तो मैं भी तुम्हें तत्काल सूचित कर दूँगा।"

शब्दार्थ

आशुलिपि	stenography	तत्काल	immediate
अनुभव	experience	योग्यताएँ/अर्हताएँ	qualifications
केंद्रीय सचिवालय	central secretariat	सामान्य ज्ञान	general knowledge
		सक्षम अधिकारी	competent officer
अपेक्षित	desired	स्वीकृति	sanction
वित्तीय सलाहकार	financial advisor	भर्ती	recruitment
सूची	list	अभ्यर्थी	applicant
प्रक्रिया	process	साक्षात्कार	interview
आमंत्रित	invited	आत्मविश्वास	self confidence
निगम	corporation	रोजगार	employment
पदनाम	designation	प्रतियोगी	competitive
उपक्रम	undertaking	खुला विज्ञापन	open advertisement
आयु सीमा	age limit	आवेदन-पत्र	application

व्यावहारिक कौशल	practical knowledge/ practical expertise
संघ लोक सेवा आयोग	Union Public Service Commission (UPSC)
कर्मचारी चयन आयोग	Staff Selection Commission (SSC)
रेलवे भर्ती बोर्ड	railway recruitment board

पर्यायवाची शब्द

कार्यालय	=	दफ्तर	तत्काल	=	तुरंत
सरकारी	=	शासकीय	आसान	=	सरल
आयु	=	उम्र	अर्हताएँ	=	योग्यताएँ
अनुभव	=	तजुरबा	प्रत्याशी	=	उम्मीदवार

विलोम शब्द

नियमित	x	अनियमित	सक्षम	x	अक्षम
स्वीकृति	x	अस्वीकृति	लिखित	x	मौखिक
व्यावहारिक	x	अव्यावहारिक	निश्चित	x	अनिश्चित

शब्द निर्माण

आयोजन	-	आयोजित	संचालन	-	संचालित
निश्चय	-	निश्चित	अपेक्षा	-	अपेक्षित
सूचना	-	सूचित	नियम	-	नियमित
आमंत्रण	-	आमंत्रित	संरक्षण	-	संरक्षित

बोध प्रश्न

1. मनोहर क्या चाहता है?
2. चाचा जी किस पद पर कार्यरत हैं?
3. भर्ती की कौन-कौन सी प्रक्रियाएँ हैं?
4. आवेदन पत्र में कौन-कौन सी बातें स्पष्ट की जाती हैं?
5. आवेदकों को साक्षात्कार के लिए कब बुलाया जाता है?
6. दिल्ली लौटते समय चाचाजी ने मनोहर को क्या सलाह दी?

व्याकरणिक टिप्पणी

व्याकरणिक टिप्पणी - कर्मवाच्य के वाक्य-साँचों में कर्म की प्रधानता रहती है। इन वाक्यों में क्रिया कर्म के अनुसार होती है। कर्मवाच्य नीचे लिखे अर्थों में प्रयुक्त होता है:-

1. जब क्रिया का कर्ता अज्ञात हो अथवा उसे प्रगट करने की आवश्यकता न हो तो कर्मवाच्य का वाक्य बनता है। जैसे:-

पुलिस ने चोर को पकड़ा। (कर्तृवाच्य)	--	चोर पकड़ा गया। (कर्मवाच्य)

2. कर्म के अनुसार क्रिया बदलती है।

लड़की को बुलाया गया।	--	लड़की बुलाई गई।
श्री दास ने रमेश को सरकारी नौकरी दिलाई।	--	रमेश को सरकारी नौकरी दी गई।

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

1. भारत में सब जगह <u>दीवाली</u> मनाई जाती है।
   (ईद, होली, दशहरा, बुद्ध पूर्णिमा)
2. विद्यालय में विद्यार्थियों को <u>अंग्रेजी</u> पढ़ाई जाती है।

(हिंदी, गणित, सामाजिक ज्ञान, जीव विज्ञान)

3. खेत में <u>खुदाई</u> की जाती है।
   (बुवाई, निराई, गुड़ाई, कटाई)

4. <u>अनुशासन</u> के मामले में हर माह बैठक की जाती है।
   (लेखा, पेंशन, रखरखाव, निरीक्षण)

5. <u>नियुक्ति</u> के लिए एक निश्चित प्रक्रिया अपनाई जाती है।
   (ऋण लेना, साक्षात्कार, चिकित्सा, जाँच, अनुवाद)

रूपांतरण अभ्यास

नमूना के अनुसार वाक्य बनाइए:-

नमूना: साक्षात्कार के लिए प्रत्याशियों को बुलाते हैं।

साक्षात्कार के लिए प्रत्याशियों को बुलाया जाता है।

1. परीक्षा में निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछते हैं।
2. नौकरी के लिए विज्ञापन निकालते हैं।
3. निर्माण कार्य के लिए निविदाएँ मँगाते हैं।
4. प्राज्ञ परीक्षा पास करने पर पुरस्कार देते हैं।
5. केंद्रीय रजिस्ट्री में लिफाफे खुलते हैं।

नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए।

नमूना: विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होता है।

विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

1. चिकित्सा केंद्रों पर पोलियो कार्यक्रम चलता है।
2. 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाते हैं।
3. फिल्मोत्सव में विदेशी फिल्में दिखाते हैं।
4. योजना आयोग में पंचवर्षीय योजना बनती है।
5. हिंदीतर भाषी सरकारी कर्मचारियों को हिंदी का प्रशिक्षण देते हैं।

नमूना: सभी अधीनस्थ कार्यालयों को यह सूचना भेजिए।

सभी अधीनस्थ कार्यालयों को यह सूचना भेजी जाए।

1. मंत्रालय के हर कर्मचारी को पहचान पत्र दीजिए।
2. सरकारी कर्मचारियों को अतिरिक्त महँगाई भत्ता वितरित कीजिए।
3. नए पदों का विज्ञापन रोजगार समाचार में निकालिए।

4. एवज़ी की माँग के लिए प्रशासन को स्वत: पूर्ण टिप्पणी लिखिए।

5. रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आवश्यक कार्रवाई कीजिए।

नमूने के अनुसार वाक्य बनाइए।

नमूना: सिपाही भर्ती हो रहे हैं।

सिपाहियों को भर्ती किया जा रहा है।

1. मकान बनाने के लिए ऋण दे रहे हैं।
2. पुराना सामान बिक रहा है।
3. पुरानी इमारतें टूट रही हैं।
4. वृक्ष लग रहे हैं।
5. पुस्तकें छप रही हैं।

संवाद

प्रशिक्षार्थी निम्नलिखित विषयों पर आपस में चर्चा करें:-

1. साक्षात्कार कैसे लिया जाता है?

   (लिखित परीक्षा, मौखिक परीक्षा, चिकित्सा जाँच)

2. रोटी/पूरी कैसे बनाई जाती है?

   (आटा गूँधना, लोई बनाना, बेलना, तवे पर पलटना, सेंकना, तेल में तलना)

3. मंत्रालय या हवाई अड्डे में सुरक्षा (security) के लिए क्या-क्या उपाय किए जाते हैं?

पाठ - 7
बीमारी

भाववाच्य
खाया जाता है।
खाया नहीं जाता।
खा नहीं पाता।

मरीज़ : नमस्ते, डॉक्टर साहब।

डॉक्टर : नमस्ते कहिए, आपको क्या तकलीफ है?

मरीज़ : डॉक्टर साहब, मुझे कुछ दिनों से बुखार-सा लगता है। खाँसी भी है। भूख नहीं लगती। कुछ खाया भी नहीं जाता।

डॉक्टर : ऐसा कब से है?

मरीज़ : लगभग एक महीने से।

डॉक्टर : क्या आपने कोई दवा ली?

मरीज़ : हाँ, बुखार के लिए गोली खाई थी।

डॉक्टर : यह गलत है। बिना डाक्टर की सलाह के कोई दवा नहीं खानी चाहिए।

मरीज़ : ठीक है, डॉक्टर साहब। लेकिन अब मुझे बहुत कमज़ोरी महसूस होती है। कोई काम नहीं किया जाता। कभी-कभी छाती में भी बहुत दर्द होता है।

डॉक्टर : हूँ, ये कैप्सूल देता हूँ। सुबह-शाम खाना खाने के बाद खा लेना। कुछ टैस्ट करवाने होंगे। रिपोर्ट देखने के बाद ही ठीक से इलाज हो पाएगा।

मरीज़ : डॉक्टर साहब, कोई चिंता की बात तो नहीं है?

डॉक्टर : नहीं, घबराने की कोई बात नहीं है। फिर भी टैस्ट करवा लें तो ठीक रहेगा।

मरीज़ : ठीक है डॉक्टर साहब। कौन-कौन से टैस्ट करवाने होंगे?

डॉक्टर: : मैं लिख देता हूँ।

(दो दिन बाद)

मरीज़ : डाक्टर साहब, यह लीजिए रिपोर्ट।

डॉक्टर : ठीक है। लेकिन यह दूसरा टैस्ट नहीं करवाया क्या? इसकी रिपोर्ट नहीं है।

मरीज़ : नहीं, डॉक्टर साहब। यह टैस्ट तो बहुत महँगा है। इतना महँगा टैस्ट कराना तो मेरे लिए संभव नहीं होगा।

डॉक्टर : अच्छा। यह बताओ, दवा खाने से कुछ आराम मिला?

मरीज़ : दर्द में तो कुछ आराम है, पर भूख नहीं लगती । कुछ खाया-पिया नहीं जाता। अधिक चल फिर भी नहीं पाता । थोड़ा-सा भी काम करने पर थकान होने लगती है।

डॉक्टर : दूध पिया करो। फल और हरी सब्जियाँ भी लेना जरूरी है। और यह दूसरा टैस्ट करवाना भी आवश्यक है।

मरीज़	:	डॉक्टर साहब, मैं केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना का लाभार्थी हूँ। क्या ये टैस्ट मैं सरकारी अस्पताल से करवा सकता हूँ? इससे मुझे टैस्ट के लिए कोई भुगतान नहीं करना पड़ेगा। दवा भी सी.जी.एच.एस. डिस्पेंसरी से ही मिल जाएगी।
डॉक्टर	:	ठीक है। इसके लिए आपको केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के डॉक्टर को ही दिखाना ठीक रहेगा।
मरीज़	:	धन्यवाद डॉक्टर साहब, नमस्ते।
डॉक्टर	:	नमस्ते।

शब्दार्थ

तकलीफ	problem	इलाज	treatment
बुखार	fever	चिंता	worry
खाँसी	cough	महँगा	costly
भूख	hunger	थकान	tiredness
कमज़ोरी	weakness	हरी सब्ज़ियाँ	green vegetables
महसूस	to feel	केंद्रीय सरकार	central govt.
छाती	chest	स्वास्थ्य योजना	health scheme
भुगतान	payment		(C.G.H.S)

पर्यायवाची शब्द

बुखार	=	ज्वर	दवा	=	औषधि
चिंता	=	फ्रिक	सलाह	=	परामर्श

विलोम शब्द

गलत	x	सही	सुबह	x	शाम
महँगा	x	सस्ता	आवश्यक	x	अनावश्यक
सरकारी	x	गैर सरकारी			

बोध प्रश्न

1. बिना डॉक्टर की सलाह के दवा क्यों नहीं लेनी चाहिए?
2. इलाज करने से पहले टैस्ट क्यों करवाए जाते हैं?
3. दूसरा टैस्ट क्यों नहीं करवाया?
4. डॉक्टर ने मरीज़ को क्या खाने-पीने की सलाह दी?
5. केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के लाभार्थी कौन हैं?
6. किस तरह सरकारी अस्पताल में टैस्ट कराया जा सकता है?

व्याकरणिक टिप्पणी

भाववाच्य (Impersonal Voice) इसमें क्रिया का संबंध कर्ता और कर्म से न होकर "भाव" से होता है। इसमें क्रिया के पुरुष, वचन और लिंग, कर्ता या कर्म के अनुसार नहीं होते बल्कि क्रिया हमेशा अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन में आती है। इसमें मुख्य रूप से अकर्मक क्रिया का ही प्रयोग होता है तथा प्राय: निषेधार्थ वाक्य ही भाववाच्य कहलाते हैं।

जैसे:- मुझसे बैठा नहीं जाता। हमसे यह चाय पी नहीं जाएगी।
उससे ज्यादा बोला नहीं जा रहा है। यह किताब पढ़ी नहीं जा रही है।

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

1. डॉक्टर साहब मुझे बुखार है।
   (खाँसी, सिरदर्द, पेटदर्द, जुकाम)
2. खाना खाने के बाद यह <u>गोली</u> खा लेना।
   (कैप्सूल, चूर्ण, मिठाई, पान)
3. आप यह <u>टैस्ट</u> करवा लेना ।
   (एक्सरे, अल्ट्रा साउंड, सी.टी.स्कैन, एम.आर.आई)
4. बीमार व्यक्ति को <u>दूध पीना</u> चाहिए।
   (दवा, टॉनिक, हरी सब्ज़ी, फल)
5. मुझसे घंटा भर <u>बैठा</u> नहीं जाता।
   (लिखना, सोना, लेटना, टी.वी.देखना)
6. तेज बुखार होने पर मुझे <u>सिर दर्द</u> होता है।
   (उल्टी आना, ठंड लगना, सारे बदन में दर्द होना, चक्कर आना)

रूपांतरण अभ्यास

नमूना: मैं लिख नहीं सकता/पाता।
मुझसे लिखा नहीं जाता।

1. सिरदर्द के कारण मैं पढ़ नहीं सकता।
2. पेट दर्द के कारण मैं समोसे खा नहीं सकता।
3. मैं इतनी दूर पैदल नहीं चल सकता।
4. गला खराब होने के कारण मैं बोल नहीं सकता।
5. मच्छरों के कारण मैं सो नहीं सकता।

नमूना: मैं यह काम नहीं कर पाऊँगा।

मुझसे यह काम नहीं हो पाएगा/नहीं होगा।

1. विभा ये कपड़े नहीं धो पाएगी।
2. नेहा इतना काम नहीं कर पाएगी।
3. दो मजदूर इस पेड़ को नहीं काट पाएँगे।
4. विक्रम इतनी दूर पैदल नहीं चल पाएगा। (पैदल चलना नहीं होगा)
5. हर्ष यह मसौदा टाइप नहीं कर पाएगा।

नमूना: राहुल ने जान-बूझकर खिलौना तोड़ दिया।

राहुल से गलती से खिलौना टूट गया।

1. मनीष ने गाड़ी छोड़ दी।
2. उसने न जाने कैसे यह काम कर दिया।
3. मैंने गलती कर दी। (मुझसे अनजाने में)
4. वर्षा ने चाय गिरा दी।
5. बच्चे ने किताब फाड़ दी।

संवाद

डिस्पेंसरी के अंदर दो मरीज़ों के बीच अपनी बीमारी के बारे में वार्तालाप करें। जैसे- चला नहीं जाता, उठा नहीं जाता, खाया नहीं जाता।

पाठ - 8
प्राकृतिक आपदाएँ

जब-जब, तब-तब, जब-तब
जहाँ-जहाँ- वहाँ-वहाँ

पर्यावरण असंतुलन और धरती की आंतरिक हलचल **जब** अपने भयानक रूप में प्रकट होती है **तब** हम इसे प्राकृतिक आपदा कहते हैं। बाढ़, सूखा, भूकंप, ज्वालामुखी तथा तूफान आदि प्राकृतिक आपदाएँ कहलाती हैं। **जब** प्राकृतिक आपदा आती है **तब** जान-माल की बहुत हानि होती है। यातायात, संचार सेवाएँ ठप्प हो जाती हैं, मकान गिर जाते हैं, मनुष्य के साथ-साथ पशु-पक्षी एवं अन्य जीव-जंतु भी मारे जाते हैं।

जब अधिक वर्षा होती है **तब** बाढ़ आती है। **जहाँ-जहाँ** नदियों का पानी खतरे के निशान से ऊपर बहने लगता है **वहाँ-वहाँ** फसलें नष्ट हो जाती हैं। अनेक गाँव, नगर और बस्तियाँ डूब जाती हैं। बिजली, पानी और संचार की व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो जाती है। रेल की पटरियाँ उखड़ जाती हैं, रेलगाड़ियाँ रद्द हो जाती हैं। **जहाँ-जहाँ** बाढ़ का प्रकोप होता है **वहाँ-वहाँ** जन जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है।

समुद्री तूफान भी एक बड़ा प्राकृतिक संकट है। इससे तटीय क्षेत्र अधिक प्रभावित होते हैं। **जब** ऊँची-ऊँची समुद्री लहरें आती हैं **तब** तट के इलाके जलमग्न हो जाते हैं। संचार और परिवहन व्यवस्था चौपट हो जाती है। समुद्री तूफान के पूर्व नाविकों और मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी रेडियो, दूरदर्शन, सार्वजनिक घोषणा अथवा अन्य जन संचार माध्यमों द्वारा दी जाती है।

धरती की आंतरिक हलचल के कारण भूकंप आता है। **जिस जगह** भूकंप का केंद्र होता है **उस जगह** भूकंप का दुष्प्रभाव अधिक दिखाई देता है। **जब** भूकंप आता है **तब** मकान या घरों से निकलकर खुली जगह में जाना चाहिए क्योंकि इमारतें, कच्चे घर, मकान आदि गिर जाते हैं और बड़ी संख्या में लोग हताहत होते हैं। **जहाँ-जहाँ** भूकंप अधिक आते हैं वहाँ-वहाँ लकड़ी के या भूकंपरोधी मकान बनाए जाने चाहिए ताकि जान-माल की अधिक हानि न हो।

ज्वालामुखी में **जिस समय** धरती के भीतर का गरम लावा फूटकर बाहर आ जाता है **उस समय** गाँव के गाँव गर्म लावे में दब जाते हैं। ज्वालामुखी प्रभावित इलाके में लोग हर समय भय और आतंक में अपना जीवन बिताते हैं। यह संतोष की बात है कि ज्वालामुखी की दृष्टि से हमारा देश काफ़ी सुरक्षित है।

इन प्राकृतिक आपदाओं से मनुष्य अपनी सावधानी से काफ़ी हद तक बच सकता है। जंगलों की कटाई रोकने से बाढ़ के संकट को कम किया जा सकता है। भूकंप से बचाव के लिए भूकंपरोधी या लकड़ी के मकान बनाए जाने चाहिए। सुनामी आदि से बचाव के लिए तटों पर सघन वृक्षारोपण किया जाना चाहिए। **जहाँ-जहाँ** प्राकृतिक आपदाएँ

आती हैं **वहाँ-वहाँ** सरकार, विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं एवं संगठनों को भी आपदा प्रबंधन के लिए सदा जागरूक रहना चाहिए।

जहाँ एक ओर प्रकृति मनुष्य की मित्र है **वहीं** दूसरी ओर अपने रौद्र रूप में शत्रु भी है। हमें चाहिए कि हम ऐसी आपदाओं के लिए सावधान रहें। **जहाँ** तक संभव हो हम हमेशा तत्पर एवं जागरूक रहें क्योंकि ये आपदाएँ अपने पीछे अनेक महामारियाँ छोड़े बिना नहीं जाती हैं । मनुष्य के विजेता होने के बावजूद प्रकृति हर बार उसे एक नई चुनौती देती है। प्रत्येक चुनौती का सामना करने में ही मनुष्य की पहचान छुपी है और सामना किए बिना आपदाओं से बचना संभव नहीं।

शब्दार्थ

पर्यावरण	environment
चेतावनी	warning
असंतुलन	imbalance
सार्वजनिक घोषणा	public announcement
आंतरिक	internal
हलचल	disturbance
प्राकृतिक आपदा	natural calamity
जन माध्यमों	mass media
बाढ़	flood
भूकंप का केंद्र	epicentre
सूखा	drought
दुष्प्रभाव	bad effects/ ill effects
भूकंप	earthquake
भूकंपरोधी	earthquake resistant
ज्वालामुखी	volcano
आतंक	terror
तूफान	storm
कटाई	cut down
ठप्प	standstill/halt
सघन वृक्षारोपण	extensive tree plantation
खतरा	danger
हताहत	dead and injured
बस्तियाँ	settlements
आपदा	calamity/disaster
संचार	communication
के बावजूद	inspite of
अस्त-व्यस्त होना	disrupt
सामना करना	to confront
उखड़ना	uproot
पहचान	identity
तटीय	coastal
रौद्र	fearsome
जलमग्न	submerged in water
स्वयं सेवी संस्था	non government organisation
परिवहन	transport

संबद्ध शब्द

प्रकृति	(सं.)	प्राकृतिक	(वि.)	आतंक	(सं.)	आतंकित	(वि.)
समुद्र	(सं.)	समुद्री	(वि.)	संतोष	(सं.)	संतोषी	(वि.)
प्रभाव	(सं.)	प्रभावशाली	(वि.)	जागरूकता	(सं.)	जागरूक	(वि.)
केंद्र	(सं.)	केंद्रीय	(वि.)				

पर्यायवाची शब्द

प्राकृतिक	=	नैसर्गिक	आपदा	=	विपदा
धरती	=	पृथ्वी	आंतरिक	=	भीतरी
भयानक	=	भयंकर	आतंक	=	डर
विजेता	=	विजयी	यातायात	=	परिवहन

विलोम शब्द

प्राकृतिक	x	अप्राकृतिक	संतुलन	x	असंतुलन
हानि	x	लाभ	व्यवस्था	x	अव्यवस्था
प्रभावित	x	अप्रभावित	संतोष	x	असंतोष
सुरक्षित	x	असुरक्षित	सावधानी	x	असावधानी
संभव	x	असंभव	सघन	x	विरल

बोध-प्रश्न

1. प्राकृतिक आपदा किसे कहते हैं?
2. प्राकृतिक आपदा के क्या कारण हैं?
3. कुछ प्राकृतिक आपदाओं के नाम बताएँ?
4. बाढ़ आने पर हमें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है?
5. भूकंप क्यों आता है?
6. समुद्री तूफान से बचाव के लिए कौन-सी पूर्व सावधानी आवश्यक है?

व्याकरणिक टिप्पणी

यदि किसी वाक्य में जब, जहाँ, जब-जब, जहाँ-जहाँ आदि क्रिया विशेषणों का प्रयोग होता है तब दूसरे वाक्य में क्रमश: तब, वहाँ, तब-तब, वहाँ-वहाँ आदि उप वाक्य के प्रारंभ में आते हैं, जैसे:-

<u>जिस जगह</u> सूखा पड़ा <u>उस जगह</u> फसल बर्बाद हो गई।

<u>जिस समय</u> बारिश शुरू हुई <u>उस समय</u> बिजली चली गई।

जब वर्षा अधिक होती है तब फसल अच्छी होती है।

जहाँ चाह वहाँ राह।

जहाँ-जहाँ जाओगे वहाँ-वहाँ समस्याएँ आ सकती हैं।

के बावजूद (inspite of)

वह बीमार हुआ, वह दफ़्तर आ गया।

बीमार होने के बावजूद वह दफ़्तर आ गया।

गाँव के गाँव- all the villages

बाढ़ में गाँव के गाँव डूब गए।

During floods all the villages were submerged.

मौखिक अभ्यास

दोहरा स्थानापत्ति अभ्यास

कोष्ठक के शब्द को बदल कर वाक्य बनाइए।

(1) (जब) वर्षा अधिक होती है (तब) फसल अच्छी होती है।

जहाँ	वहाँ
जिस साल	उस साल
जितनी	उतनी
जिस स्थान पर	उस स्थान पर
जिस प्रदेश में	उस प्रदेश में
जब-जब	तब-तब
जहाँ-जहाँ	वहाँ-वहाँ

(2) (जब) तूफान आता है (तब) बिजली चली जाती है।

जहाँ	वहाँ
जब-जब	तब-तब
जिस दिन	उस दिन

रूपांतरण अभ्यास

नमूना: बाढ़ के कारण फसलें नष्ट हो जाती हैं।

जहाँ बाढ़ आती है वहाँ फसलें नष्ट हो जाती हैं।

जब बाढ़ आती है तब फसलें नष्ट हो जाती हैं।

1. समुद्री तूफान के कारण संचार और परिवहन व्यवस्था चौपट हो जाती है। (तूफ़ान आना)
2. धरती की आंतरिक हलचल के कारण भूकंप आता है। (हलचल होना)

3. ज्वालामुखी के कारण गाँव के गाँव लावे में दब जाते हैं। (ज्वालामुखी फटना)

4. भूकंप से मकान गिर जाते हैं। (भूकंप आना)

5. बर्फ़ गिरने पर ठंड बढ़ जाती है। (बर्फ गिरना)

रूपांतरण अभ्यास

नमूना: नारियल कहाँ अधिक पैदा होता है?

जहाँ-जहाँ समुद्र का किनारा है वहाँ-वहाँ नारियल अधिक पैदा होता है।(समुद्र)

1. लकड़ी के मकान कहाँ बनाए जाते हैं? (भूकंप आना)
2. सीढ़ीनुमा खेत कहाँ होते हैं? (पहाड़)
3. प्रदूषण कहाँ अधिक होता है? (कारखाने)
4. गर्म कपड़े कहाँ अधिक पहने जाते हैं? (ठंड होना)
5. चावल की खेती कहाँ की जाती है? (अधिक वर्षा)

रूपांतरण अभ्यास

नमूना: वह बीमार होने के कारण दफ़्तर नहीं आया।

वह बीमार होने के बावजूद दफ़्तर आ गया।

1. मैंने सिरदर्द के कारण काम पूरा नहीं किया।
2. पैसों की कमी के कारण वह पढ़ाई पूरी नहीं कर पाया।
3. मौसम खराब होने के कारण वह कार्यालय नहीं आया।
4. आरक्षण न मिलने के कारण श्री रमेश दौरे पर नहीं गए।
5. महँगी होने के कारण श्रीमती सिन्हा ने कार नहीं खरीदी।

संवाद

(1) कहाँ-कहाँ अच्छी खेती हो सकती है, चर्चा करें।
(जहाँ अच्छी वर्षा होती है, अच्छी मिट्टी, खाद का प्रयोग, ट्रैक्टर का उपयोग, सिंचाई की व्यवस्था)

(2) मनुष्य कहाँ रहना पसंद करते हैं, वार्तालाप करें।
(जहाँ अच्छे/पक्के घर हों आदि)

(3) जब बिजली चली जाती है, तब लोग क्या करते हैं, चर्चा करें।
इसी तरह बाढ़ आना, त्यौहार आना, लॉटरी लगना आदि स्थितियों में भी चर्चा करें।

पाठ - 9
भूमंडलीकरण

जितना-उतना, जैसा-वैसा
जैसे-जैसे, वैसे-वैसे

प्रिय सुधा

नमस्ते।

आज सुबह उठते ही जब समाचार-पत्र उठाया तो उसमें तुम्हारा लेख देखकर बहुत खुशी हुई लेकिन लेख पढ़ने के बाद लगा कि मैं तुम्हारी कुछ बातों से सहमत नहीं हूँ। मुझे लगता है कि आज भूमंडलीकरण से डरना या बचना ठीक नहीं है। यह तो तुम भी मानती होगी कि आज कोई भी देश केवल अपने आप में सिमटकर नहीं रह सकता। तुम सोचो कि जब भारत स्वतंत्र हुआ तब हम आर्थिक दृष्टि से कितने पिछड़े हुए थे। उन्नत तकनीक के अभाव में हमारे उद्योग पिछड़े हुए थे। स्वतंत्रता के बाद हमारे उद्योगों को सरकारी संरक्षण दिया गया, विदेशी आयात पर प्रतिबंध लगाए गए। इसके बावजूद हमारी आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार नहीं आया। तुम मानती हो न कि पिछले कुछ वर्षों में भूमंडलीकरण के प्रभाव से **जितनी** आर्थिक प्रगति हुई है **उतनी** आजादी के बाद की आधी सदी में भी नहीं हुई। पहले भारत की जैसी स्थिति थी, अब वैसी नहीं है। अब देश में चहुँमुखी विकास हो रहा है।

भूमंडलीकरण के **जितने** लाभ हैं, उनमें प्रमुख हैं- विज्ञान और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान। विज्ञान और प्रौद्योगिकी का **जितना** आदान-प्रदान होगा भारत जैसे विकासशील देशों को **उतना** ही लाभ होगा। विकासशील देशों में जहाँ कच्चा माल अधिक होता है, वहाँ नए-नए उद्योग स्थापित हो सकते हैं। **जितने** नए-नए उद्योग लगेंगे, **उतने** नए-नए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। देश में बेरोजगारी कम होगी। **जैसे-जैसे** उत्पादन बढ़ेगा **वैसे-वैसे** निर्यात बढ़ेगा। आयात-निर्यात पर नियंत्रण **जितना** कम होगा **उतना** देश के उद्योगों को लाभ होगा क्योंकि जहाँ से कच्चा माल सस्ता मिलेगा, हम वहाँ से उसे खरीदेंगे और तैयार माल की बिक्री जहाँ अच्छी होगी वहीं उसे बेचेंगे। देश की आर्थिक प्रगति के लिए तथा ज्यादा से ज्यादा लाभ अर्जित करने के लिए हमें कच्चे माल की खरीद और तैयार माल की बिक्री के लिए अपने देश की सीमा से बाहर जाना ही पड़ेगा। भूमंडलीकरण इसमें सहायक ही होगा, बाधक नहीं।

भूमंडलीकरण के आर्थिक लाभ-हानि पर अधिक विचार तो अर्थशास्त्री ही कर सकते हैं पर इतना तो मैं जानती हूँ कि हमारी औद्योगिक प्रगति से हमारा उत्पादन और निर्यात जैसे-जैसे बढ़ रहा है वैसे-वैसे हम भारतीयों के रहन-सहन का स्तर भी ऊँचा उठता जा रहा है। हमें जितनी सुविधाएँ आज प्राप्त हैं उतनी पहले कभी नहीं थीं। मेरा तो यही विश्वास है कि भूमंडलीकरण की प्रक्रिया में भारत एक नई आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। भूमंडलीकरण के परिणामों के बारे में जैसा लोगों का सोचना था वैसा अब नहीं रहा।

अपने विचारों से अवगत कराना।

सादर

तुम्हारी उमा

श्रीमती सुधा
उप निदेशक,
पर्यावरण एवं वन मंत्रालय,
नई दिल्ली।

शब्दार्थ

सहमत	agree	विकासशील	developing
पिछड़ा	backward	रोजगार	employment
भूमंडलीकरण	globalisation	निर्यात	export
उद्योग	industry	अर्जित करना	to earn
तकनीक	technique	औद्योगिक प्रगति	industrial progress
उभरती हुई	rising	आर्थिक शक्ति	economic power
संरक्षण	protection	प्रतिबंध	restriction
प्रौद्योगिकी	technology	आयात	import
आदान-प्रदान	exchange	अर्थशास्त्री	economist

पर्यायवाची शब्द

खुशी	= प्रसन्नता	स्वतंत्र	= आजाद
प्रगति	= तरक्की, उन्नति	प्रतिबंध	= रोक
जैसा	= जिस तरह/प्रकार का	जैसी	= जिस तरह/प्रकार की
वैसा	= उस तरह/प्रकार का	वैसी	= उस तरह/प्रकार की

विलोम शब्द

रोजगार	x	बेरोजगार	अर्जित	x	अनर्जित सहमत
सहमत	x	असहमत	आयात	x	निर्यात
आदान	x	प्रदान	विकसित	x	अविकसित कच्चा
माल	x	तैयार माल	खरीद	x	बिक्री
सहायक	x	बाधक	सुविधा	x	असुविधा

शब्द रचना

कर	-	करवा	बना	-	बनवा
सी	-	सिलवा	पढ़ा	-	पढ़वा
धो	-	धुलवा	लगा	-	लगवा

बोध प्रश्न

1. समाचार पत्र में किसका लेख छपा था?
2. पहले हमारे उद्योग पिछड़े क्यों थे?
3. नए उद्योग लगने से क्या लाभ होंगे?
4. कच्चा माल किसे कहते हैं?
5. भारतीयों के रहन-सहन में सुधार आने का कारण आप क्या मानते हैं?

व्याकरणिक टिप्पणी

"जितना" मात्रा संबंधी विशेषता बताता है और "जैसा" गुण संबंधी। जितना के बाद उतना और जैसा के बाद वैसा का प्रयोग होता है। जैसे:-

जितना-उतना

1. जितने रुपए तुम चाहते हो उतने मेरे पास नहीं हैं।
2. जितना मैंने चाहा था, उतना ही मुझे मिला।
3. जितने लोग बुलाए थे उससे अधिक आए।

जैसा-वैसा

1. तुम उसे जैसा समझते हो, वह वैसा नहीं है।
2. मुझे जैसा फ़र्नीचर चाहिए था वैसा नहीं मिला।
3. मैंने जैसा सोचा था, तुम उससे अच्छे निकले ।

टिप्पणी :ऊपर तीसरे वाक्यों में उससे के प्रयोग पर ध्यान दें। अपेक्षा से अधिक की स्थिति में उतना, वैसा के स्थान पर उससे अधिक, उससे अच्छा का प्रयोग होता है।

मानती होगी - You may agree

तुम यह तो मानती होगी कि हमारा देश प्रगति कर रहा है।

you may agree that our nation is progressing.

तुम यह मानती हो न - Do you agree ?

तुम यह मानती हो न मित्रों को एक-दूसरे का साथ देना चाहिए।

Do you agree that the friends should support each other.

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

1. मैं तुम्हारी <u>बातों</u> से सहमत नहीं हूँ।

   (कथन, प्रस्ताव, विचार, कार्य, टिप्पणी)

2. जब <u>नेता</u> आए तब <u>भाषण</u> शुरू हुआ।

   (अध्यापक-कक्षा, निदेशक-बैठक, विशेषज्ञ-साक्षात्कार, अध्यक्ष-समारोह)

3. जहाँ मैं रहता हूँ वहाँ <u>फल</u> सस्ते हैं।

   (दूध, सब्जियाँ, मकान भाड़ा, खिलौने, मिठाइयाँ)

4. जितना <u>काम</u> तुम करोगे उतना कोई नहीं कर पाएगा।

   (टंकण, सहायता, परिश्रम, अध्ययन)

5. जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ती गई वैसे-वैसे गरीबी भी बढ़ती गई।

   (बेरोजगारी, मकान की समस्या, बीमारियाँ, प्रदूषण

दोहरा स्थानापत्ति अभ्यास

1. <u>भारत</u> उतना बड़ा नहीं है जितना कि <u>चीन</u>।

   यह कार्यालय हमारा कार्यालय

   एल्टो कार वैगन आर

   थार रेगिस्तान सहारा रेगिस्तान

   यूरोप एशिया

   आलप्स पर्वत श्रृंखला हिमालय पर्वत श्रृंखला

2. जो जितना <u>परिश्रम</u> करेगा उसे उतना <u>फल</u> मिलेगा।

   मेहनत सफलता

   काम पुरस्कार

   पढ़ाई तरक्की

   कोशिश प्रतिफल

रूपांतरण

नमूना: अधिकारी के आते ही सब काम में लग गए।

जब अधिकारी आए तब सब काम में लग गए।

1. परीक्षा समाप्त होते ही छुट्टियाँ शुरू हो गईं।
2. छुट्टियाँ शुरू होते ही बच्चे पहाड़ी स्थल पर जाने का कार्यक्रम बनाने लगे।
3. अध्यापक के कक्षा में प्रवेश करते ही विद्यार्थी शांत हो गए।
4. वर्षा होते ही पुल टूट गया ।
5. गर्मियाँ शुरू होते ही बिजली की कटौती शुरू हो गई।

नमूना: उषा लता का सा गाना नहीं गा सकती।

जैसा गाना लता गाती है वैसा उषा नहीं गा सकती।

1. हम संजीव कपूर का सा खाना नहीं बना सकते।
2. शीला सानिया मिर्जा का सा टेनिस नहीं खेल सकती।
3. सुरेश सचिन की तरह रन नहीं बना सकता।
4. अनिता माताजी का सा स्वेटर नहीं बुन सकती।
5. सुमिता राधिका की तरह विज्ञान नहीं पढ़ा सकती।

नमूना: तुम अपने-आप काम कर लो।

तुम जिससे चाहो उससे काम करवा लो।

1. आप अपने-आप बैठक का प्रबंध कर लें।
2. माताजी अपने-आप खाना बना लें।
3. शीला अपने-आप बच्चे को पढ़ा ले।
4. रमेश अपने-आप अपना कपड़ा सी ले।
5. वे अपने-आप कपड़े धो लें।

<u>पत्र लेखन:</u> अपने छोटे भाई को बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती भागीदारी के लाभ-हानि बताते हुए एक पत्र लिखें।

पाठ - 10
श्रीनगर

वर्तमानकालिक एवं भूतकालिक कृदंत विशेषण तैरता हुआ, खेलते हुए, बसा हुआ, रखे हुए

समुद्र तल से लगभग 1,730 मीटर की ऊँचाई पर कश्मीर की सुंदर घाटी में झेलम नदी के तट पर बसा हुआ खूबसूरत शहर श्रीनगर कहलाता है। विशाल डल झील श्रीनगर का प्रमुख आकर्षण है। झील में एक से बढ़कर एक सुंदर हाउस बोट हैं। इनमें पर्यटकों को घर जैसी सारी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। छोटे आकार की लंबी नावों को शिकारा कहते हैं। व्यापारी इनमें चीजें लाकर बेचते हैं और पर्यटक नौका विहार का आनंद लेते हैं। रंग-बिरंगे फूल, सब्जियाँ और तरह-तरह की चीज़ों से लदे हुए शिकारे डल झील पर तैरते हैं। झील में तैरते हुए शिकारे बहुत सुंदर लगते हैं।

डल के पूर्वी किनारे पर हिमालय की तलहटी में मुगल बादशाहों के समय के चश्मेशाही, निशात तथा शालीमार बाग कश्मीर घाटी की सुंदरता में चार चाँद लगा देते हैं। बागों में खेलते हुए बच्चे, घूमते हुए युवक-युवतियाँ और फूलों पर मँडराते भौंरे पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। डल झील के बीचों-बीच खड़े चार चिनार मनमोहक लगते हैं। डल के पश्चिमी किनारे पर जहाँ एक ओर हजरत बल की मसजिद है वहीं दूसरी ओर हरि पर्वत की चोटी पर श्रीशंकराचार्य का प्रसिद्ध मंदिर है।

श्रीनगर न केवल पर्यटन के लिए बल्कि हस्तशिल्प के लिए भी विख्यात है। यह लकड़ी तथा बर्तनों पर नक्काशी, कपड़ों पर कश्मीरी कढ़ाई और कालीन की बुनाई के लिए भी मशहूर है। यहाँ की पश्मीना और तोशा की शालें विश्वविख्यात हैं। पेपर मेशिये भी कश्मीर की विशिष्ट हस्तकला है।

यहाँ बहुत सर्दी पड़ती है, कभी-कभी तापमान शून्य से नीचे तक पहुँच जाता है। उस समय डल झील भी बर्फ का मैदान बन जाती है और इस जमी हुई झील पर पर्यटक और बच्चे अनेक प्रकार के खेलों का आनंद लेते हैं। सर्दियों में यहाँ के लोग ऊनी लबादे पहनते हैं जिसे कश्मीरी भाषा में फ़िरन कहते हैं। लोग इसके नीचे कांगड़ी रखते हैं जिससे उन्हें गर्मी मिलती रहती है। यहाँ के लोग मेहनती और मिलनसार हैं।

कश्मीर घाटी की अनुपम सुंदरता पर मोहित होकर फिरदौस ने कहा था "अगर इस धरती पर कहीं स्वर्ग है तो यहीं है, यहीं है, यहीं है" जिसे बाद में जहाँगीर ने भी लाल क़िले के संदर्भ में दोहराया था।

शब्दार्थ

समुद्र तल	= sea level	हस्तशिल्प	= handicraft
घाटी	= valley	नक्काशी	= engraving
प्रमुख आकर्षण	= main attraction	कालीन	= carpet
रंग-बिरंगे	= colourful	विशिष्ट	= special
तैरना	= to swim	तापमान	= temperature
तलहटी	= foot hills	लबादा	= long wat
मँडराना	= hovering	अनुपम	= unparallel

सांस्कृतिक टिप्पणियाँ

कांगड़ी - सर्दियों में गर्मी पाने के लिए कश्मीरी लोग गले में कांगड़ी लटकाते हैं जिससे अंगीठी से तापने जैसी गर्मी प्राप्त होती है।

चार चिनार - डल झील के बीचों-बीच चिनार के चार पेड़ लगे हुए हैं।

पश्मीना और तोशा की शालें - पश्म भेड़ की महीन ऊन से बनी शाल को पश्मीना कहते हैं। मोटे ऊन से बनी शाल को तोशा की शाल कहते हैं।

पर्यायवाची शब्द

लगभग	=	करीब	आबादी	=	जनसंख्या
विशिष्ट	=	खास	मनमोहक	=	आकर्षक
मेहनती	=	परिश्रमी	तट	=	किनारा

विलोम शब्द

सुविधा	x	असुविधा	कभी-कभी	x	अक्सर
सर्दी	x	गर्मी	मेहनती	x	आलसी, कामचोर

शब्द रचना

बुनना	बुनाई	काटना	कटाई
काढ़ना	कढ़ाई	लड़ना	लड़ाई
सिलना	सिलाई	लिखना	लिखाई

व्याकरणिक टिप्पणी

(i) धातु के वर्तमान रूप के साथ हुआ/हुए/हुई जोड़ने पर वर्तमान कालिक कृदंत रूप मिलता है।

चलता हुआ पंखा   नाचती हुई लड़की

(ii) धातु के भूतकाल रूप के साथ हुआ/हुए/हुई जोड़ने पर भूतकालिक कृदंत रूप मिलता है।

बसा हुआ नगर टूटी हुई कुर्सी

उपर्युक्त दोनों प्रकार के कृदंत संज्ञा से पहले आने पर विशेषण के समान काम करते हैं और संज्ञा के लिंग-वचन के अनुसार बदलते हैं।

क्रिया से पहले प्रयुक्त होने पर ये क्रिया विशेषण - कृदंत कहलाते हैं।

जैसे:- उसने दौड़ते हुए बस पकड़ी।

(iii) **न केवल - - - बल्कि**

जैसे:- उसने न केवल कविता लिखी बल्कि पढ़कर भी सुनाई।

मुहावरा:- चार चाँद लगना = सुंदरता बढ़ना

बोध प्रश्न

1. श्रीनगर कहाँ बसा हुआ है?
2. श्रीनगर का प्रमुख आकर्षण क्या है?
3. "शिकारा" किसे कहते हैं?
4. श्रीनगर के मशहूर बाग कौन-कौन से हैं?
5. चार चिनार कहाँ पर है?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

1. <u>श्रीनगर</u> नदी के तट पर बसा हुआ है।

   (दिल्ली, कोलकाता, नासिक, हरिद्वार)

2. ऊपर वाले कमरे में <u>निदेशक</u> बैठे हुए हैं।

   (प्रधान अध्यापिका, मेरा छोटा भाई, महिलाएँ, चाचा जी)

3. देख लीजिए, <u>फ्रिज रसोई घर</u> में रखा हुआ है।

   (कपड़े-अलमारी में, तौलिया-स्टैंड पर, रुपए-बक्से में, गाड़ी-गैरज में)

4. <u>पेड़</u> <u>फलों</u> से लदे हुए हैं।

   (शिकारे-फूल, जामुन के पेड़-पके हुए जामुनों, ट्रक-सामान)

कोष्ठक के शब्दों को बदलिए और उनके अनुसार वाक्य बनाइए।

1. वह गाता हुआ लड़का मेरा भाई है।
   (दौड़ना, पढ़ना, खेलना, नाचना)
2. मैदान में दौड़ते हुए घोड़े अच्छे लगते हैं।
   (खेलना-बच्चा, व्यायाम करना-छात्र, मँडराना-तितली)
3. पके हुए आम मीठे लगते हैं।
   (खाना-स्वादिष्ट लगना, सब्जी-जल्दी पचना, बाल-सफेद होना)
4. उगता हुआ सूरज सुंदर लगता है।
   (खिलना-कमल, तैरना-मछली, बहना-नदी)

रूपांतरण अभ्यास

नमूना: नावें चल रही हैं और सुंदर लग रही हैं।

चलती हुई नावें सुंदर लग रही हैं।

1. बच्चे खेल रहे हैं और आनंद ले रहे हैं।
2. लड़कियाँ गा रही हैं और नाच रही हैं।
3. फूल खिल रहे हैं और मोहक लग रहे हैं।
4. पानी बह रहा है, वह स्वच्छ लग रहा है।
5. भौंरे मँडरा रहे हैं और वे मन मोह रहे हैं।

नमूना: पढ़ी हुई किताब दुबारा पढ़ने की इच्छा नहीं होती।

पढ़ी हुई किताबें दुबारा पढ़ने की इच्छा नहीं होती।

1. देखा हुआ स्थान दुबारा देखने की इच्छा नहीं होती।
2. पहनी हुई साड़ी दुबारा पहनने की इच्छा नहीं होती।
3. सुबह की बनी हुई रोटी दुबारा खाने की इच्छा नहीं होती।
4. एक बार टाइप किया हुआ पत्र दुबारा टाइप करने की इच्छा नहीं होती।
5. टूटा हुआ संबंध दुबारा जोड़ने की इच्छा नहीं होती।

नमूना: मैंने एक किताब खरीदी। वह मँहगी है।

मेरी खरीदी हुई किताब मँहगी है।

1. मैंने सिनेमा देखा। वह अच्छा था।
2. आपने टिप्पणी लिखी। वह सटीक है।

3. सहायक ने मसौदा तैयार किया। वह अपने आप में पूर्ण है।

4. श्रीमती पूनम ने आज दो मिसिलें निपटाईं। वे अब अधिकारी के पास हस्ताक्षर के लिए गई हैं।

5. उसने उपन्यास पढ़ा। वह रोचक है।

नमूना: (मैं) हँसते हुए बच्चे अच्छे लगते हैं।

मुझे हँसते हुए बच्चे अच्छे लगते हैं।

1. (हम) उड़ते हुए कबूतर...।
2. (वह) जलते हुए दीपक...।
3. (वे) गिरती हुई बर्फ.. ।
4. (तुम) उगता हुआ सूरज...।
5. (रश्मि) खिलता हुआ फूल...।
6. (बच्चे) बहती हुई नदी...।

संवाद

निम्नलिखित स्थितियों पर प्रशिक्षार्थियों से आपस में चर्चा कराएँ।

1. कक्षा में कौन-कौन सी चीज़ें कहाँ रखी हैं?
2. खिड़की से बाहर के दृश्य का वर्णन करें।

पाठ - 11
शहरी जीवन

करते हुए, बैठे हुए
चलते-चलते, बैठे-बैठे

एक दिन गाँव से आठ किलोमीटर दूर चलकर मैंने रेलगाड़ी पकड़ी और दिल्ली पहुँचा। स्टेशन से बाहर आते ही मुझे आटो-रिक्शा और टैक्सी वालों ने घेर लिया। मुझे नया **आया हुआ** समझकर सब एक स्वर में पूछने लगे, "कहाँ जाएँगे बाबूजी? "उनसे छुटकारा पाने के लिए मैंने जल्दी से एक ऑटो लिया और अपने चाचा जी के घर जा पहुँचा।

घर पहुँचते ही बरामदे में **बैठे हुए** चाचाजी मिले। अकेले, उदास और इंतजार करते-से। मेरे प्रणाम करने पर उन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया तथा अपने पास **बिठाते हुए** गाँव का हाल-चाल पूछा। मुझे चाचाजी के साथ बैठा देखकर भी घर के लोग अपने-अपने कामों में लगे रहे और बच्चे टी०वी० पर आँखें गड़ाकर बैठे हुए थे। शाम को मेरा चचेरा भाई संदीप कार्यालय से आया। कुछ देर तक हम सभी बातें **करते रहे**। रात को सबने मिलकर खाना खाया।

सुबह मैं अपने भाई के साथ पार्क में सैर करने चला गया। शहरों में पार्क ही ताज़ी हवा में साँस लेने के लिए बचे हैं। **लौटते हुए** भाई ने बताया कि शहरों में नौकरी-पेशा लोगों का गुज़ारा कठिनाई से होता है। बिजली, पानी, मकान का किराया, फोन, अख़बार, भोजन-सामग्री आदि के दाम रोज़ बढ़ जाते हैं। यहाँ सभी अपने-अपने में ही केंद्रित हैं और एक पड़ोसी दूसरे पड़ोसी को जानता तक नहीं।

सैर से लौटते ही भाभी ने सबको चाय दी और मेरी ओर **देखते हुए** बोलीं, "भाई साहब, गाँव में तो आप सुबह के समय दूध पीते होंगे, पर यहाँ हमें चाय पीने की आदत हो गई है। आपके लिए दूध लाऊँ या हमारे साथ चाय पिएँगे? मैंने भी चाय के लिए "हाँ" कर दी। इसके बाद सभी जल्दी-जल्दी तैयार होकर अपने-अपने काम पर चले गए। उस दिन मैंने घर पर ही चाचा जी के साथ समय बिताया।

दूसरे दिन मैं भाई के साथ शहर घूमने गया। **चलते-चलते** रास्ते में मैंने ऊँची-ऊँची इमारतें, बड़े-बड़े सिनेमाघर, भीड़ भरे बाज़ार, बड़े-बड़े मॉल, चौड़ी काली सड़कों पर **दौड़ती हुई** बसें, कारें और मोटर साइकिलें देखीं। इन मॉलों में मैंने हर प्रकार के सामान के बड़े-बड़े शो-रूम देखे। स्वचालित सीढ़ियों से ऊपर जाते समय मुझे तो डर भी लग रहा था, पर मेरा यह अनुभव रोमांचकारी था। इन मालों में मुझे चाय-काफी पीते, बातें करते, शोर मचाते हुए लोग दिखाई पड़े। पिज़्ज़ा, बर्गर, सैंडविच या चाउमिन खाते नवयुवक और नवयुवतियाँ अलग ही दिख रही थीं। मैंने देखा सामान खरीदने पर कुछ लोग रुपयों के स्थान पर क्रेडिट कार्ड से भुगतान कर रहे थे। मेरे लिए यह अनुभव नया था। मैंने अपने भाई के साथ पिज़्ज़ा और कॉफी का स्वाद लिया।

वापस लौटते हुए हमने मेट्रो से भी यात्रा की। मेट्रो से सफ़र करने का यह मेरा पहला अनुभव था। मेट्रो में काफी भीड़ थी। दिल्ली शहर की भाग-दौड़ से भरी जिंदगी देखकर मुझे यह महसूस होने लगा कि इसी वजह से शहरी लोग तनाव में रहते हैं और अनेक बीमारियों के शिकार भी हो जाते हैं। घर की समस्याएँ, दफ़्तर का काम, बसों की भीड़, प्रदूषित हवा ये सब शहरी जीवन को कठिन बना रहे हैं।

इतनी कठिनाइयों के **होते हुए** भी लोग शहरों की ओर खिंचे चले आते हैं क्योंकि रोजगार के अवसर शहरों में ही अधिक हैं। परंतु मेरा मन यहाँ नहीं लगा। मैं तो दो दिन बाद ही अपने गाँव के खुलेपन में, प्रकृति की गोद में लौट आया। शहरी जीवन मुझे रास नहीं आया है। मेरा मन तो गाँव में ही रमता है।

शब्दार्थ

छुटकारा	escape	रोमांचकारी	exciting/thrilling
आशीर्वाद	blessing	भुगतान	payment
ताज़ी हवा	fresh air	स्वाद	taste
गुजारा	livelihood	तनाव ग्रस्त	tense
आदत	habit	प्रदूषित	polluted
स्वचालित सीढ़ियाँ	escalator	अपने अपने में केंद्रित होना	self centred

मुहावरे:-

मन रमना, छुटकारा पाना, आँखें गड़ा कर देखना

संबद्ध शब्द

उदास	उदासी	कठिन	कठिनाई
स्वाद	स्वादिष्ट	शिकार	शिकारी
तनाव	तनावग्रस्त	यात्रा	यात्री

पर्यायवाची शब्द

जल्दी	=	शीघ्र	डरपोक	=	भय
इंतजार	=	प्रतीक्षा	उदास	=	खिन्न
कार्यालय	=	दफ़्तर	प्रणाम	=	नमस्कार
दाम	=	कीमत/मूल्य	अवसर	=	मौका
गुजारा	=	निर्वाह	सफ़र	=	यात्रा

विलोम शब्द

कठिन	x	सरल	जल्दी	x	देरी
सुबह	x	शाम	डरपोक	x	निडर
केंद्रित	x	विकेंद्रित	चौड़ी	x	संकरी/तंग
खरीदना	x	बेचना			

बोध प्रश्न

1. टैक्सी और रिक्शे वालों ने लेखक को क्यों घेर लिया?
2. शहर में नौकरी-पेशा लोगों का जीवन कठिन क्यों है?
3. शहर के लोग प्राय: तनाव में क्यों रहते हैं ?
4. कठिनाइयों के बावजूद भी लोग शहरों की ओर क्यों खिंचे आते हैं?
5. लेखक का मन कहाँ रमता है?

व्याकरणिक टिप्पणी

क्रिया विशेषण:- क्रिया की विशेषता बताते हैं। करते हुए, करते-करते क्रियाओं से बने क्रिया विशेषण हैं। ये संकेत करते हैं कि उस क्रिया के दौरान ही दूसरी क्रिया भी हुई।

1. मैंने खाना खाते हुए उसकी बात सुनी।
2. उसने पढ़ाई करते हुए नौकरी भी की।
3. चाचा जी ने बैठे हुए नौकर को आदेश दिया।
4. बच्चा चलते चलते गिर पड़ा।
5. उसने बस में बैठे बैठे किताब पढ़ डाली।

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

1. वे <u>बैठे हुए</u> बातें कर रहे थे।
   (लेटे हुए, लिखते हुए, पढ़ते हुए)
2. बच्चे <u>दौड़ते हुए</u> स्कूल जा रहे थे।
   (शैतानी करते हुए, खेलते हुए, बातें करते हुए)
3. मैं <u>चलते-चलते</u> थक गई/गया।
   (काम करना, खाना बनाना, कपड़े धोना)
4. खाना खाते हुए <u>बातें</u> मत करो।
   (टी०वी० देखना, पढ़ना, काम करना)

रूपांतरण

नमूना: भीख माँग रहे हो। शर्म नहीं आती?

भीख माँगते हुए शर्म नहीं आती।

1. दीवार पर चढ़ रहे हो। डर नहीं लगता?
2. दिन भर फिल्म देखते हो। समय बरबाद नहीं होता?
3. चाट खा रहे हो। मिर्च नहीं लग रही?
4. कार्यालय जा रहे हो। टेलीफोन बिल जमा नहीं कर सकते?
5. बस में यात्रा कर रहे हो। टिकट नहीं ले सकते?

रिक्त स्थान भरिए:

नमूना: वह तेज़ी से जा रहा था................................. । (रुंकना)

वह तेज़ी से जा रहा था, जाते-जाते एक जगह रुक गया।

1. बच्ची रो रही थी..। (सोना)
2. माताजी सफाई कर रही थीं .... । (थकना)
3. टंकक कंप्यूटर पर काम कर रहा था...................। (कंप्यूटर खराब होना)
4. बच्चे टी.वी. पर फिल्म देख रहे थे.........................।(बिजली चली गई)
5. नौकरानी कपड़े धो रही थी....................................। (पानी बंद होना)

नमूना के अनुसार वाक्य बदलिए ।

नमूना: तुम पाठ पढ़ो। तुम नोट्स बनाओ।

तुम पाठ पढ़ते हुए नोट्स बनाओ।

1. तुम संसद प्रश्न का उत्तर तैयार करो। तुम बातचीत मत करो।
2. आप चाय पीजिए। आप नाश्ता कीजिए।
3. आप नियम देखिए। आप मामले का निपटान कीजिए।
4. अवर सचिव फाइल देखें। वे सुझाव भी दें।
5. डायरी लिपिक आवतियाँ देखे। उन्हें मिसिल पर चढ़ाए।
6. डाकिया डाक बाँटता है। वह आगे बढ़ जाता है।

रूपांतरण अभ्यास

नमूना के अनुसार बदलिए

नमूना: मैं हँसा। मैंने सहायक को अनुमति दी।

मैंने हँसते-हँसते सहायक को अनुमति दी।

1. वह चला। वह फिसल गया।
2. सीमा टी॰ वी॰ देख रही थी। सीमा सो गई।
3. सुंदरम टाइप कर रहा था। वह थक गया।
4. शीला रो रही थी। शीला ने अपनी कहानी सुनाई।
5. भाई दौड़ा। भाई ने बस पकड़ी ।

संवाद:

शहरी जीवन पर परस्पर चर्चा करें।

पाठ - 12

अमर-आश्रम

आते ही, उड़ते ही,
करते-करते, सुनते-सुनते

किसी गाँव में एक धनी आदमी रहता था। उसके घर में एक पुत्र ने जन्म लिया। उसने उसका नाम अमर रखा। उसकी इच्छा थी कि पुत्र बड़ा होकर अच्छे काम करे और अपना नाम अमर करे। बड़ा होने पर अमर को अपने पिता की इच्छा का ज्ञान हुआ। वह सोचने लगा कि क्यों न वह ऐसा कार्य करे जिससे सभी उसके नाम को जानने लगें।

अमर के खेतों के पास से प्रतिदिन सैकड़ों लोग आते-जाते थे। उसने रेत इकट्ठा करके उस पर अपना नाम लिख दिया। आने-जाने वाले लोगों ने उसका नाम पढ़ा। अमर प्रसन्न था कि उसके नाम को सैकड़ों लोग जान गए। एक दिन सायंकाल तेज हवाएँ चलीं और रेत को उड़ा ले गईं। रेत के उड़ते ही अमर का नाम उड़ गया।

एक दिन उसने अपना नाम वृक्ष के तने की छाल पर लिख दिया। उसने सोचा यहाँ से उसका नाम सरलता से नहीं मिटेगा। एक दिन दुर्भाग्य से ऐसा अंधड़ आया कि वृक्ष का तना टूट गया। बेचारे अमर का नाम अमर करने का सपना टूट गया। अगली बार उसने आँख बचा कर अपना नाम एक प्राचीन भवन की दीवार पर लिख दिया। उस प्राचीन भवन को देखने देश-विदेश से अनेक पर्यटक आते थे। अमर ने सोचा कि अब तो उसका नाम देश-विदेश तक पहुँच जाएगा। एक दिन दुर्भाग्य से मूसलाधार वर्षा के साथ ओला-वृष्टि भी हुई। भवन पुराना था। उसकी दीवार ढह गई। दीवार ढहते ही बेचारे अमर का नाम मिट्टी में मिल गया। अमर को बहुत दुख हुआ। उसने अपना नाम ऐसे स्थान पर अंकित करने की सोची जहाँ से वह मिट न सके।

गाँव के निकट एक नदी थी। नदी एक चट्टान के नीचे से बहती थी। वहीं पर एक गुफा थी । गुफा में प्राचीन मूर्तियाँ और भित्ति चित्र थे। देश-विदेश के सहस्त्रों पर्यटक वहाँ आते थे। अमर एक दिन प्रातःकाल वहाँ गया। उसने छैनी से अपना नाम शिला पर अंकित कर दिया। नाम अंकित करते-करते वह सोचने लगा कि अब उसका नाम देश-विदेश में अमर हो जाएगा। यहाँ उसका नाम अमिट रहेगा, किंतु एक दिन आकाश में उमड़-घुमड़ कर काली-काली घटाएँ छाईं और दूर-दूर तक ऐसी वर्षा हुई कि उस क्षेत्र में भयंकर बाढ़ आ गई। बाढ़ आते ही नदी का बहाव इतना तीव्र हो गया कि चट्टानें भी पानी में बह गईं। बेचारे अमर का नाम चट्टान के साथ पानी में बह गया। उसका अमर होने का सपना चूर-चूर हो गया। उन्हीं दिनों अमर के गाँव में एक संत आए हुए थे। गाँव वाले अपनी समस्याओं के समाधान के लिए संत की शरण में जा रहे थे। अमर के लिए भी यह सुअवसर था। उसका विश्वास था कि संत उसे नाम अमर करने की कोई न कोई युक्ति अवश्य सुझाएँगे।

अमर भी उनकी शरण में गया और उनसे अपना नाम अमर करने का उपाय पूछा। साथ ही उसने अपने द्‌वारा किए गए प्रयत्नों के बारे में जानकारी दी। अमर की बात सुनकर संत मंद-मंद मुस्कराए।

संत ने मधुर वाणी में प्यार से कहा- बच्चा, अपना नाम अमर करना है तो उसे मिट्‌टी या पत्थर पर नहीं, वरन् उसे लोगों के हृदय पर लिखो। जाओ, कोई ऐसा काम करो जिससे लोग तुम्हें याद रखें।

यह सुनते ही वह अपने नाम को अमर करने के बारे में सोचने लगा। अचानक वह खुशी से फूला न समाया। उसने अपने आप से कहा - हाँ, यह उपाय उचित है।

उसे मालूम हो गया कि लोगों की सेवा और भलाई से ही नाम अमर हो सकता है। फिर उसने जन सेवा करने का बीड़ा उठाया। इसके लिए उसने अपने घर को आश्रम में बदल दिया और अपना पूरा जीवन जन सेवा में लगा दिया। उसका घर अमर आश्रम के नाम से प्रसिद्‌ध हो गया और इस प्रकार अमर का नाम अमर होने का सपना साकार हो गया।

शब्दार्थ

अमर	immortal	चट्‌टान	rock
ज्ञान	knowledge	मूर्तियाँ	statues
सैकड़ों	hundreds	भित्ति चित्र	mural painting
इकट्‌ठा	collect	सहस्त्रों	thousands
सायंकाल	evening	पर्यटक	tourist
रेत	sand	प्रात:काल	morning
वृक्ष/पेड़	tree	छैनी	chisel
छाल	bark	अमिट	indelible
सरलता से	easily	काली घटाएँ	black clouds
प्राचीन	old/ancient	शरण	refuge
दुर्भाग्य से	unfortunately	सुअवसर	good opportunity
मूसलाधार बारिश	heavy downpour	युक्ति	idea
ओले	hail storm	प्रयत्न	effort
अंकित	marked		

पर्यायवाची शब्द

प्राचीन	=	पुरातन	यात्री	=	मुसाफिर
चट्‌टान	=	शिला	सहस्र	=	हजार
निकट	=	समीप			

विलोम शब्द

धनी	x	निर्धन	विश्वास	x	अविश्वास
प्रसन्न	x	अप्रसन्न	सुख	x	दुख
प्राचीन	x	आधुनिक	जन्म	x	मरण
इच्छा	x	अनिच्छा			

बोध प्रश्न

1. अमर के पिता की क्या इच्छा थी?
2. अमर ने अपना नाम कहाँ-कहाँ लिखा?
3. रेत पर अमर का नाम किस तरह उड़ गया?
4. संत ने नाम अमर करने के लिए अमर को क्या सुझाव दिया?
5. संत की बात का अमर पर क्या प्रभाव पड़ा?

व्याकरणिक टिप्पणी

तात्कालिक कृदंत बनाने के लिए वर्तमान-कालिक कृदंत विशेषण के अंतिम "ता" "को" "ते" करके मुख्य क्रिया के बाद में ही जोड़ा जाता है। इससे मुख्य क्रिया के साथ होने वाले कार्य की समाप्ति का बोध होता है।

नमूना: उसने जाते ही काम शुरू कर दिया है।

(क) **कि** - "कि" का प्रयोग संयोजक तथा "क्योंकि" कार्यकारण वाचक अव्यय के रूप में उप वाक्य के आरंभ में होता है। जैसे :-

1. उसने कहा <u>कि</u> वह कल दौरे पर जाएगा।

   He said <u>that</u> he will go on tour tomorrow.
2. वह आज दफ़्तर नहीं आएगा <u>क्योंकि</u> वह बीमार है।

   Today he will not come to office <u>because</u> he is ill.

(ख) "**कि** " का प्रयोग उद्देश्य वाचक के रूप में भी होता है। जैसे :-

1. वह इसलिए आया है कि आपसे मिले।
2. मैं इसलिए जा रहा हूँ कि उनसे मिल सकूँ।

(ग) "**कर**" - कहीं-कहीं पूर्वकालिक कृदंत "कर" का लोप हो जाता है। जैसे:-

1. तेज हवाएँ रेत को उड़ाकर ले गईं।
2. तेज हवाएँ रेत को उड़ा ले गईं।

मौखिक अभ्यास

दोहरा स्थानापत्ति अभ्यास

1. अधिकारी के बुलाते ही चपरासी आ गया।

   (पिता-पुत्र, अध्यापक-विद्यार्थी, मालिक-नौकर)

2. वर्षा होते ही हरियाली छा गई।

   (बसंत आना- फूल खिलना, सर्दी आना- ऊनी कपड़े निकालना, गर्मी आना- पंखे चलना)

3. पुलिस के आते ही चोर भाग गया।

   बस में चढ़ना - टिकट ले लेना, अध्यापक का आना- छात्र का पढ़ना, ठेकेदार का आना- मजदूर का काम करना)

रूपांतरण

नमूना: दरवाज़ा खुला ही था कि लोग अंदर आ गए।

दरवाज़ा खुलते ही लोग अंदर आ गए।

1. स्कूल खुला ही था कि सबने प्रवेश ले लिया।
2. विज्ञापन निकला ही था कि उम्मीदवारों ने आवेदन-पत्र भेज दिए।
3. संयुक्त सचिव आए ही थे कि सब खड़े हो गए।
4. प्रश्न-पत्र देखा ही था कि उसे चक्कर आ गया।
5. घर में घुसा ही था कि टेलीफोन की घंटी बजी।

नमूना: आदेश आया था। परिपत्र जारी करना पड़ा।

आदेश आते ही परिपत्र जारी करना पड़ा।

1. गर्मी पड़ी । पानी की कमी शुरू हो गई।
2. सर्दी शुरू हो गई। लोगों ने स्वेटर पहन लिए।
3. छुट्टी मिली। हम घूमने निकले।
4. भविष्य निधि अग्रिम मिला। शादी की तैयारी शुरू कर दी।
5. पत्र आया। सहायक ने उत्तर तैयार कर दिया।

नमूना: बच्चों ने कहानी सुनी। बच्चे सो गए।

बच्चे कहानी सुनते-सुनते सो गए।

1. गीता ने गाना सुना। उसने कपड़े धोए।

2. रमेश ने पढ़ाई की। वह थक गया।

3. अध्यापक ने पाठ पढ़ाया। उन्होंने पाठ समझाया।

4. उसने खरीददारी की। उसका पर्स खाली हो गया।

5. श्रीमती विजय लक्ष्मी ने बात की। वे रो पड़ीं।

मुहावरों से वाक्य पूर्ति करें।

(मंद-मंद मुस्कराना, बीड़ा उठाना, खुशी से फूला न समाना, काली घटाएँ छाना, सपना साकार होना)

1. प्रत्येक नागरिक को अपने आस-पास का वातावरण स्वच्छ रखने का ....

2. ऋतिक अपना परीक्षा परिणाम देखकर ....

3. आज बारिश होगी क्योंकि आकाश में ....

4. मैं बच्चे का उत्तर सुनकर ....

5. नियुक्ति पत्र देखकर मुझे लगा कि आज मेरा ....

कोष्ठक में दिए गए उपयुक्त शब्दों से खाली स्थान भरिए।

नमूना:	**हमारे...................दुर्घटना हो गई।**	**(देखना)**
	हमारे देखते-देखते दुर्घटना हो गई।	
1.	वह...............................रुंक गया।	(चलना)
2.	चोर...............................गिर गया।	(भागना)
3.	आग.............................. बुझ गई।	(जलना)
4.	शीला..............................सो गई।	(पढ़ना)
5.	मोहन सीढ़ियाँ........................थक गया।	(चढ़ना)

निम्नलिखित पदबंधों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

पहुँचा ही था, देखते ही, सुनते ही, खाते ही, शुरू करते ही, जाते-जाते, हँसते- हँसते, पढ़ते-पढ़ते, करते-करते, सुनते-सुनते।

संवाद

जन सेवा या लोक सेवा क्या है? हम लोगों की किस तरह सेवा कर सकते हैं। आपस में प्रश्नोत्तर करें।

पाठ - 13
प्रकृति की गोद में

संदिग्ध वर्तमान काल, भूतकाल
रहा होगा, होता होगा, होंगे

प्रकाश : सुनो दीपा। क्या अनंत का कोई फ़ोन आया? अब तक तो अनंत और उसके दोस्त मनाली पहुँच गए होंगे। तुमने उसके सामान में गरम कपड़े और कंबल रखा या नहीं? मार्च के महीने में तो वहाँ सुबह-शाम अच्छी खासी ठंड होती होगी।

दीपा : अनंत का फोन आ चुका है। उसने बताया कि वे लोग माल रोड से एक किलोमीटर ऊपर किसी होटल में रुके हैं। होटल के चारों तरफ पहाड़ियाँ हैं जिनकी चोटियाँ बर्फ से ढकी हुई हैं। खेतों में सरसों खिली हुई है। होटल से कुछ आगे छोटा-सा गाँव है। प्राकृतिक सौंदर्य को देख अनंत मंत्र-मुग्ध हो गया है।
कल सुबह उन्हें वशिष्ठ ऋषि, देवी हिडिंबा, मनु मंदिर देखने जाना है।
अभी वे कल की यात्रा की तैयारी में लगे होंगे।

(दूसरे दिन शाम को)

प्रकाश : आज शाम को बच्चों का क्या कार्यक्रम है?

दीपा : पता नहीं, अभी कोई फोन नहीं आया। उन्होंने आज सवेरे व्यास नदी में स्नान किया होगा। स्नान के बाद मंदिरों के दर्शन किए होंगे। अभी होटल के लॉन में कैंप फॉयर हो रहा होगा। बच्चे नाच-गा रहे होंगे। खाना-पीना चल रहा होगा।

(तीसरा दिन)

प्रकाश : दीपा, आज तो शायद अनंत सोलांग वैली गया होगा। वहाँ तो पैराग्लाइडिंग और स्कीइंग भी होती है।

दीपा : तुम्हारा अनुमान ठीक है। आज वे बर्फ़ीले पहाड़ों के बीच स्थित सोलांग घाटी में होंगे। हिम से ढकी घाटी को देखकर ऐसा लगता है मानों मीलों तक रुई बिछी हुई है। बच्चों को आज सच में बड़े रोमांचकारी अनुभव हो रहे होंगे। कोई पैराग्लाइडिंग कर रहा होगा तो कोई बर्फ पर स्कीइंग कर रहा होगा। कुछ बच्चे टायरों पर बैठकर पहाड़ी से नीचे फिसल रहे होंगे ।
अनंत ने अवश्य ही प्राकृतिक सौंदर्य को अपने मूवी कैमरे में कैद किया होगा। वह लौटकर आएगा तो हम सारा दृश्य देखेंगे।

प्रकाश : सच, मनाली जैसा रमणीय स्थल मैंने आज तक नहीं देखा। अपने सौंदर्य के कारण यह देवताओं का अंचल भी कहलाता है।

दीपा : हाँ, मुझे आज भी मनाली यात्रा याद है।

प्रकाश : चलो अच्छा है, बच्चे कुछ समय के लिए पढ़ाई के तनाव से मुक्त होकर मनोरम प्रकृति का आनंद ले रहे होंगे। अपने मित्रों और सहपाठियों के साथ प्रकृति की गोद में बिताए ये दिन उन्हें हमेशा याद रहेंगे।

शब्दार्थ

मंत्रमुग्ध	facinate	प्रकृति	nature
गोद	lap	कंबल	blanket
सरसों	mustard	चोटी	peak
हिम	snow	प्राकृतिक सौंदर्य	natural beauty
घाटी	valley	तनाव से मुक्त	tension free
आनंद	pleasure	रोमांचकारी	thrilling
अनुमान	guess	मनोरम	beautiful
		सहपाठी	classmate

विशेष शब्द

स्कीइंग - बर्फ पर फिसलना

पर्यायवाची शब्द

ठंड	=	जाड़ा	स्थल	=	स्थान
अंचल	=	क्षेत्र	घाटी	=	वादी
रमणीय	=	मनोरम	प्राकृतिक	=	नैसर्गिक

विलोम शब्द

पहाड़	x	मैदान	श्वेत	x	श्याम
मित्र	x	शत्रु	सुबह	x	शाम
आनंद	x	शोक	प्राकृतिक	x	अप्राकृतिक

बोध प्रश्न

1. अनंत और उसके दोस्त अब तक कहाँ पहुँचे होंगे?
2. वे कहाँ रुके हैं?
3. उनका कल का कार्यक्रम क्या है?
4. उन लोगों ने किस नदी में स्नान किया होगा?
5. सोलांग वैली का मुख्य आकर्षण क्या है?

सांस्कृतिक टिप्पणी

मनाली : हिमाचल प्रदेश का मनोरम पर्यटन केंद्र है। देश-विदेश से हजारों पर्यटक यहाँ आते हैं। यहाँ देवी हिडिंबा का प्रसिद्ध मंदिर है। यहीं विश्व प्रसिद्ध रोहतांग दर्रा है जहाँ लोग बर्फ का आनंद लेने जाते हैं। यह मार्ग लेह तक जाता है।

नदी स्नान: नदी में स्नान के बाद मंदिरों में देवों का दर्शन करना हमारी भारतीय परंपरा का एक अंग है।

व्याकरणिक टिप्पणी

संदिग्ध वर्तमान काल (Doubtful Present tense)

इसमें वर्तमान कालिक कृदंत के साथ हूँगा, होंगे, होगे, होगा सहायक क्रियाएँ जोड़ी जाती हैं। जैसे :-

वह घर में होगा।	He may be in the house.
वह पढ़ रही होगी।	She may be studying.
वे लोग आ गए होंगे।	They might have arrived.

इसी तरह संदिग्ध भूतकाल में सभी क्रियाओं में "है" के स्थान पर "होना" सहायक क्रिया के रूप जोड़े जाते हैं। जैसे- वह सोता होगा। वे गए होंगे।

अन्य क्रिया रूप देखें :

उसे चाहिए होगा।	He may need.
वह घर बड़ा होगा।	That house may be a big.

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

संभावित उत्तर के संदर्भ में प्रश्नों के उत्तर का अभ्यास कीजिए:-

1. वह कहाँ हैं ? पता नहीं - वह <u>कमरे</u> में होगा।
   (मंदिर में, बैठक में, पार्क में, दोस्त के घर में)
2. वह क्या कर रहा है? पता नहीं- वह <u>खेल</u> रहा होगा।
   (पढ़ना, सोना, टी.वी. देखना, होमवर्क करना)
3. वह कहाँ जा रहा है? पता नहीं - वह <u>दफ़्तर</u> जा रहा होगा।
   (बाज़ार, सिनेमा, प्रदर्शनी, स्टेशन)
4. क्या वह रोटी खाता है? हाँ - वह रोटी <u>खाता</u> होगा।

(फल, मिठाई, समोसा, डोसा, हलवा)

5. क्या उन्होंने यह उपन्यास पढ़ा है? पता नहीं -उन्होंने यह उपन्यास नहीं पढ़ा होगा।

(कहानी, निबंध, कविता, पत्रिका, समाचार पत्र)

रूपांतरण अभ्यास

नमूना:- क्या निदेशक निरीक्षण कर रहे हैं।

1. मालूम नहीं, शायद निदेशक निरीक्षण कर रहे होंगे।
2. हाँ, निदेशक निरीक्षण कर रहे हैं।

1. क्या वह दूध पीता है?
2. क्या वे कार्यालय जाते थे?
3. क्या उसने संगीत सीखा है?
4. क्या मनु क्रिकेट खेल रहा है?
5. क्या मानसी पत्र लिखना चाहती है?

नोट:- उत्तर के दो विकल्प हैं । मालूम नहीं, पीता होगा, हाँ पीता है।

नमूना: उत्तर भारत में सर्दियों में मौसम सुहावना होता है।

उत्तर भारत में सर्दियों में मौसम सुहावना होता होगा।

1. दिसंबर-जनवरी में श्रीनगर में बर्फ पड़ती है।
2. तटीय प्रदेशों में बारिश अधिक होती है।
3. पहाड़ी क्षेत्रों में सीढ़ीनुमा खेत होते हैं।
4. रोज इस समय पिताजी आराम करते हैं।
5. परीक्षा के समय विद्यार्थी परिश्रम करते हैं।

नमूना: माताजी मंदिर गई हैं।

माताजी मंदिर गई होंगी।

1. निदेशक दौरे पर आए हैं।
2. सहायक ने टिप्पणी तैयार की है।
3. मुंबई में आज बैठक हुई है।
4. शीला ने खाना बनाया है।
5. माली ने पौधे लगाए हैं।

नमूना: इस समय मुंबई में बारिश हो रही है।

इस समय मुंबई में बारिश हो रही होगी।

1. इस समय संयुक्त निदेशक कार्यालय का निरीक्षण कर रहे हैं।
2. अब बच्चों की परीक्षा शुरू हो रही है।
3. इस समय मंदिर में प्रसाद बँट रहा है।
4. आजकल दीवाली की तैयारियाँ चल रही हैं।
5. बच्चे पटाखे तथा मिठाइयाँ खरीद रहे हैं।

संवाद

आप पिछले साल पहाड़ पर गए थे, उसके आधार पर कल्पना करें कि अब वहाँ क्या-क्या हो रहा होगा? इसी तरह मेले में, शादी में होने वाली घटनाओं का अनुमान लगाइए और परस्पर बातचीत कीजिए।

पाठ - 14
सपनों का महल

करता रहता है, बंद रहता है।
करता जाता है, करते चलना,
किया करते हैं, जाया करते थे।

शिवनाथ बाबू मुंबई में रहते थे। डाक विभाग में नौकरी करते थे। वे बड़े खुशमिजाज एवं मिलनसार आदमी थे। अक्सर चुटकुले **सुनाते रहते थे** और बीच-बीच में ठहाके भी **लगाते जाते थे** ।

शिवनाथ बाबू नासिक में मकान बनवा रहे थे। सेवानिवृत्ति के बाद भीड़-भड़क्के से दूर रह कर शांति से जीवन बिताना चाहते थे। उन्होंने अपने परिवार को नासिक में छोड़ रखा था। वे सोचते थे कि इससे मकान भी बनता रहेगा और बच्चों की पढ़ाई भी अबाध चलती रहेगी।

शिवनाथ बाबू ने मकान बनवाने के लिए अपने "भविष्यनिधि" से अग्रिम धन लिया था। पेट काट कर जो बचत कर रहे थे, उसे भी इसी पर **लगाते जाते थे**।

अपनी पसंद का मकान बनवाने के लिए वे नासिक जाने की बात सोचते रहते थे। रविवार या राजपत्रित छुट्टियों में तो वहाँ जाते ही थे, वैकल्पिक छुट्टियों का उपयोग भी वे इसी प्रकार किया **करते थे।** समयोपरि काम के बदले जब प्रतिपूरक छुट्टी मिलती, तब वहीं **जाया करते थे**। वे इसके लिए दो-दो, चार-चार दिनों की आकस्मिक छुट्टियाँ भी **लेते रहते थे।** वर्ष में एक बार लंबी अर्जित छुट्टी अवश्य लेते एवं रविवार आदि अन्य छुट्टियों को आगे-पीछे जोड़ने की अनुमति लेकर भी वहाँ जाते रहते थे। अक्सर बच्चों के बारे में **सोचते रहते थे** बेटा कैसे पढ़ाई **करता होगा।** टाइम टेबल के अनुसार **पढ़ रहा होगा** या नहीं। उनके मन में ख्याल **आता रहता था** बेटी सयानी हो गई है। कालेज के लिए बस से जाती होगी। परीक्षा की तैयारी किस तरह **करती होगी**। नासिक आने पर पत्नी जब कहीं जाने या सिनेमा देखने की बात करती तब वे जवाब दे देते कि कुछ दिनों की तपस्या और है, बाद में तो हम अपना जीवन अपनी इच्छा के अनुसार बिताएँगे।

आखिर एक दिन सेवा निवृत्त होकर शिवनाथ बाबू नासिक पहुँच गए। घर की व्यवस्था उन्होंने अपने हाथ में ले ली। वे संतोष का अनुभव करने लगे कि मैं अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से **निभाता चल रहा हूँ**।

इस अति उत्साह में वे अक्सर पुत्र को उपदेश देने लग जाते। समय की कीमत समझो, आलस्य मत करो, जीवन में सफलता पानी है तो कठिन परिश्रम **करते रहना होगा।** पुत्री को भी टोकते रहते थे। कहते थे फैशन पर ध्यान मत दो। सादगी से रहो। बच्चों को ये अच्छा नहीं **लगता था**। साथ घूमने चलने के लिए पत्नी से कहते। पत्नी

लज्जा और संकोच से कहती "इस बुढ़ापे में मुझे आपके साथ घूमना अच्छा नहीं लगता। मैं यहाँ जैसे रहती आई हूँ मुझे तो वैसे ही रहने दीजिए।"

शिवनाथ बाबू को महसूस **होता था** कि मेरा यहाँ रहना इन लोगों को अच्छा नहीं लग रहा है । पिता सही बात कहे, ऐसा तो सदा से **होता आया है**। मैं इसमें क्या गलती कर रहा हूँ? लेकिन अनचाहा व्यक्ति बनकर रहना भी मन को अच्छा नहीं लगता। उन्होंने सोचा, क्यों न फिर मुंबई चला जाऊँ? फिर ख्याल आया एक बार सबसे बात करूँ।

अगले दिन शिवनाथ बाबू ने सबको एक साथ बुलाया। नाश्ते की मेज पर उनसे कहा कि माता-पिता बच्चों के भले के लिए ही सोचते रहते हैं। इसमें बुरा क्या है? यदि आपको मेरा यहाँ रहना पसंद नहीं है तो मैं वापस मुंबई चला जाता हूँ। **वैसे ही रहता रहूँगा** जैसे पहले **रहता आया हूँ** । आप भी अपनी इच्छा से **रहते रहें।** पत्नी और बच्चों को अपनी भूल समझ में आ गई। उन्होंने शिवनाथ बाबू से क्षमा माँगी और कहा कि मुंबई जाने का ख्याल आप मन से निकाल दें।

पहली बार शिवनाथ बाबू को अनुभव हुआ कि उनका सपना हकीकत में बदल गया है।

शब्दार्थ

मिलन सार	social	उपदेश देना	to advice
चुटकुले	jokes	आलस्य	laziness
भीड़ भड़क्का	hustle & bustle	लज्जा	shyness
सयानी	grown up	संतोष	satisfaction
अनचाहा	unwanted	हकीकत	reality

पर्यायवाची शब्द

लज्जा	=	शर्म	छुट्टी	=	अवकाश
अक्सर	=	प्राय:	हकीकत	=	सच्चाई

विलोम शब्द

संतोष	x	असंतोष	अच्छा	x	बुरा
आलस्य	x	फुर्ती	व्यवस्था	x	अव्यवस्था

बोध प्रश्न

1. शिवनाथ बाबू का परिचय दीजिए।
2. शिवनाथ बाबू नासिक में मकान क्यों बनवा रहे थे?
3. मकान बनवाने के लिए उन्हें किस-किस प्रकार का अवकाश लेना पड़ता था?
4. शिवनाथ बाबू ने नाश्ते की मेज पर बच्चों से क्या कहा?
4. शिवनाथ बाबू ने मुंबई जाने का ख्याल अपने मन से कब निकाला?

व्याकरणिक टिप्पणियाँ

1. अभ्यास बोधक - "पढ़ा करता है"

   क्रिया के भूतकाल रूप के साथ "कर" धातु के रूपों के प्रयोग से किसी व्यापार का नियमत: घटित होना व्यक्त होता है।

   चाचा जी रोज योगासन <u>किया</u> करते हैं।

   uncle does yoga exercise regularly.

   इसमें प्रधान क्रिया सदा पुल्लिंग एकवचन में रहती है और काल-पुरुष, लिंग आदि प्रत्यय सहायक क्रिया "कर" में लगते हैं। इस प्रयोग में प्रधान क्रिया "जा" का भूतकाल "जाया" होता है।

   शिवनाथ बाबू छुट्टियों में नासिक जाया करते थे।

   मुहावरा - पेट काट कर hard earned money

2. **निरंतरता बोधक**

   समय की अवधि में निरंतर क्रिया को हम "करता रहता हूँ","बैठा रहता है" से प्रकट करते हैं। समय की अवधि सूचित करने के लिए हम **दिनभर, हर वक्त, जब देखो, दिन रात, सवेरे से सायं तक, हमेशा** आदि क्रिया विशेषण का प्रयोग करते हैं।

3. **क्रमिक विकास बोधक**

   दाम, मूल्य, तापमान आदि के क्रमिक विकास को दिखाने के लिए क्रिया में "जाना" का रूप जोड़ा जाता है। जैसे:- दाम बढ़ते जा रहे हैं। क्रमिकता सूचित करने के लिए निरंतर, लगातार आदि क्रिया विशेषणों का प्रयोग होता है।

4. क्रिया रूप "करते चलो" का प्रयोग आम तौर पर "एक एक करके" के साथ होता है।

   नमूना- एक एक करके अंदर प्रवेश करते चलो।

5. सदा से ऐसा ही होता आया है- it has always been like this.

मौखिक अभ्यास

(क) स्थानापत्ति

1. वह लड़की हमेशा मुस्कराती रहती है।
   (खेलना, गुनगुनाना, पढ़ना, खाना)
2. सावंत रात-दिन पढ़ता है।
   (काम करना, सोना, चाय पीना, लिखना)
3. यह दरवाजा दिन भर बंद रहता है।
   (खिड़की, शॉपिंग सेंटर, थियेटर, घर)

(ख)

1. मेरे पिता जी नियम से पूजा किया करते हैं।
   (टहलना, गीता पाठ करना, समाचार सुनना, सितार बजाना)
2. मेरी माँ नियम से सवेरे उठा करती हैं।
   (रामायण का पाठ करना, ठंडे पानी से स्नान करना, स्वयं रसोई की सफाई करना, नाश्ता बनाना)

(ग)

1. आजकल पेट्रोल का दाम बढ़ता जा रहा है।
   (भारत की आबादी, दफ़्तर का काम, फलों की कीमतें)
2. मैं बोलता जा रहा हूँ, तुम सुन ही नहीं रहे हो।
   (कहना, बताना, समझाना, पूछना)
3. आजकल के बच्चे होशियार होते जा रहे हैं।
   (समझदार, नटखट, महत्वाकांक्षी)

रूपांतरण अभ्यास

नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

(क) नमूना: यह दरवाजा इस समय बंद है।

यह दरवाजा हमेशा बंद रहता है।

1. दुकान इस समय खुली है।
2. लड़के इस समय बैठे हैं।
3. लड़कियाँ इस समय काम कर रही हैं।
4. यह भवन इस समय जगमगा रहा है।

(ख) **नमूना:** तुम अभी यहाँ क्यों खड़े हो?

तुम हमेशा यहाँ क्यों खड़े रहते हो?

1. तुम अभी क्यों सो रहे हो?
2. तुम अभी यहाँ क्यों बैठे हो?
3. आप अभी क्या लिख रहे हैं?
4. आप अभी कहाँ जा रही हैं ?

(ग) **नमूना:** वह नियम से टहला करता है।

वह इस समय टहल रहा है।

1. मैं बिना नागा पूजा करता हूँ।
2. मेरे दादा जी नियमपूर्वक मंदिर जाते हैं।
3. शीला हमेशा ओंठ चबाती है।
4. वह रोज सुबह व्यायाम करता है।
5. शिवा प्रतिदिन खाने में सलाद खाता है।

संवाद

(क) निम्नलिखित विषयों पर पाँच-पाँच वाक्य बोलिए।

(1) बच्चे छुट्टियों में क्या करते रहते हैं?

(2) घर में माता जी नियम से क्या-क्या काम करती हैं?

(**सहायक शब्द** - पूजा-पाठ, खाना बनाना, सफाई करना)

(ख) यह चर्चा करें कि आपके घर के लोग नियमपूर्वक क्या-क्या काम करते हैं?

पाठ - 15
यूनीसेफ

द्वितीय प्रेरणार्थक करवाना, लगवाना, बनवाना

संयुक्त राष्ट्र संघ के अधीन विश्व भर में कार्य करने वाली संस्था को यूनीसेफ अर्थात् संयुक्त राष्ट्र बाल निधि के नाम से जाना जाता है। हमारे देश में यह संस्था सन् 1949 से कार्य कर रही है। यह संस्था विश्वभर के बाल संगठनों के लिए कार्य करती है।

यह संस्था बच्चों के विकास के लिए प्रयासरत है। संयुक्त राष्ट्र बाल निधि के अंतर्गत हजारों कार्यकर्ता बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनकी प्रगति के लिए विश्वभर में कार्य करते हैं। जैसे:- बच्चों के लिए आवश्यक दवाइयाँ, शिक्षा, स्वास्थ्य और आपातकालीन स्थितियों में सहायता करना आदि।

हर बच्चा जन्म से अपना नाम, राष्ट्रीय पहचान, उचित देखभाल, अच्छा स्वास्थ्य और शिक्षा पाने का अधिकारी होता है। इस संबंध में यूनीसेफ सदस्य देशों की सरकारों से बच्चों के हितों के लिए कानून बनवाती है। विश्व के अधिकांश देश अपने बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए यूनिसेफ को अपनी सहमति दे चुके हैं।

बच्चों के लिंग भेद को समाप्त कर यूनीसेफ उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करवाती है। यह विभिन्न देशों की सरकारों से बच्चों को साफ-सफाई, पेयजल, बुनियादी शिक्षा की सुविधाएँ उपलब्ध करवाती है । इसके साथ-साथ बच्चों को शोषण एवं उत्पीड़न से मुक्त कर स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास करती है ।

यह संस्था नवजात शिशुओं की मृत्युदर को कम करने एवं नियंत्रित करने के उद्देश्य से गर्भवती महिलाओं को कुपोषण से बचाने के लिए संतुलित भोजन वितरित करवाती है तथा आवश्यक टीकाकरण अभियान भी चलवाती है। शिशु के जन्म से प्रथम छह माह तक उसको माँ का दूध, मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग, डायरिया से बचाव के लिए जीवनरक्षक घोल पिलाए जाने की सलाह देने के साथ अन्य सुविधाएँ भी उपलब्ध करवाती है। यह संस्था स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से आम जनता को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करवाती है। यूनीसेफ बच्चों की दृष्टिहीनता पोलियो निवारण के साथ घेंघा रोग, काली खाँसी, गलघोंटू से बचाव हेतु विटामिन ए, आयोडीन तथा अन्य दवाइयाँ भी उपलब्ध करवाती है।

इस प्रकार यूनीसेफ ऐसी संस्था है जो विश्व के बच्चों की भलाई के लिए कार्यरत है। यह अपने कार्यक्रमों को विश्व की सरकारों, स्वैच्छिक संस्थाओं और व्यक्तियों के माध्यम से लागू करवाती है।

शब्दार्थ

अधीन	under	सुनिश्चित करना	to ensure
विश्व	world	पेयजल	drinking water
संस्था	organisation	बुनियादी	basic
कार्यकर्ता	activist/worker	शोषण	exploitation
प्रगति	progress	उत्पीड़न	torture
आपातकालीन	emergency	नवजात	new born / infant
राष्ट्रीय पहचान	national identity	जागरूक	alertness/awareness
अधिकारी	to have right	प्रचार-प्रसार	publicity
सहमति	consent	पोलियो निवारण	polio eradication
लिंग भेद	gender discrimination	गल घोंटू	diptheria
संतुलित आहार	balanced diet	घेंघा/गलगंड	goitre
काली खाँसी	whooping cough	अधिकतर लोग	most of the people
अधिकांश भाग	major part		

संयुक्त राष्ट्र बाल निधि United Nation Children Education Fund (UNICEF)

पर्यायवाची शब्द

प्रगति	=	उन्नति	मृत्यु	=	मौत
अधीन	=	अंतर्गत	समाप्त	=	खत्म
अधिकांश	=	अधिकतर	उपचार	=	इलाज

विलोम शब्द

संतुलित	x	असंतुलित	उचित	x	अनुचित
सहयोग	x	असहयोग	पोषण	x	कुपोषण
सहमति	x	असहमति	मृत्यु	x	जन्म

व्याकरणिक टिप्पणी

क्रियाओं में प्रेरक क्रिया धातु के रूपों से सीधे बनती है।

<u>धातु रूप</u>	<u>प्रथम प्रेरणार्थक</u>	<u>द्वितीय प्रेरणार्थक</u>
चलना	चलाना	चलवाना
करना	कराना	करवाना
घूमना	घुमाना	घुमवाना
बनना	बनाना	बनवाना
बोलना	बुलाना	बुलवाना

किंतु निम्नलिखित क्रिया रूप अपवाद स्वरूप हैं:-

<u>**धातु रूप**</u>	<u>**प्रथम प्रेरणार्थक**</u>	<u>**द्वितीय प्रेरणार्थक**</u>
धोना	धुलाना	धुलवाना
सीना	सिलाना	सिलवाना
टूटना	तोड़ना	तुड़वाना
फटना	फाड़ना	फड़वाना

बोध प्रश्न

1. बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करने वाली संयुक्त राष्ट्र की संस्था का क्या नाम है?
2. बच्चों को जन्म से क्या-क्या अधिकार प्राप्त हैं?
3. विटामिन "ए" और "आयोडीन" की कमी से कौन-कौन से रोग होते हैं?
4. संयुक्त राष्ट्र बाल निधि के कार्यकर्ता किस उद्देश्य से कार्य करते हैं?
5. संयुक्त बाल निधि संस्था क्या सुनिश्चित करवाती है?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

कोष्ठक के शब्द बदल कर वाक्य बनाइए।

1. ठेकेदार ने मजदूरों से <u>पंडाल</u> बनवाया।
   (शिविर, अस्पताल, गोदाम, स्कूल)
2. हमारी संस्था <u>अनाथ बच्चों</u> की देखभाल करती है।
   (तूफान पीड़ितों, बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों, गरीब लड़कियों, विकलांग बच्चों)
3. अधिकारी आशुलिपिक से <u>मसौदा</u> तैयार करवाते हैं।
   (अधिसूचना, आदेश, परिपत्र, टिप्पणी, कार्यालय ज्ञापन)

दोहरा स्थानापत्ति अभ्यास

कोष्ठक के शब्द को बदलिए और उसके अनुसार वाक्य बनाइए।

नमूना: <u>नौकर</u> को बुलवाया गया और उसे <u>वेतन</u> दिया गया।

कार्मिक	चेतावनी
नौकरानी	कई आदेश

बहादुर सैनिक	विशिष्ट सेवा पदक
विजेता छात्राएँ	पुरस्कार
सफल विद्यार्थी	प्रमाण-पत्र
विजेता खिलाड़ी	स्वर्ण पदक

रूपांतरण

नमूना के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: मालिक नौकर से काम करवाता है।

नौकर काम करता है।

1. माताजी बहू से खाना बनवाती हैं।
2. ठेकेदार मजदूरों से इमारत बनवाते हैं।
3. माली बच्चों से हार बनवाता है।
4. मैं रमा से चाय बनवाता हूँ।
5. श्रीनिवास ड्राइवर से कार चलवाता है।
6. मालिक नौकर से आम तुड़वाता है।

नमूना के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना क्या आप स्वयं खाना बनाते हैं? (नौकर)

नहीं, मैं नौकर से खाना बनवाता हूँ।

1. क्या आप स्वयं बच्चों को पढ़ाते हैं ? (अध्यापक)
2. क्या अनुभाग अधिकारी ने स्वयं मसौदा तैयार किया है? (सहायक)
3. क्या माताजी खुद पूड़ियाँ बना रही हैं? (नौकरानी)
4. क्या आप टाइपराइटर पर पत्र टाइप करते हैं? (स्टेनो से कंप्यूटर पर)
5. क्या आशीष अपने कपड़े स्वयं धो रहा है? (धोबी)

नमूना के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: खाना बनता है। (नौकर)

नौकर खाना बनाता है।

1. कार चलती है। (ड्राइवर)

2.	सब्जी उगती है।	(किसान)
3.	जलेबी बनती है।	(हलवाई)
4.	पंखा चलता है।	(रमेश)
5.	बच्चे पढ़ते हैं।	(अध्यापक)

संवाद

शिक्षा के प्रचार-प्रसार के संबंध में परस्पर बातचीत करें।

(साक्षरता मिशन, प्रौढ़ शिक्षा, सर्वशिक्षा अभियान, शिक्षा नीति, अनौपचारिक शिक्षा)

पाठ - 16

स्वामी विवेकानंद

जिधर- उधर, जैसे-वैसे
जिस तरफ -उस तरफ
जिस तरह- उस तरह

उन्नीसवीं शताब्दी का उत्तरार्ध हमारे देश के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। उस समय देश में अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया। इन महापुरुषों में समाज सुधारक, चिंतक तथा विश्व प्रसिद्ध राजनेता भी थे। स्वामी विवेकानंद इन्हीं में से एक थे।

12 जनवरी, 1863 को मकर संक्रांति के दिन कोलकाता के प्रसिद्ध वकील श्री विश्वनाथ दत्त के घर में विवेकानंद का जन्म हुआ था। विवेकानंद को बचपन में प्यार से नरेन कहते थे। नरेन्द्र बचपन से कुशाग्र बुद्धि थे और उनकी स्मरण शक्ति बहुत तीव्र थी।

नरेन ने कोलकाता विश्वविद्यालय से इंटर तथा बी0 ए0 की परीक्षा पास की। कॉलेज के दिनों में भिन्न-भिन्न विषयों की पुस्तकें पढ़ने में उनकी विशेष रुचि थी। उनके पढ़ने के कमरे में जिधर नजर पड़ती, उधर किताबें ही किताबें दिखाई देतीं। उनके अंग्रेजी के प्रोफेसर डब्ल्यू.डब्ल्यू. हैस्टी ने लिखा है कि नरेन एक प्रतिभासंपन्न छात्र थे। मुझे जैसी प्रतिभा एवं क्षमता नरेन में दिखाई दी, वैसी कहीं नहीं दिखी। यहाँ तक कि जर्मनी के विश्वविद्यालयों में दर्शन के विद्यार्थियों में भी ऐसा प्रतिभासंपन्न कोई छात्र नहीं मिला। अध्ययन के साथ-साथ संगीत में भी उनकी विशेष रुचि थी। वे मात्र पुस्तकीय ज्ञान से संतुष्ट नहीं होते थे बल्कि सत्य पर आधारित ज्ञान की प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील रहते थे।

उसी समय बंगाल में राजा राम मोहन राय ने ब्रहम समाज की स्थापना की। विवेकानंद उनसे काफी प्रभावित हुए और वे ब्रहम समाज से जुड़ गए। परंतु उनकी अनेक शंकाओं का समाधान वहाँ नहीं हुआ।

15 जनवरी, 1882 नरेन के जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण दिन था। उसी दिन स्वामी रामकृष्ण परमहंस से उनकी भेंट हुई। स्वामी रामकृष्ण के उपदेशों से वे बहुत प्रभावित हुए। उनका विवेक जागृत हो गया और लोग उन्हें स्वामी विवेकानंद कहने लगे।

11 सितम्बर, 1893 को शिकागो (अमेरिका) में आयोजित विश्व धर्म महासभा में जब उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत "अमेरिका वासी बहनों और भाइयों" के संबोधन से की तो हाल तालियों से गूँज उठा। हॉल में जिधर नजर जाती, उधर ही लोग उन्हें सुनने को लालायित दिखे। भारत का यह अनजान स्वामी एकाएक ही विश्व प्रसिद्ध हो गया क्योंकि उनके भाषण में भारतीय एवं पाश्चात्य संस्कृति का ऐसा सामंजस्य था जो किसी और के व्याख्यान में न था।

उनके व्यक्तित्व में एक अद्भुत आकर्षण एवं गंभीरता थी। उनकी वाणी में एक जादू था। वे एक उपदेशक की तरह नहीं बल्कि पूरे अधिकार से बोलते थे। उनकी दृष्टि में काम करना ही सच्ची उपासना है। खेत, खलिहान, स्कूल, कारखाने या खेल के मैदान किसी भी क्षेत्र में ईमानदारी से किया गया काम ही सच्चा धर्म है और ये स्थान उतने ही पवित्र हैं, जितनी कि किसी साधु की कुटिया अथवा मंदिर के द्वार। इस प्रकार उन्होंने जीवन में ईश्वर से साक्षात्कार के लिए श्रम (कर्म) को ही सही मार्ग माना है।

स्वामी जी ने जहाँ एक ओर धर्म की व्याख्या की, वहीं दूसरी ओर समाज सुधार पर भी बल दिया।

हमारे संविधान में जिस धर्म-निरपेक्षता और समाजवाद की कल्पना की गई है, उसकी नींव विवेकानंद ने पहले ही रख दी थी। उन्होंने हमेशा गरीबों के उत्थान की बात की। नारी शिक्षा तथा नारी स्वतंत्रता पर जोर दिया। वे शिक्षा को व्यक्ति और समाज के विकास का आधार मानते थे। हमारे देश में स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस को "युवक दिवस" के रूप में मनाया जाता है। यही हमारी स्वामी विवेकानंद के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

शब्दार्थ

उत्तरार्ध	later half	धर्म	religion
इतिहास	history	संबोधन	address
महत्व	importance	लालायित	eager
महापुरुष	greatman	अनजान	unknown
सुधारक	reformer	व्याख्यान	speech
चिंतक	thinker	आकर्षण	attraction
राजनेता	politician	गंभीरता	seriousness
कुशाग्र बुद्धि	sharp/ intelligent	वाणी में जादू	impressive speech
स्मरण शक्ति	memory	उपासना	worship
प्रतिभा संपन्न	talented	द्वार	door
पुस्तकीय ज्ञान	bookish knowledge	साक्षात्कार	interview
प्रयत्नशील	continuous efforts	संविधान	constitution
शंका	doubt	धर्म निरपेक्षता	secularism
समाधान	solution	समाजवाद	socialism
सर्वाधिक	maximum	उत्थान	upliftment
उपदेश	preaching	श्रद्धांजलि	tribute
प्रभावित	impressed	जागृत	aware

सांस्कृतिक टिप्पणी - जनवरी माह में मकर संक्रांति की भाँति विभिन्न राज्यों में पोंगल, बिहू, लोहड़ी आदि पर्व मनाए जाते हैं।

ब्रह्म समाज- समाज सुधारक आंदोलन से जुड़ा था जिसके संस्थापक राजा राममोहन राय थे।

पर्यायवायी

प्रतिभासंपन्न	=	प्रतिभाशाली	उपासना	=	पूजा
कुशाग्र	=	तीव्र	देन	=	योगदान
स्मरण शक्ति	=	याददाश्त	एकाएक	=	अचानक
अद्भुत	=	अनोखा	अनजान	=	अपिरचित
समाधान	=	हल	विवेक	=	ज्ञान
शंका	=	संदेह	इधर	=	इस तरफ
जिधर	=	जिस तरफ	उधर	=	उस तरफ
वैसे	=	उस तरह	जैसे	=	जिस तरह

विलोम शब्द

अनजान	x	जाना पहचाना	आध्यात्मिक	x	भौतिक
सामान्य	x	विशेष	उत्थान	x	पतन
उत्तरार्ध	x	पूर्वार्द्ध	समाजवाद	x	पूँजीवाद
रुचि	x	अरुचि	परिचित	x	अपरिचित

बोध प्रश्न

1. "उन्नीसवीं" शताब्दी के उत्तरार्ध को विशेष महत्व का क्यों माना जाता है?
2. विवेकानंद का जन्म कब हुआ? उनके बचपन का नाम क्या था?
3. विवेकानंद किसके शिष्य थे?
4. अमेरिका वासियों ने उनके भाषण के प्रारंभ में प्रसन्नता क्यों व्यक्त की?
5. युवक दिवस क्यों मनाया जाता है?

व्याकरणिक टिप्पणी

"जितना-उतना" परिमाणवाचक क्रिया विशेषण [Adverb of quantity] है। इनसे क्रिया के परिमाण या मात्रा से संबंधित विशेषता का पता चलता है। जैसे:- मैं जितना खाता हूँ, उतना मोटा हो जाता हूँ।

"जिधर-उधर", "एक ओर-दूसरी ओर" दिशाबोधक क्रिया विशेषण हैं। ये विशेषण शब्द क्रिया के घटित होने की दिशा के विषय में बोध कराते हैं।

"ही" - जिधर नजर पड़ती उधर किताबें ही किताबें दिखाई पड़तीं। यहाँ "ही" का प्रयोग **emphasis** या ज़ोर डालने हेतु अंग्रेजी के **'only'** के लिए किया जाता है।

"यहाँ तक कि" का प्रयोग **'even'** के लिए किया जाता है।

यहाँ तक कि उसने खाना भी नहीं खाया। He didn't even have his food.

see other expressions:-

सब जगह पानी ही पानी था।

चारों ओर हरियाली ही हरियाली छाई थी।

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

नीमा जैसे भाषण देती है वैसे सईदा नहीं।

(कपड़े धोना, खाना बनाना, पत्र लिखना, कविता पढ़ना)

(फिर इन्हीं वाक्यों को जिस तरह .... उस तरह से बोलें।)

दोहरा स्थानापत्ति अभ्यास

जिधर कार्यालय है उधर कालेज भी है।

घर	स्कूल
दुकान	शापिंग मॉल
स्टेशन	होटल
खेत	बगीचा
अस्पताल	दवा की दुकान
निदेशालय	सचिवालय

(फिर इन्हीं वाक्यों को जिस तरफ .... उस तरफ से बोलें।)

रूपांतरण

जितना अभ्यास करोगे उतनी दक्षता मिलेगी।

पढ़ाई	तरक्की
काम	फल
दान-धर्म	पुण्य
दूसरों की सहायता	भलाई

नमूना के अनुसार बदलिए।

नमूना: हमारे कार्यालय को एक बड़ा सम्मेलन कक्ष चाहिए।

हमारे कार्यालय को ऐसा सम्मेलन कक्ष चाहिए जो बड़ा हो।

1. मेहरा साहब को डीजल से चलने वाली कार की ज़रूरत है।
2. अनुभाग अधिकारी को पाँच वर्ष के अनुभव वाला सहायक चाहिए।
3. अधिकारी को स्वत:पूर्ण टिप्पणी चाहिए।
4. गीता को कम मिर्च वाला खाना चाहिए।
5. अपर सचिव को द्विभाषी कंप्यूटर जानने वाला सहायक चाहिए।

नमूना: बच्चे की उम्र बढ़ेगी तो उसकी लंबाई भी बढ़ेगी।

जैसे-जैसे बच्चे की उम्र बढ़ती जाएगी, वैसे-वैसे उसकी लंबाई भी बढ़ती जाएगी।

1. मीनाक्षी अभ्यास करेगी तो उसकी नृत्य कला में निखार आएगा।
2. गाड़ी आगे चलेगी तो हम नए-नए दृश्य देखेंगे।
3. जनसंख्या बढ़ेगी तो बेरोजगारी भी बढ़ेगी।
4. प्रदूषण कम होगा तो बीमारियाँ भी कम होंगी।
5. वृक्षारोपण होगा तो वातावरण स्वच्छ होगा।

नमूना: यहाँ नदियाँ भी हैं और अनेक पर्वत भी हैं।

एक ओर जहाँ नदियाँ हैं वहीं दूसरी ओर पर्वत भी हैं।

1. भारत में गरीबी भी है और अमीरी भी है।
2. होटल में दक्षिण भारतीय व्यंजन भी हैं और उत्तर भारतीय व्यंजन भी हैं।
3. संसार में त्यागी लोग भी हैं और स्वार्थी भी हैं।
4. समाज में शिक्षित युवक भी हैं और अनपढ़ भी हैं।
5. कक्षा में मेहनती छात्र भी हैं और आलसी भी।

संवाद

(1) आपके शहर या गाँव में हर दिशा में किसी स्थान को दूसरे परिचित स्थान के संदर्भ में बताइए।

जैसे :- जिधर मंदिर है, उधर ही मेरा दफ़्तर है।

(2) नमूना देखिए :-

मीरा जैसे गाती है, वैसे ही शीला गाती है।

मीरा जैसे गाती है, उस तरह शीला नहीं गाती।

मीरा जैसे गाती है, शीला उससे अच्छा गाती है।

इस तरह "बोलना", "काम करना", "गाड़ी चलाना", तस्वीर बनाना", आदि क्रिया रूपों को लेकर दो व्यक्तियों की तुलना कीजिए।

(3) स्वामी विवेकानंद के गुणों और कार्यों के बारे में परस्पर चर्चा कीजिए।

पाठ - 17
प्रदर्शनी

न केवल	**- बल्कि**
हालांकि	**- फिर भी**
यद्यपि	**- तथापि**
चूंकि	**- इसलिए**

मैं सुबह अखबार पढ़ रहा था। अखबार के पहले पृष्ठ पर ही बड़ा सा विज्ञापन छपा था, जिसमें रामलीला मैदान में एक विशाल प्रदर्शनी लगने की सूचना थी। रविवार का दिन होने के कारण मैं पूरा दिन आराम करना चाहता था। थोड़ी ही देर बाद मेरे मोबाइल फोन की घंटी बजी। मेरे करीबी दोस्त का फोन था। उन्होंने प्रदर्शनी देखने के लिए साथ चलने का आग्रह किया । हालाँकि मेरी इच्छा बाहर जाने की नहीं थी फिर भी मैं उन्हें मना न कर सका। कुछ ही देर में मेरा मित्र अपनी कार लेकर आ गया। प्रदर्शनी मैदान बहुत दूर नहीं था इसलिए आधे घंटे में ही हम प्रदर्शनी स्थल पर पहुँच गए। भीड़ और विशेष सुरक्षा कारणों से कार पार्क करने में बहुत समय लग गया। प्रदर्शनी की भव्यता बाहर से देखते ही बनती थी। कुछ ही समय में हम टिकट खिड़की तक पहुँच गए। हालाँकि प्रदर्शनी का टिकट काफी महँगा था फिर भी दर्शकों की बहुत भीड़ थी। शायद आज कोई विशिष्ट अतिथि प्रदर्शनी देखने आ रहे थे। टिकट लेकर हम लोग भीतर गए, वहाँ न केवल बच्चों, बूढ़ों, युवकों की भीड़ थी बल्कि महिलाएँ भी बहुत बड़ी संख्या में आई थीं। प्रदर्शनी में बहुत सारे मंडप थे। एक तरफ सिले-सिलाए कपड़ों के स्टॉल थे तो दूसरी तरफ चमड़े व रेक्सीन के सामान का स्टॉल था। महिलाओं के कपड़ों के स्टॉल पर ऐसी भीड़ थी जैसे सामान मुफ्त मिल रहा हो। हालाँकि सामान के दाम कम नहीं थे फिर भी बिक्री बहुत हो रही थी। फर्नीचर व बिजली के उपकरणों के कई स्टॉल थे। अधिकतर इलेक्ट्रानिक सामान प्रदर्शित किया गया था। यद्यपि मोबाइल से लेकर कंप्यूटर तक सब कुछ इन स्टॉलों पर उपलब्ध थे फिर भी खरीददार कम थे। वैसे तो हमें कुछ खास खरीदना नहीं था फिर भी हमने चीजों के दाम पूछे। कुछ चीजें पसंद भी आईं लेकिन उनकी गुणवत्ता पर विश्वास नहीं हो पा रहा था। हमने दैनिक प्रयोग में आने वाली कुछ छोटी-मोटी चीजें खरीद ही लीं। यद्यपि हम लोग काफी थक गए थे फिर भी और घूमने का मन कर रहा था।

आखिरकार थकान मिटाने के लिए हम एक खुले रेस्टोरेंट में बैठ गए। रेस्टोरेंट में इडली-डोसा, पॉवभाजी और राजस्थानी व्यंजनों की भरमार थी, हमने पॉवभाजी खाकर चाय पी और थोड़ी देर बाद घर लौट आए।

शब्दार्थ

विज्ञापन	advertisement	सिले-सिलाए कपड़े	ready made garments
प्रदर्शनी, नुमाइश	exhibition	चमड़ा	leather
आग्रह करना	to insist	बिजली के उपकरण	electronic gadgets
भव्यता	grandness	गुणवत्ता	quality
विशिष्ट अतिथि	special guest	दैनिक प्रयोग	daily use
मंडप	hall	व्यंजन	dishes

पर्यायवाची शब्द

अतिथि	=	मेहमान	प्रयोग	=	उपयोग
विशिष्ट	=	खास	काफी	=	पर्याप्त/बहुत
करीबी	=	घनिष्ठ	आराम	=	विश्राम
दैनिक	=	प्रतिदिन			

विलोम शब्द

इच्छा	x	अनिच्छा	करीबी	x	दूर के
विशिष्ट	x	सामान्य/साधारण	खरीददार	x	विक्रेता
पसंद	x	नापसंद	विश्वास	x	अविश्वास

बोध प्रश्न

1. रविवार होने पर भी लेखक बाहर क्यों नहीं जाना चाहता था?
2. अखबार के बड़े से विज्ञापन में क्या छपा था?
3. लेखक ने अपने मित्र को प्रदर्शनी के लिए मना क्यों नहीं किया?
4. किन स्टॉलों पर बहुत भीड़ थी?
5. चीजें पसंद आने पर भी लेखक ने खरीददारी क्यों नहीं की?
6. थकान मिटाने के लिए लेखक तथा उनके मित्र ने क्या किया?

व्याकरणिक बिंदु

(क) **हालाँकि- फिर भी, यद्यपि-तथापि** संकेत बोधक हैं। प्रथम उपवाक्य के योजक का संकेत अगले उपवाक्य में पाया जाता है। ये प्राय: जोड़े में प्रयुक्त होते हैं:-
हालाँकि टिकट महँगा था, फिर भी बहुत भीड़ थी।
यद्यपि टिकट महँगा था तथापि बहुत भीड़ थी।

"हालाँकि" वाले वाक्य को दूसरे ढंग से भी बोल सकते हैं- बहुत भीड़ थी, हालाँकि टिकट सस्ते नहीं थे।

(ख) **इसलिए, चूँकि, क्योंकि और कि** आदि कारण बोधक अव्यय कहलाते हैं। इनके द्वारा वाक्य में कार्य- कारण का बोध स्पष्ट होता है। जैसे:-

तेज बरसात हो रही थी इसलिए बच्चे स्कूल नहीं गए।

चूँकि रजत बीमार था इसलिए कार्यालय नहीं आया।

मैं परीक्षा नहीं दे पाया क्योंकि तैयारी नहीं हो पाई थी।

वह इसलिए आया है कि उसे रुपयों की जरूरत है।

(ग) **कि** - **"कि"** के अन्य प्रयोग पाठ 12 में देखें।

(घ) न केवल .... बल्कि Not only .... but also

न सिर्फ .... बल्कि

उसने न सिर्फ बच्चों को कहानी सुनाई बल्कि मिठाई भी दी।

He not only told story to the children but also gave them sweets.

(ङ.) (i) **ऐसा .... कि** (कारण बोधक के रूप में "कि" का प्रयोग)

उसने ऐसा डाँटा कि बच्चा रोने लगा।

He scolded in such a manner that child started crying.

(ii) ऐसे बोल रहा था जैसे वह सब जानता है।

He was speaking as if he knows everything.

(iii) ऐसे बोल रहा था मानो वह सब जानता है।

He was speaking as though he knows everything.

(च) **"के बावजूद"** (inspite of) का प्रयोग पाठ-8 में देखें।

मौखिक अभ्यास

दोहरा स्थानापत्ति अभ्यास

1. यद्यपि आज <u>सोमवार</u> का दिन था फिर भी मैं <u>कार्यालय</u> नहीं गया।

छुट्टी	घूमने
बारिश	छाता लेकर
वेतन	बैंक

2. न केवल उन्होंने <u>कार</u> खरीदी बल्कि <u>ए०सी०</u> भी खरीदा।

स्कूटर	मोटर साइकिल
मोबाइल	घड़ी
किताबें	पेन
अखबार	पत्रिका

3. चूँकि <u>आवेदन-पत्र</u> विधिवत् नहीं भेजा गया था इसलिए उस पर <u>विचार</u> नहीं हुआ।

रिपोर्ट	कार्रवाई
विवरणियाँ	चर्चा
वित्तीय लेखा	की परीक्षा
प्रस्ताव	विचार
सिफारिश	अनुपालन

4. हालाँकि श्याम <u>देर तक</u> काम करता है फिर भी <u>काम पूरा</u> नहीं कर पाता।

घंटों	रिपोर्ट पूरी नहीं करना।
बहुत मेहनत से	काम बकाया रहना।
लगन से	अपने अधिकारियों को संतुष्ट न कर पाना।
तेज	आवतियों का निपटान न कर पाना।

रूपांतरण अभ्यास

नमूना: आपको चर्चा के साथ-साथ टिप्पणी भी बनानी चाहिए।

आपको न केवल चर्चा करनी चाहिए बल्कि टिप्पणी भी बनानी चाहिए।

1. श्री दास को अभ्यावेदन देने के साथ-साथ अवर सचिव से मिलना भी चाहिए।
2. मरीज़ को दवाई सेवन के साथ-साथ आराम भी करना चाहिए।
3. महिलाएँ दफ्तर में काम करने के साथ-साथ घर भी संभालती हैं।
4. खिलाड़ी खेलने के साथ-साथ विज्ञापन भी करते हैं ।
5. हेमा फिल्मों में काम करने के साथ-साथ भरतनाट्यम नृत्य भी करती है।

नमूना : हालाँकि चीजें सस्ती थीं फिर भी हमने खरीददारी नहीं की।

चीजें सस्ती होने के बावजूद हमने खरीददारी नहीं की।

1. हालाँकि उसका कार्यालय घर के नजदीक है फिर भी वह समय पर उपस्थित नहीं होता।
2. हालाँकि मेरे पास समय कम है फिर भी मैं साहित्यिक किताबें पढ़ता हूँ।
3. हालाँकि सचिव प्रस्ताव से सहमत थे फिर भी वित्त मंत्रालय से अनुमोदन नहीं मिला। (सचिव के)
4. हालाँकि उसने बहुत काम किया फिर भी उसे मानदेय नहीं मिला। (उसके)
5. हालाँकि श्री रमेश वरिष्ठ थे फिर भी उन्हें पदोन्नति नहीं मिली। (रमेश के)

नमूना : उच्च शिक्षा प्राप्त करने पर भी उसे नौकरी नहीं मिली।

यद्यपि उसने उच्च शिक्षा प्राप्त की फिर भी उसे नौकरी नहीं मिली।

1. पर्याप्त समय होने पर भी उन्होंने पुस्तक की समीक्षा नहीं की।
2. छुट्टी बकाया होने पर भी टंकक बिना आवेदन दिए छुट्टी पर चला गया।
3. मेहनत करने पर भी शिवा कक्षा में प्रथम नहीं आया।

4. पारपत्र तैयार होने पर भी सचिव को वीज़ा नहीं मिला।

5. वादा करने पर भी नेता ने जनता की माँग पूरी नहीं की।

संवाद

प्रशिक्षार्थी वाक्य संयोजकों का प्रयोग करते हुए किसी मेले या प्रदर्शनी के संबंध में बातचीत करें।

पाठ - 18

इंफाल की यादें

लग-चुक क्रियाएँ
जाने वाला

आज शाम को दफ्तर से घर पहुँचा ही था कि पत्नी ने एक पत्र पकड़ा दिया। आज के मोबाइल, फैक्स और ई-मेल के युग में "पत्र" का आना किसी आश्चर्य से कम नहीं था। आजकल तो शुभकामना के पत्र भेजना भी लोग भूल चुके हैं। नए साल, होली, दीवाली, पोंगल आदि के शुभकामना संदेश टेलीफोन व ई-मेल के द्वारा भेजे जाने लगे हैं।

पत्र हाथ में लिया ही था कि मेरी नजर इंफाल के डाकखाने की मुहर पर पड़ी। उसे देखकर वर्ष 1981 से 1984 के दौरान इंफाल में बिताए दिन चलचित्र की भाँति मेरी आँखों के सामने घूमने लगे। ऐसा लगा कि 21 साल पहले का लोखन सिंह मेरे सामने आकर खड़ा हो गया है।

मणिपुर स्थित जनगणना परिचालन निदेशालय में अनुवादक के पद पर मेरी पहली नौकरी लगी थी। लगभग मेरे साथ-साथ लोखन सिंह की भी नियुक्ति अवर श्रेणी लिपिक के पद पर हुई थी। लोखन का घर इंफाल से लगभग 26 कि०मी० दूर बिशनपुर में था। सामान्य सा चेहरा, खालिस मणिपुरी नैन नक्श, मजबूत शरीर वाला लोखन सिंह सामान्य मैतेयी से कुछ अलग ही लगता था। उसकी उन्मुक्त हँसी एवं निश्चल व्यवहार से मैं उसकी ओर खिंचने लगा था और हमारी दोस्ती धीरे-धीरे गहरी होने लगी थी। हम दोनों घंटों बैठकर विभिन्न विषयों पर चर्चा करते। हालाँकि मैतेई बड़े अंतर्मुखी स्वभाव के होते हैं, मयांग (परदेशी) से वे घुलना-मिलना पसंद नहीं करते, फिर भी वे अतिथि का बहुत सम्मान करते हैं। उनके लिए किसी को अपने घर बुलाना संभवत: उसका सबसे बड़ा सम्मान होता है। एक दिन लोखन सिंह ने मुझे अपने घर खाने पर बुलाया। निमंत्रण पाकर मैं बहुत प्रसन्न हुआ।

अगले दिन सुबह मैं बस अड्डे पहुँचा। वहाँ चूड़ाचाँदपुर जाने वाली बस लग चुकी थी। यह बस बिशनपुर होकर जाने वाली थी। बिशनपुर पहुँचने में लगभग एक घंटे का समय लगता है । मैं बस में बैठे-बैठे उसके घर के बारे में सोचने लगा कि मेरी आँख लग गई। बस से उतरते ही लोखन सिंह हाथ हिलाकर मुझे बुलाने लगा। हम दोनों घर पहुँचे ही थे कि उसके पिताजी घर के बाहर आ गए। लोखन उनसे मेरा परिचय कराने लगा। मैंने खुर्रमजरी (नमस्कार) कहकर उनका अभिवादन किया।

उसके पिताजी शिक्षक के पद से सेवानिवृत्त हो चुके थे। उसकी बहन ने पढ़ाई पूरी कर ली थी और उसकी नौकरी लग चुकी थी।

खपरैल से बना उनका घर, विशिष्ट मणिपुरी संस्कृति की झलक दे रहा था। घर के पीछे का पोखर कमल के फूलों से भरा हुआ था। बाँस के फर्नीचर से सुसज्जित बैठक में मेज पर भोजन लग चुका था। खाने में कई प्रकार की चटनियाँ थीं, उनमें इरोम्बा बहुत स्वादिष्ट थी। पपीते व केले की सब्जी तो मैं पहले भी खा चुका था पर बंबू (बाँस) की सब्जी व बाँस का अचार मैंने पहली बार खाया था। खाना बहुत स्वादिष्ट था। खाने के बाद हम बातें करने लगे, शाम हो चुकी थी, सूरज ढ़लने लगा था। मैं वापस लौटने ही वाला था, तभी उसके पिताजी ने अपने हाथ से बनाई बंबू की टोकरी और उसकी बहन ने मणिपुरी शाल व चादर मुझे उपहार में दी। प्रेम के प्रतीक यह उपहार आज भी मेरे लिए बेहद कीमती हैं। वापसी में उन्होंने मुझसे लोखटक झील चलने को कहा। चूँकि वह स्थान मेरा पहले ही देखा हुआ था, इसलिए मैं वहाँ नहीं गया।

उन दिनों कार्यालय सप्ताह में छह दिन लगता था। कार्यालय समय भी प्रात: 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक था। प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को छुट्टी होती थी। छुट्टी के दिन आस-पास घूमना बहुत अच्छा लगता था। इंफाल में भी बहुमंजिली इमारतें, कार्यालयीन परिसर आदि बनाए जाने लगे थे। कुछ इमारतें बन चुकी थीं और कुछ बन रही थीं। पाओना बाज़ार के पास बी. टी. रोड पर क्रीड़ा परिसर का निर्माण होने लगा था।

पत्र में उसने मुझे सपरिवार इंफाल में आने के लिए आमंत्रित किया था। पत्र को पढ़ते ही लोखन सिंह से मिलने की इच्छा प्रबल होने लगी। मैं परिवार सहित इंफाल जाने का कार्यक्रम बनाने लगा।

शब्दार्थ

आश्चर्य	surprise	हालाँकि	although
शुभकामनाएँ	greetings	अंतमुर्खी	introvert
डाकखाना	post office	संभवत:	probable
मुहर	stamp	निमंत्रण	invitation
चलचित्र	cinema/film	सेवानिवृत्त	retired
नैन-नक्श	features	पोखर	pond
उन्मुक्त	free	सूरज ढलना	sunset
निश्चल	without any malice	प्रबल इच्छा	keen desire

जनगणना परिचालन निदेशालय Directorate of census operations

पर्यायवाची शब्द

आश्चर्य	=	अचंभा	व्यवहार	=	आचरण
नजर	=	दृष्टि	दोस्ती	=	मित्रता
उन्मुक्त	=	स्वछंद	उपहार	=	भेंट
निमंत्रण	=	आमंत्रण	अतिथि	=	मेहमान

विलोम शब्द

भूलना	x	याद करना	गहरा	x	उथला
सामान्य	x	विशेष	सम्मान	x	अपमान
देशी	x	परदेशी	उदय	x	अस्त

बोध प्रश्न

1. लेखक को किसका पत्र प्राप्त हुआ?
2. लेखक की आँखों के आगे क्या घूमने लगा?
3. लोखन सिंह का घर कहाँ था ?
4. इरोम्बा क्या होता है ?
5. लेखक को उपहार में क्या दिया गया?

सांस्कृतिक टिप्पणी

मणिपुर में बाँस से बनी वस्तुएँ बहुत प्रचलित हैं। बाँस की कला-कृतियाँ, बाँस के खाद्य; व्यंजन, चटनी, मुरब्बा आदि बहुत लोकप्रिय हैं। मणिपुर में कुटीर उद्योग के रूप में कपड़ा बुनना घर-घर में प्रचलित है। लड़कियाँ अपने पहनने के कपड़े, चादर, ऊनी शॉल आदि स्वयं घर में बुनती हैं।

व्याकरणिक टिप्पणी

"लग" और "चुक" दोनों संयुक्त क्रियाएँ हैं। **"लगना"** क्रिया का आरंभ होना दिखाती है जबकि **"चुकना"** कार्य पूर्णता का बोध कराती है। जैसे:-

1. आजकल लोग मॉल से खरीददारी करने लगे हैं ।
2. मैं विदेश घूम चुका हूँ ।

"कि" का प्रयोग योजक के रूप में किया जाता है जैसे- मैं घर से निकला ही था कि बारिश होने लगी। अंग्रेजी में इसे that से अभिव्यक्त किया जाता है।

3. **"पत्र हाथ में लिया था कि"** को इस प्रकार अभिव्यक्त किया जा सकता है :-

“पत्र हाथ में लेते ही” - As soon as I got the letter.

बाहर निकले ही थे कि बारिश होने लगी। - As soon as we came out, it started raining.

4. **नौकरी लगना** - to get employment.

जनगणना निदेशालय में उसकी नौकरी लग चुकी थी।

बस लग चुकी थी - Bus was ready to start.

आज बहुत अच्छी चीज हाथ लग गई - Today I got a very good thing.

वह लौटने ही वाला था - He was about to return.

"लग" **क्रिया के कुछ विशिष्ट प्रयोग-** बात लगना, लू लगना, ताला लगना, बर्तन में दूध लगना, नजर लगना, आँख लगना, हाथ लगना, नुमाइश लगना, बोली लगना, बटन लगना आदि ।

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति

1. राजधानी ट्रेन एक नंबर प्लेटफार्म से छूटने वाली है।

   (जाना, चलना, रवाना होना, निकलना)

2. अध्यापक के आते ही विद्यार्थी खड़े हो गए।

   (पहुँचते, प्रवेश करते, उठते, देखते, जाते)

3. सब्जीवाला रोज सुबह आता है।

   (फलवाला, दूधवाला, अखबारवाला)

4. बारिश रुकते ही लोग घर जाने लगे।

   (टहलना, घूमना, चलना)

दोहरा स्थानापत्ति अभ्यास

1. उसके माथे पर तिलक लगा है।

दुकान	बोर्ड
खिड़की	काँच
पेड़	आम
किताब	निशान
चोट	दवा

2. कार्यालय में नई नियुक्तियाँ हो चुकी हैं।

बैठक में	इस प्रस्ताव पर चर्चा होना
समारोह में	अतिथि आना
नए सत्र में	प्रशिक्षार्थी प्रविष्ट होना
उद्यान में	वृक्षारोपण होना
विश्वविद्यालय में	नए विषय आरंभ होना

रूपांतरण

नमूना: एशियाड खेलों के आयोजन में करोड़ों रुपए खर्च हुए।

एशियाड खेलों के आयोजन में करोड़ों रुपए लगे।

1. कुतुबमीनार का निर्माण कई वर्षों में हुआ।
2. कॉमन वेल्थ खेलों में बहुत पैसा खर्च होगा।
3. इस पाठ्यक्रम का निर्माण दो वर्ष में हुआ।
4. ताजमहल का निर्माण 22 वर्षों में हुआ।
5. मैट्रो के निर्माण में काफी पैसा खर्च हुआ होगा।

नमूना: वे शादी की सारी तैयारी कर चुके हैं।

शादी की सारी तैयारी की जा चुकी हैं।

1. हम गोवा जाने के लिए रेल में आरक्षण करवा चुके हैं।
2. आवती लिपिक केंद्रीय रजिस्ट्री से सारे पत्र भेज चुका होगा।
3. प्राध्यापक परीक्षा से पहले पाठ्यक्रम पूरा पढ़ा चुके हैं।
4. स्टोर कीपर कार्यालय के लिए लेखन सामग्री खरीद चुका है।
5. हम अधीनस्थ कार्यालयों से सूचनाएँ मँगवा चुके हैं।

नमूना के अनुसार विलोम शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए।

नमूना

आजकल मुझे कई बातें याद नहीं रहतीं क्योंकि मैं बहुत जल्दी.............जाता हूँ।

आजकल मुझे कई बातें याद नहीं रहतीं क्योंकि मैं बहुत जल्दी भूल जाता हूँ।

1. महात्मा गांधी की गिनती सामान्य व्यक्तियों में नहीं .... होती है।
2. परीक्षा में हमेशा कठिन प्रश्न ही नहीं कभी-कभी ....भी पूछ जाते हैं।
3. घी सर्दियों में जम जाता है और गर्मियों में .... जाता है।

4. <u>विदेश</u> में रहने पर .... के प्रति प्रेम बढ़ जाता है।

5. सूर्य पूर्व में <u>उदय</u> और पश्चिम में .... होता है।

नमूना : शीतकालीन संसद सत्र प्रारंभ हो रहा है।

शीतकालीन संसद सत्र प्रारंभ होने वाला है।

1. चुनाव के कारण बोर्ड की परीक्षाएँ फरवरी में शुरू हो रही हैं।
2. इस माह गोवा में अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह शुरू हो रहा है।
3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक की तैयारी शुरू हो रही है।
4. विश्व हिंदी सम्मेलन इस वर्ष न्यूयार्क में हो रहा है।
5. पत्राचार पाठ्यक्रम का नया सत्र जुलाई से आरंभ हो रहा है।

नमूने के अनुसार बदलें।

नमूना : बस आ गई?

नहीं, बस आने ही वाली है।

1. वे लोग जा चुके हैं?
2. तुम्हें तनख्वाह मिल गई?
3. परीक्षा परिणाम निकल गया?
4. उसने खाना खा लिया?
5. आपने बिजली का बिल भर दिया?

संवाद

दो मित्र आपस में बहुत दिन बाद मिले हैं। गाँव का मित्र, शहर के मित्र से मिल कर गाँव में हुई प्रगति के संबंध में बातचीत करें। जिसमें लग, चुक क्रियाओं का विशिष्ट प्रयोग किया जाए। (सड़क बन चुकी, दवाखाना, स्कूल, पुलिस चौकी, कॉलेज बन चुके, बिजली लग चुकी आदि।)

पाठ - 19

समापन समारोह

अगर.......होता
मैं कैसे जाता?

रमेश : बधाई, सुना है इस बार हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह का आयोजन बहुत ही अच्छा रहा।

दिनेश : हाँ, सभी लोगों के सतत सहयोग से यह कार्यक्रम सफल रहा। इस बार लोग भी अधिक संख्या में उपस्थित थे। पूरा हॉल खचाखच भरा हुआ था। हाँ, यह बताओ कि तुम समारोह में क्यों नहीं आए? क्या निमंत्रण पत्र समय पर नहीं मिला?

रमेश : इस बार निमंत्रण पत्र तो काफी पहले मिल गया था लेकिन वायरल होने के कारण मैं चाह कर भी नहीं आ पाया। बीमारी में कैसे आता।

दिनेश : काश, तुम आ जाते क्योंकि इस बार कार्यक्रम बहुत अच्छा था। हर कार्यक्रम निदेशक महोदया के निदेशन में हुआ। मैं सोचता हूँ अगर वे व्यक्तिगत रुचि न लेतीं तो शायद कार्यक्रम इतना सफल न होता।

रमेश : अस्वस्थता के बावजूद भी मैंने तुम्हारे कार्यक्रम का कुछ अंश दूरदर्शन पर देखा है। भई! सांस्कृतिक कार्यक्रम तो काफी रंगारंग लग रहा था।

दिनेश : हाँ, मैं सोचता हूँ कि इस बार समारोह का मुख्य आर्कषण रहा- उसका सांस्कृतिक कार्यक्रम। गीत एवं नाटक प्रभाग के कलाकारों की प्रस्तुति ने तो कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। मणिपुरी रास की छटा देखते ही बनती थी।

रमेश : गरबा नृत्य ने भी गुजरात की संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की और हिंदी गीत से कार्यक्रम की सार्थकता सिद्ध हो गई।

दिनेश : क्या तुमने अखबारों में हमारे कार्यक्रम के बारे में प्रतिक्रिया देखी?

रमेश : हाँ, इस बार दो तीन अखबारों ने कार्यक्रम की विस्तृत रिर्पोर्ट दी। अगर इसमें कुछ फोटो भी प्रकाशित होते तो अच्छा रहता।

दिनेश : लगता है कि तुमने "जन जागरण" नहीं देखा। उसमें तो फोटो भी छापे गए थे।

रमेश : नहीं, मैं कहाँ से देखता। मेरे घर तो यह अखबार आता ही नहीं। कार्यक्रम में उद्घोषक का मंच संचालन कैसा रहा?

दिनेश : मंच संचालन अच्छा था लेकिन पुरस्कार विजेता अधिक हो गए क्योंकि दो प्रतियोगिताएँ इस बार अधिक करवाई गई थीं।

रमेश : तब तो पुरस्कार वितरण में काफी समय लग गया होगा?

दिनेश : हाँ, इस कारण निदेशक महोदया द्वारा कार्यालय की उपलब्धियों के विवरण के प्रस्तुतीकरण में समय का अभाव कुछ खटक रहा था। अगर अधिक समय मिलता तो ज्यादा अच्छा रहता।

रमेंश : मैं सोचता हूँ कि अगर कार्यक्रम में उपस्थित रहता तो विशिष्ट अतिथि का पूरा भाषण सुन पाता। इस बार अखबारों में उनके भाषण की काफी प्रशंसा हुई है।

दिनेश : हाँ, विशिष्ट अतिथि ने विश्व में हिंदी के बढ़ते महत्व पर चर्चा कर उसकी विशिष्टता सिद्ध की। उन्होंने कहा कि हिंदी विश्व की एक महत्वपूर्ण भाषा है। हिंदी को बोलने और समझने वाले लोग विश्व में हर जगह मौजूद हैं। विश्व भाषा के रूप में हिंदी के विकास, प्रचार तथा प्रसार के लिए हमें हर संभव प्रयास करना होगा। उनके वक्तव्य की सभी श्रोताओं ने करतल ध्वनि से सराहना की।

अंत में जलपान के साथ ही समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शब्दार्थ

आयोजन करना	to organise	छटा	beauty
समापन समारोह	closing ceremony	जीवंत झलक	live glimpse
सहयोग	co-operation	प्रतिक्रिया	reaction
खचाखच भरा होना	jam packed	विस्तृत रिपोर्ट	detailed report
निमंत्रण	invitation	उद्घोषक	announcer
बीमारी/अस्वस्थता	sickness/illness	मंच संचालन	anchoring
निदेशन	direction	पुरस्कार विजेता	prize winner
व्यक्तिगत रुचि	personal interest	वितरण	distribution
सांस्कृतिक कार्यक्रम	cultural programme	उपलब्धि	achievement
रंगारंग	entertaining	विशिष्ट अतिथि	chief guest
गीत एवं नाटक	song and drama	वक्तव्य	speech
प्रभाग	division	करतल ध्वनि	clapping
कलाकार	artist	श्रोता	audience
प्रस्तुति/प्रस्तुतीकरण	presentation		

पर्यायवाची शब्द

उपस्थित	=	मौजूद	सार्थकता	=	उपयोगिता
बीमारी	=	अस्वस्थता	पुरस्कार	=	इनाम
रंगारंग	=	मनोरंजक	अतिथि	=	मेहमान

विकास = उन्नति

विलोम शब्द

समापन	x	उद्घाटन	रुचि	x	अरुचि
सहयोग	x	असहयोग	आकर्षण	x	विकर्षण
उपस्थित	x	अनुपस्थित	विस्तृत	x	संक्षिप्त
स्वस्थ	x	अस्वस्थ	श्रोता	x	वक्ता

बोध प्रश्न

1. इस बार समारोह की सफलता का क्या कारण था?
2. समारोह का मुख्य आकर्षण क्या था?
3. इस बार अखबारों में किसके भाषण की प्रशंसा हुई?
4. क्या कार्यक्रम की प्रस्तुति दूरदर्शन पर हुई?
5. विशिष्ट अतिथि ने अपने भाषण में हिंदी की विशिष्टता को किन शब्दों में सिद्ध किया?

व्याकरणिक टिप्पणी

हेतु हेतुमद् भूत [Conditional past tense]

1. <u>अगर</u> मैं दफ्तर जाता तो काम पूरा हो जाता।
   had I gone to office, the work would have been completed.
2. क्या ही अच्छा होता अगर फिल्म की टिकट मिल जाती।
   How nice it would have been if tickets have been available.
3. The underlined clause can be replaced by the word **"काश"**
   काश! फिल्म की टिकट मिल जाती।
   काश! तुम आ जाते।
   काश! कल ही तुम्हारी चिट्ठी मिल जाती।

सांस्कृतिक टिप्पणी

मणिपुरी रास- इसमें भगवान कृष्ण की लीलाओं को मणिपुरी नृत्य के माध्यम से दिखाया जाता है।

गरबा नृत्य - गुजरात का प्रसिद्ध लोक नृत्य जोकि समूह में किया जाता है।

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति

1. <u>बैठक</u> कार्यदिवस में होती तो सभी सदस्य आते।
   (सम्मेलन, मैच, प्रतियोगिता, चुनाव)
2. आयोजन <u>छोटे हॉल</u> में होता तो अच्छा रहता।
   (समिति कक्ष, खुले मैदान, सम्मेलन कक्ष, बड़े हॉल)
3. वक्ता संगोष्ठी में <u>निर्धारित समय</u> तक बोलते तो अच्छा रहता।
   (सीमित समय, कम समय, दिए गए समय)
4. संगोष्ठी के बारे में <u>अखबार</u> में चर्चा कम हुई।
   (टी.वी., रेडियो, पत्रिका, आपस में)
5. आपने <u>कहा</u> होता तो वे आते।
   (बुलाना, निमंत्रण देना, पत्र भेजना, फोन करना)

रूपांतरण अभ्यास

नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना:- मैंने तैयारी नहीं की इसलिए पास नहीं हुआ।

मैं तैयारी करता तो पास हो जाता।

1. छुट्टी नहीं मिली इसलिए मैं तुम्हारे घर नहीं आया।
2. ऋण नहीं मिला इसलिए उन्होंने मकान नहीं बनवाया।
3. सूचना नहीं मिली, इसलिए उसने खबर नहीं भेजी।
4. बोनस नहीं मिला इसलिए आप कोलकाता नहीं आए।
5. फाइल नहीं आई इसलिए मैंने आपके संबंध में बात नहीं की।

नमूना : तुम नहीं जाओगे। राम नहीं आएगा।

तुम्हारे न जाने से राम नहीं आएगा।

1. निमंत्रण नहीं मिलेगा। सरोज नहीं जाएगी।
2. अनुमति नहीं मिलेगी। तुमको ऋण नहीं मिलेगा।
3. आरक्षण नहीं मिलेगा। मैं दौरे पर नहीं जाऊँगा।
4. आपसी संबंध बढ़ेगा। सद्भावना मजबूत होगी।
5. रेलों की संख्या बढ़ेगी। यात्रा सुखद होगी।

कोष्ठक में दिए गए संकेतों के आधार पर उत्तर दीजिए।

नमूना : आप अधिकारी से क्यों नहीं मिले? (समय न मिलना)

समय न मिलने के कारण मैं अधिकारी से नहीं मिला।

1. आपके बेटे की शादी क्यों नहीं हुई? (ऋण न मिलना)
2. आप इस वर्ष परीक्षा में क्यों नहीं बैठे? (अनुमति न मिलना)
3. आपको रुपयों की जरूरत क्यों पड़ेगी? (माँ का इलाज)
4. आप निदेशक से क्यों नहीं मिलीं? (निदेशक का दौरे पर जाना)
5. दफ्तर में नई नियुक्तियाँ क्यों नहीं हुईं? (वित्त मंत्रालय का अनुमोदन न मिलना)

रूपांतरण

नमूना : मैं स्कूटर का भाड़ा कैसे देता? (खुले पैसे)

अगर खुले पैसे होते तो देता।

1. वह पहचान-पत्र कैसे बनवाता? (फोटो)
2. बच्चे अध्ययन कैसे करते? (पुस्तक)
3. टंकक मसौदा टंकित कैसे करता? (कंप्यूटर)
4. माताजी खाना कैसे बनाती? (सब्जी)
5. ऋतु दौरे पर कैसे जाती? (अनुमति)

रिक्त स्थान भरिए।

(प्रवीण, छाता, सब्जी, ऋण, फिल्म)

1. बारिश होती तो वह ....ले जाता।
2. बाज़ार जाती तो लक्ष्मी..................ले आती।
3. टिकट मिलता तो वह.....................देख आता।
4. ....मिलने पर मैं मकान बनवाता।
5. मैं.......................में पास होता तो प्राज्ञ में दाखिला मिल जाता।

संवाद

प्रशिक्षार्थी यह कल्पना करें कि अगर वे प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक आदि होते तो क्या करते? परस्पर विचार विमर्श करें।

पाठ - 20

संभाव्य भविष्यत काल

परीक्षा

जब रियासत देवगढ़ के दीवान सरदार सुजानसिंह बूढ़े हुए तो जाकर महाराज से विनय की "दीनबंधु, दास ने श्रीमान की सेवा चालीस साल तक की। अब मेरी अवस्था ढल गई है, राजकाज सँभालने की शक्ति नहीं रही। कहीं भूल-चूक हो जाए तो बुढ़ापे में दाग लगे।"

राजा साहब अपने नीतिकुशल दीवान का बड़ा आदर करते थे। उन्होंने दीवान साहब को बहुत समझाया, लेकिन जब दीवान साहब न माने तो हारकर उनकी प्रार्थना स्वीकार कर ली, पर शर्त यह लगा दी कि रियासत के लिए नया दीवान आप ही को खोजना पड़ेगा।

दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध समाचार पत्रों में यह विज्ञापन निकाला गया कि देवगढ़ के लिए एक सुयोग्य दीवान की जरूरत है। जो सज्जन स्वयं को इस पद के योग्य समझें वे वर्तमान दीवान सरदार सुजानसिंह से संपर्क करें। यह जरूरी नहीं है कि वे ग्रेजुएट हों, मगर स्वास्थ्य अच्छा होना चाहिए। एक महीने तक उम्मीदवारों के रहन-सहन, आचार-विचार की परख की जाएगी। विद्या पर कम परंतु कर्तव्य पालन पर अधिक विचार किया जाएगा। जो महाशय इस परीक्षा में पूरे सफल होंगे वे इस पद पर नियुक्त किए जाएंगे ।

इस विज्ञापन ने सारे मुल्क में हलचल मचा दी। ऐसा ऊँचा पद और किसी प्रकार का बंधन नहीं। सैकड़ों आदमी अपना-अपना भाग्य आजमाने के लिए चल पड़े।

सरदार सुजानसिंह ने इन महानुभावों के आदर-सत्कार का बड़ा अच्छा प्रबंध किया था। हर व्यक्ति अपने जीवन को अपनी बुद्धि के अनुसार अच्छे रूप में दिखाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन मनुष्यों का वह बूढ़ा जौहरी सुजानसिंह आड़ में बैठा हुआ देख रहा था कि इन बगुलों में हंस कहाँ छिपा है।

एक दिन युवकों ने हॉकी के खेल का आयोजन किया। खेल बड़े उत्साह से चल रहा था। वे लोग जब गेंद को लेकर तेज़ी से उड़ते तो बढ़ती हुई लहर को दूसरे लोग इस तरह रोक लेते थे कि मानो लोहे की दीवार हो।

संध्या तक यही धूमधाम रही। लोग पसीने से तर हो गए। हाँफते-हाँफते खिलाड़ी बेदम हो गए, लेकिन हार-जीत का निर्णय न हो सका। अँधेरा हो गया था।

इस मैदान से जरा दूर हटकर एक नाला था। उस पर कोई पुल न था, आने-जाने वाले लोगों को नाले में से चलकर आना पड़ता था। खेल अभी बंद ही हुआ था और लोग

दम ले रहे थे कि एक किसान अनाज से भरी हुई गाड़ी लिए उस नाले पर आया। लेकिन कुछ तो नाले में कीचड़ था और कुछ उसकी चढ़ाई इतनी ऊँची थी कि गाड़ी ऊपर नहीं चढ़ सकती थी। वह कभी बैलों को ललकारता, कभी पहियों को हाथ से धकेलता, लेकिन बोझ अधिक था और बैल कमजोर। गाड़ी ऊपर न चढ़ती और चढ़ती भी तो कुछ दूर चढ़कर फिर खिसककर नीचे पहुँच जाती। किसान बार-बार जोर लगाता और बार-बार झुँझलाकर बैलों को मारता, लेकिन गाड़ी आगे बढ़ने का नाम न लेती। बेचारा किसान हताश होकर इधर-उधर देख रहा था मगर वहाँ कोई नजर नहीं आया। गाड़ी को अकेले छोड़कर कहीं जा भी न सकता था। बड़ी विपत्ति में फँसा हुआ था। इसी बीच खिलाड़ी हाथों में हॉकी लिए घूमते हुए उधर से निकले। किसान ने उनकी तरफ सहमी हुई आँखों से देखा, परंतु किसी से मदद माँगने का साहस न हुआ। खिलाड़ियों ने भी उसको देखा मगर बंद आँखों से।

उसी समूह में एक ऐसा व्यक्ति था, जिसके हृदय में दया थी और साहस था। आज हॉकी खेलते हुए उसके पैरों में चोट लग गई थी। वह लँगड़ाता हुआ धीरे-धीरे चला आ रहा था। अकस्मात उसकी निगाह गाड़ी पर पड़ी। वह रुक गया। किसान की सूरत देखते ही वह सब समझ गया। उसने हॉकी एक किनारे रख दी, कोट उतारा और किसान के पास जाकर बोला, "मैं तुम्हारी गाड़ी निकाल दूँ?"

किसान ने देखा, एक स्वस्थ बदन वाला लंबा आदमी सामने खड़ा है। झुककर बोला, "हुजूर मैं आपसे कैसे कहूँ?”

युवक ने कहा, "मालूम होता है, तुम यहाँ बड़ी देर से फँसे हुए हो। अच्छा, तुम गाड़ी पर जाकर बैलों को संभालो, मैं पहियों को धकेलता हूँ, अभी गाड़ी ऊपर चढ़ जाएगी।"

किसान गाड़ी पर जा बैठा। युवक ने पहियों को जोर लगाकर उठाया । कीचड़ बहुत ज्यादा था। वह घुटने तक जमीन में गड़ गया, लेकिन हिम्मत न हारी। उसने फिर जोर लगाया, उधर किसान ने बैलों को ललकारा। बैलों को सहारा मिला, उन्होंने कंधे झुकाकर एक बार जोर लगाया तो गाड़ी नाले के ऊपर थी।

किसान युवक के सामने हाथ जोड़कर खड़ा हो गया। बोला "महाराज, आपने आज मुझे उबार लिया, नहीं तो सारी रात यहीं बैठना पड़ता।"

युवक ने हँसकर कहा, "अब आप मुझे क्या इनाम देंगे?" किसान ने गंभीर भाव से कहा, "नारायण चाहेंगे तो दीवानी आपको ही मिलेगी।"

महीना पूरा हुआ और चुनाव का दिन आ पहुँचा। उम्मीदवार प्रात:काल से अपनी-अपनी किस्मत का फैसला सुनने के लिए उत्सुक थे। दिन काटना पहाड़ हो गया। प्रत्येक

के चेहरे पर आशा और निराशा के रंग आते-जाते थे। नहीं मालूम, आज किसके नसीब जागेंगे ?

संध्या समय राजा साहब का दरबार सजाया गया। शहर के रईस, राज कर्मचारी, दरबारी तथा दीवानी के उम्मीदवारों के समूह सज-धज कर दरबार में पधारे। उम्मीदवारों के कलेजे धड़क रहे थे।

तब सरदार सुजानसिंह ने खड़े होकर कहा, "दीवानी के उम्मीदवार महाशयों, मैंने आप लोगों को जो कष्ट दिया है, उसके लिए मुझे क्षमा कीजिए। इस पद के लिए ऐसे पुरुष की आवश्यकता थी जिसके हृदय में दया हो और साथ-साथ आत्मबल। इस रियासत के सौभाग्य से हमको ऐसा पुरुष मिल गया है। ऐसे गुणवान संसार में बहुत कम हैं। मैं रियासत को पंडित जानकीनाथ-सा दीवान पाने पर बधाई देता हूँ।"

सरदार साहब ने फिर फ़रमाया, "आप लोगों को यह स्वीकार करने में कोई आपत्ति न होगी कि जो व्यक्ति स्वयं जख्मी होकर एक गरीब किसान की भरी हुई गाड़ी को दलदल से निकालकर नाले के ऊपर चढ़ा दे, उसके हृदय में साहस, आत्मबल और उदारता का वास है। ऐसा आदमी गरीबों को कभी न सताएगा। उसका संकल्प दृढ़ है, जो उसके चित्त को स्थिर रखेगा। वह चाहे धोखा खा जाए परंतु दया और धर्म से कभी न हटेगा।"

- प्रेमचंद

(मुंशी प्रेमचंद की मूल कहानी का संपादित रूप)

शब्दार्थ

रियासत	province	आदर सत्कार करना	hospitality
दीवान	minister	सहमी	frightened
विनय	request	चित्त	heart
अवस्था ढलना	getting old	उत्सुक	eager
नीतिकुशल	policy maker	नसीब	fortune
सुयोग्य	most eligible	सज-धज	well dressed
आचार-विचार	conduct	आत्मबल	willpower
परख करना	to judge	उदारता	generosity
विद्या	education	संकल्प	resolution
कर्तव्य	duty	दृढ़	firm
स्थिर	stable		

पर्यायवाची

किस्मत	=	भाग्य, नसीब	इनाम	=	पुरस्कार
हृदय	=	दिल	अकस्मात	=	अचानक
दया	=	रहम	उत्साह	=	जोश
बल	=	शक्ति, ताकत	विपत्ति	=	मुसीबत
बदन	=	शरीर, तन	सहानुभूति	=	हमदर्दी
दलदल	=	कीचड़	उम्मीदवार	=	प्रत्याशी

विलोम

आदर	x	अनादर	आना	x	जाना
कम	x	अधिक	रईस	x	गरीब
योग्य	x	अयोग्य	गुण	x	अवगुण
हार	x	जीत	दयालु	x	निर्दयी
आशा	x	निराशा	स्वस्थ	x	अस्वस्थ

बोध प्रश्न

1. दीवान सुजानसिंह ने महाराजा से क्या विनती की?
2. राजा साहब ने उनकी विनती किस शर्त पर स्वीकार की?
3. विज्ञापन से हलचल क्यों मच गई?
4. बूढ़ा जौहरी किसे कहा गया है और क्यों?
5. दीवान किसे चुना गया? उसमें क्या-क्या गुण थे?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति

1. क्यों न नेपाल में <u>काठमांडू</u> देखा जाए।
   (पोखरा, पशुपतिनाथ मंदिर, लुंबिनी शहर, कंचनजंघा पर्वत श्रृंखला)
2. कहीं <u>दफ्तर</u> पहुँचने में देर न हो जाए।
   (सिनेमा हॉल, स्टेशन, कॉलेज)
3. अतिथियों के <u>रहने</u> का प्रबंध किया जाए।
   (सोना, ठहरना, बैठना)
4. अब मैं <u>आपसे</u> क्या कहूँ?
   (वह, तुम, वे)
5. गौतम <u>गाना गाते हुए</u> दफ्तर गया।
   (नाश्ता खाते हुए, पान चबाते हुए, सिगरेट पीते हुए, बाज़ार होते हुए)

रूपांतरण

नमूना : तुम अस्पताल जाओ। तुम कार्यालय जाओ।

तुम अस्पताल जाते हुए कार्यालय जाओ।

1. आप काम करें। आप बातचीत न करें।
2. तुम चाय पियो। तुम अख़बार पढ़ो।
3. सहायक नियम देखे। वह मामले का निपटान करे।
4. बच्चे टी०वी० देखें। वे ख़ाना न खाएँ।
5. मैं टिप्पणी लिखता हूँ। मैं सुझाव भी देता हूँ।

नमूना : मुझे कार्यालय के पास का मकान चाहिए।

मुझे ऐसा मकान चाहिए जो कार्यालय के पास हो।

1. प्रधानाचार्य को तमिल जानने वाले अध्यापक की जरूरत है।
2. अवर सचिव अंग्रेजी-हिंदी जानने वाले निजी सचिव को नियुक्त करेंगे।
3. प्रशासन को कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारियों की आवश्यकता है।
4. उद्योगपतियों को कम ब्याज वाला दीर्घकालीन ऋण चाहिए।
5. अनुसंधान अधिकारी को अनुभवी सहायक चाहिए।

नमूना : वह ऐसे बोल रहा है जैसे सब जानता हो।

वह ऐसे बोल रहा था मानो सब जानता हो।

1. गोपाल अपने सहपाठियों को ऐसे समझाता है जैसे वह अध्यापक हो।
2. मीना अपने सहपाठियों से ऐसे बात करती है जैसे वह अधिकारी हो।
3. श्री गणेश ऐसे भाषण दे रहे थे जैसे वे कोई नेता हों।
4. वे ऐसा अभिनय करती हैं जैसे कि कोई अभिनेत्री हों।
5. बच्ची ऐसा नृत्य करती है जैसे कि कोई नृत्यांगना हो।

संवाद

"परीक्षा" कहानी में दीवान सुजानसिंह तथा पंडित जानकीनाथ के जिन गुणों से आप प्रभावित हैं, उनकी चर्चा करें।

मेरा अनुरोध है कि मेरा सुझाव है कि मैं चाहता हूँ कि मेरी इच्छा है कि मैं सोचता हूँ कि

पाठ - 21
बैठक का आयोजन

गुप्ता - सुंदरम जी, क्या अवर सचिव (प्रशि०) से नए पाठ्यक्रम से संबंधित फाइल लौट आई है।

सुंदरम - आप बैठिए, मैं फाइल देखकर बताता हूँ। मैं सोचता हूँ कि गणेशन जी को भी बुला लें?

(उसी समय गणेशन जी कमरे में प्रवेश करते हैं।)

गुप्ता - आइए, गणेशन जी। मैं अभी आपको बुलाने ही वाला था क्योंकि अवर सचिव (प्रशि0) से नया पाठ्यक्रम बनाने संबंधी मिसिल लौट आई है । वे चाहते हैं कि नया पाठ्यक्रम बनाने से पूर्व इस संबंध में एक बैठक बुला ली जाए ।

गणेशन - बैठक कब बुलानी है?

गुप्ता - इस माह के अंत में क्योंकि अगले माह के प्रथम सप्ताह में अवर सचिव सरकारी दौरे पर चेन्नै जा रहे हैं।

सुंदरम - समय तो बहुत कम है। बैठक से पूर्व समिति का गठन भी तो करना होगा।

गुप्ता - हाँ, समिति के गठन के संबंध में वे चाहते हैं कि समिति में 10-12 विभागीय सदस्य हों जिनमें एक-एक क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक एवं उप निदेशक भी शामिल हों।

गणेशन - मेरा सुझाव है कि इस समिति में कुछ बाहरी विषय विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाए।

गुप्ता - हाँ, यह ठीक है। उनके अनुभवों से हमें लाभ होगा।

सुंदरम - लगता है कि समिति के सदस्यों की संख्या 20-25 हो जाएगी।

गणेशन - गुप्ता जी, यह बैठक तो सचिव महोदय की अध्यक्षता में ही होगी न। अपने कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में यह नहीं हो सकेगी क्योंकि वहाँ मरम्मत का काम चल रहा है जो कि इस माह के अंत तक समाप्त हो पाएगा।

सुंदरम - ऐसी स्थिति में मेरा सुझाव है कि बैठक का आयोजन किसी अन्य सम्मेलन कक्ष में करने के लिए प्रशासनिक अधिकारी से चर्चा कर ली जाए ।

गुप्ता - सुझाव अच्छा है। समिति कक्ष के लिए आज ही प्रशासनिक अधिकारी को टिप्पणी भी भेजनी होगी। मेरा विचार है कि बैठक के लिए इस माह की पच्चीस तारीख ठीक रहेगी । मैं यह फाइल आपको भेज रहा हूँ। मैं चाहता हूँ कि बैठक में भाग लेने वाले सदस्यों की सूची तथा विचारणीय विषयों की कार्यसूची आज ही तैयार कर लें जिससे सभी सदस्यों को समय रहते सूचित किया जा सके।

सुंदरम - ठीक है। मैं शाम तक सदस्यों की सूची और कार्यसूची अनुमोदन के लिए आपके पास भेज देता हूँ।

गुप्ता - गणेशन जी, मैं चाहता हूँ कि आप प्रशासनिक अधिकारी से चर्चा कर टिप्पणी आज ही लिख दें ताकि सारी व्यवस्था यथासमय हो सके।

गणेशन - जी, मैं सम्मेलन कक्ष के लिए आज ही प्रशासनिक अधिकारी को टिप्पणी लिख देता हूँ और एक-दो दिन में पूरी कार्रवाई कर शीघ्र ही फाइल प्रस्तुत करता हूँ।

गुप्ता - ठीक है। मैं चाहता हूँ कि ये सभी कार्य यथाशीघ्र हो जाएं ।

गणेशन एवं सुंदरम- ठीक है।

शब्दार्थ

अवर सचिव	under secretary	सम्मेलन कक्ष	conference room
प्रशिक्षण	training	कार्यसूची	agenda
पाठ्यक्रम	course	अनुमोदन	approval
समिति का गठन	formation of committee	यथासमय	well in time
विभागीय	departmental	यथाशीघ्र	as soon as possible
क्षेत्रीय	regional	विशेषज्ञ	expert

शब्द अभ्यास

विभाग	विभागीय	अनुमान	अनुमानित
अनुमोदन	अनुमोदित	सूचना	सूचित
प्रशासन	प्रशासनिक	अध्यक्ष	अध्यक्षीय
विचार	विचारणीय	प्रारंभ	प्रारंभिक

पर्यायवाची शब्द

प्रसिद्ध	=	मशहूर	व्यवस्था	=	बंदोबस्त
फाइल	=	मिसिल	समाप्त	=	खत्म
शामिल करना	=	सम्मिलित करना	स्थिति	=	हालात

विलोम शब्द

प्रवेश	x	निकास	अंतिम	x	प्रारम्भिक
अंत	x	प्रारंभ	व्यवस्था	x	अव्यवस्था

बोध प्रश्न

1. कौन सी फाइल लौट आई है?
2. बैठक कब बुलाई जा रही है?
3. समिति में कितने सदस्य होंगे?
4. बैठक किसकी अध्यक्षता में होगी?
5. बैठक संबंधी कार्रवाई कौन कर रहे हैं?

व्याकरणिक टिप्पणी

(क) हिंदी में सुझाव, निदेश, आज्ञा, अनुमति, प्रार्थना, इच्छा, संभावना आदि के लिए संभाव्य भविष्यत काल का प्रयोग करते हैं। इन वाक्यों में क्रिया कर्ता के वचन के अनुसार परिवर्तित होती है, लिंग के अनुसार नहीं।

नमूना :-

मैं चाहता हूँ मेरा सुझाव है मैं चाहता हूँ मेरी इच्छा है मैं सोचता हूँ	कि	आप वहाँ जाएँ। वे वहाँ जाएँ। तुम वहाँ जाओ। हम वहाँ जाएँ। मैं वहाँ जाऊँ। वह वहाँ जाए।

(ख) ताकि का अर्थ अंग्रेजी में so that होता है।

नमूना :- बैठक की तिथि शीघ्र निश्चित करें ताकि समय से प्रबंध किया जा सके।

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

कोष्ठक के शब्दों को बदल कर वाक्य बनाइए।

1. मैं चाहता हूँ कि <u>आदेश</u> आज ही जारी कर दिया जाए।
   (परिपत्र, अनुदेश, कार्यालय ज्ञापन, पत्र)
2. मेरा अनुरोध है कि <u>चर्चा</u> शुरू की जाए।
   (बात, फिल्म, बैठक, समीक्षा)
3. मेरा सुझाव है कि मुरूगन को <u>स्थानांतरित</u> किया जाए।
   (निलंबित, प्रतिनियुक्त, कार्यमुक्त, पदोन्नत)
4. <u>फाइल का निपटान</u> शीघ्र करें ताकि सदस्यों को सूचना समय से दी जा सके।
   (कार्रवाई, विषय का निर्धारण, सम्मेलन कक्ष की व्यवस्था, सदस्यों का निर्धारण, बैठक की तिथि का निश्चय)

दोहरा स्थानापत्ति

कोष्ठक के शब्द को बदलिए और उसके अनुसार वाक्य बनाइए:-

1. इस <u>भवन</u> को <u>बना</u> दिया जाए ।

(दुकान)	(बंद करना)
(सड़क)	(साफ करना)
(पुरानी इमारत)	(गिराना)
(स्कूल)	(खोलना)

2. <u>मेरा</u> सुझाव है कि <u>दो अधिकारी भेजे</u> जाएँ ।

(उप सचिव)	(तीन सहायक स्थानांतरित करना)
(अवर सचिव)	(दैनिक वेतन पर एक कर्मचारी रखना)
(निदेशक)	(वरिष्ठ अधिकारी भेजना)
(संयुक्त निदेशक)	(दो आशुलिपिक प्रशिक्षण के लिए नामित करना)

रूपांतरण अभ्यास

नमूना - सभी अधीनस्थ कार्यालयों में यह आदेश भेजिए।

सभी अधीनस्थ कार्यालयों में यह आदेश भेजा जाए।

1. कार्यालय के प्रत्येक कर्मचारी को सूचना दीजिए।
2. यह संकल्प राजपत्र में प्रकाशित कीजिए।
3. श्री राकेश कुमार से स्पष्टीकरण माँगिए।
4. सार्वजनिक स्थान पर सिगरेट न पीजिए।
5. पत्राचार पाठयक्रम का विज्ञापन विभिन्न अखबारों में निकालिए।

नमूना :सचिव महोदय के लौटने पर मिसिल प्रस्तुत की जाए ।

सचिव महोदय के लौटने पर मिसिल प्रस्तुत की जा सकती है।

1. प्रतिनियुक्ति के संबंध में संयुक्त सचिव से चर्चा की जाए।
2. प्रशासनिक विभाग में दो स्थायी पद दिए जाएँ।
3. बैंक की दो शाखाएँ कोलकाता में खोली जाएँ।
4. प्रगति मैदान में प्रदर्शनी लगाई जाए।
5. वित्त अनुभाग से दो पद स्थानांतरित किए जाएँ।

कोष्ठक में दिए गए संकेत के आधार पर वाक्य बदलिए:-

1. राजेन्द्र जी की पदोन्नति हो गई है। (मैं चाहता हूँ कि)
2. बच्चे परीक्षा में पास हो गए हैं। (मेरी इच्छा है कि)
3. उप आयुक्त इस मामले पर विचार करेंगे। (मेरा अनुरोध है कि)
4. तदर्थ समिति अगले माह अपना कार्य आरंभ करेगी। (मेरा सुझाव है कि)
5. अधिकारी इस संबंध में पिछले कागज देखेंगी। (मैं चाहता हूँ कि)

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

1. मेरा सुझाव है कि इस संबंध में बैठक..।
2. मेरा ख्याल है कि आप सचिव से ....।
3. मेरा अनुमान है कि निदेशक कल बैठक में ....।
4. मैं समझता हूँ कि अब काम का बंटवारा.......................................।
5. मेरी इच्छा है कि बच्चे कल ताजमहल...।

संवाद

क्षेत्रीय कार्यालय के निरीक्षण के संबंध में बातचीत करें । संकेत- दौरा कार्यक्रम, कार्यालय में कार्य की स्थिति, कर्मचारियों की संख्या, कार्य की मात्रा, कार्य निष्पादन और अतिरिक्त स्टाफ की माँग - औचित्य सहित।

पाठ - 22
वार्षिक निरीक्षण

मैं सोचता हूँ
हो सकता है संभव है
कहीं ऐसा न हो

अवर सचिव: राघवन जी। अच्छा हुआ, आप स्वयं आ गए। मैं आपको बुलाने ही वाला था। कल उप सचिव के यहाँ सभी शाखा अधिकारियों की बैठक हुई थी। उसमें यह निर्णय लिया गया कि हर अनुभाग का वार्षिक निरीक्षण जल्दी ही किया जाए और बकाया काम को निपटाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएँ। निरीक्षण का कार्य तुरंत प्रारंभ किया जाएगा। हमारे अनुभागों के निरीक्षण की तिथि अभी निश्चित नहीं हुई है। हो सकता है कि अगले हफ्ते निरीक्षण हो जाए। पिछले वार्षिक निरीक्षण में आपके अनुभाग का निष्पादन अच्छा रहा है। मैं सोचता हूँ कि इस बार भी आपका निष्पादन अच्छा रहे।

राघवन : इसी के बारे में मैं आपसे चर्चा करना चाहता हूँ। आप जानते ही हैं कि अनुभाग में आजकल कार्य की मात्रा बहुत बढ़ गई है। आवतियों की संख्या दुगुनी हो गई है, किंतु कर्मचारियों की संख्या में उसी अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है। दो अतिरिक्त सहायकों की नियुक्ति का मामला टलता ही जा रहा है।

अवर सचिव :इसके लिए यह नहीं हो सकता कि वार्षिक निरीक्षण रोका जाए। आप तो अनुभाग अधिकारी हैं, आपको तो इसका हल निकाल लेना चाहिए।

राघवन :इस हफ्ते में दो दिन की छुट्टी पड़ती है। उन दो दिनों में कर्मचारियों को काम पर बुलाया जा सकता है और उनका समयोपरि भत्ता मंजूर किया जा सकता है।

अवर सचिव : राघवन जी, आप तो सरकार की नीति जानते ही हैं। समयोपरि भत्ता नहीं दिया जा सकता। हाँ, प्रतिपूरक छुट्टी दी जा सकती है।

राघवन : इससे समस्या का हल नहीं होता। उनकी छुट्टी के दिन बकाया काम फिर बढ़ जाएगा। इसलिए मेरा सुझाव है कि इस विशेष परिस्थिति में समयोपरि भत्ता मंजूर किया जा सकता है।

अवर सचिव : ख़ैर, ठीक है। और कुछ कहना चाहते हैं?

राघवन :जी हाँ, हमारे अनुभाग में श्रीमती सक्सेना अर्जित छुट्टी पर जाना चाहती हैं।

अवर सचिव: क्या उनकी छुट्टी रद्द नहीं की जा सकती? निरीक्षण के बाद उनकी अर्जित छुट्टी मंजूर कर देंगे।

राघवन : उन्हें तो बुलाया जा सकता है लेकिन कुमारी धनलक्ष्मी की छुट्टी तो स्थगित नहीं की जा सकती क्योंकि अगले महीने के प्रारंभ में उनकी शादी है। उन्हें चेन्नै जाना है।

अवर सचिव: ख़ैर, उनकी छुट्टी तो मंजूर की जा सकती है।

राघवन : एक और बात है, जिसकी आपसे चर्चा करना चाहता हूँ। वैसे सभी सहायकों के पास बकाया काम पड़ा है लेकिन कृष्णन की सीट पर बकाया काम की मात्रा अधिक है। उनका काम गड़बड़ है। वे काम में तेज़ी नहीं ला पाते। मेरे ख्याल से उनसे यह सीट सँभाली नहीं जा सकेगी। अगर दास को इस सीट पर लगाया जाए तो बकाया काम निपटाया जा सकेगा। कृष्णन को किसी हल्की सीट पर लगाया जा सकता है।

अवर सचिव: जैसा आप उचित समझें। मैं अवर सचिव(प्रशासन) से दो अतिरिक्त सहायक अस्थायी अवधि के लिए माँगता हूँ। आप इस संबंध में एक स्वत:पूर्ण टिप्पणी प्रस्तुत करें।

राघवन : जी, अच्छा।

शब्दार्थ

उप सचिव	deputy secretary	स्थगित	postpone
शाखा अधिकारी	branch officer	अनुपात	ratio
वार्षिक निरीक्षण	annual inspection	समयोपरि भत्ता	over time allowance
बकाया काम	pending work	मंजूर	sanction
निपटान	disposal	प्रतिपूरक छुट्टी	compensatory leave
तिथि	date	विशेष परिस्थिति	special circumstances
विशेष प्रयास	special efforts	रद्द	cancel
निष्पादन	performance	अतिरिक्त	additional
चर्चा /बातचीत	discussion	अस्थाई अवधि	temporary period
आवती	receipt	अर्जित छुट्टी	earned leave
स्वत:पूर्ण टिप्पणी	self contained note		

पर्यायवाची शब्द

स्वयं	=	खुद	बकाया	=	शेष/बाकी
प्रयास	=	कोशिश	मात्रा	=	तादाद
चर्चा	=	बातचीत	संभव	=	मुमकिन
वार्षिक	=	सालाना	मंजूर	=	स्वीकृत
हल	=	समाधान	परिस्थिति	=	हालात

विलोम शब्द

जल्दी	x	देर से	विशेष	x	सामान्य
प्रारंभ	x	अंत	मंजूर	x	नामंजूर
संभव	x	असंभव	निश्चित	x	अनिश्चित

बोध प्रश्न

1. उप सचिव के यहाँ शाखा अधिकारियों की बैठक में क्या निर्णय लिया गया था?
2. वार्षिक निरीक्षण के लिए किस प्रकार की पूर्व तैयारी की जानी है?
3. समयोपरि भत्ते की मंजूरी क्यों नहीं दी जा सकती?
4. कु० धनलक्ष्मी की छुट्टी स्थगित क्यों नहीं की जा सकती?
5. अनुभाग अधिकारी सहायक श्री कृष्णन की सीट क्यों बदलना चाहते हैं?

व्याकरणिक टिप्पणी

संभाव्य भविष्यत काल

वे चाहते हैं हो सकता है संभव है कहीं ऐसा न हो	कि	संयुक्त सचिव बैठक में उपस्थित हों। संबंधित सहायक न जाए। श्रीमती डेविड बैठक में न आएँ। अवर सचिव बैठक में देर से पहुँचें। वे फाइल लाएँ।

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

1. कहीं ऐसा न हो कि <u>उन लोगों को</u> वापस जाना पड़े।
   (वे सदस्य, मेरा भाई, लड़के, बच्चे)

2. हो सकता है कि <u>वे</u> आज फिल्म देखने जाएँ।
(वह, आप, लड़कियाँ, हम)

3. संभव है कि निदेशक इस संगोष्ठी में <u>विशेषज्ञों</u> को बुलाएँ।
(सभी अधिकारी, श्री रामकृष्णन, संयुक्त सचिव, वक्ता)

4. मैं चाहता हूँ कि आप <u>शादी</u> में जरूर आएँ।
(समारोह, पार्टी, सम्मेलन, संगोष्ठी)

5. मैं चाहता हूँ कि <u>इस पत्र</u> को आज ही जारी कर दिया जाए।
(आदेश, परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, अधिसूचना)

रूपांतरण

नमूना: आपको पत्र भेजा जा रहा है।

हो सकता है कि आपको पत्र न भेजा जा सके।

1. यात्रा भत्ता अग्रिम स्वीकृत किया जा रहा है।
2. अनुवर्ती कार्रवाई की जा रही है।
3. मुख्यालय छोड़ने की अनुमति दी जा रही है।
4. अधिवेशन स्थगित किया जा रहा है।
5. आदेश भेजे जा रहे हैं।

वाक्य पूरे कीजिए

1. मैं चाहता हूँ कि...
2. हो सकता है कि...
3. संभव है कि ....
4. कहीं ऐसा न हो कि...
5. हम चाहते हैं कि..

नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए।

नमूना: मैं सोचता हूँ कि शादी की तैयारी हो चुकी होगी।

कहीं ऐसा न हो कि शादी की तैयारी न हुई हो।

1. मैं सोचता हूँ कि अतिथि आ चुके होंगे।
2. मैं सोचता हूँ कि वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित हो चुकी होगी।
3. मैं सोचता हूँ कि पाठ्यक्रम पूरा पढ़ाया गया होगा।
4. मैं सोचता हूँ कि उन्होंने जयपुर जाने के लिए आरक्षण करा लिया होगा।
5. मैं सोचता हूँ कि कार्यान्वयन समिति गठित की जा चुकी होगी।

नमूना : श्री रामकृष्णन के आने की संभावना नहीं है।

संभव है कि श्री रामकृष्णन न आ सकें।

1. उनके यहाँ ठहरने की संभावना नहीं है।
2. प्रबंधक के आज रात की गाड़ी से आने की संभावना नहीं है।
3. निदेशक महोदया के दौरे पर जाने की संभावना नहीं है।
4. श्री पार्थसारथी के कार्यभार ग्रहण करने की संभावना नहीं है।
5. उसके आज कार्यालय आने की संभावना नहीं है।

संवाद

वार्षिक निरीक्षण की तैयारी के बारे में अवर सचिव और अनुभाग अधिकारियों की बातचीत।

(बकाया काम पूरा करना, जलपान की व्यवस्था, निदेशक के रहने की व्यवस्था आदि)

पाठ - 23
अभ्यावेदन

जाना, करना, रहना, जाने से, करने से कहने पर, देखने में।

(श्री पद्म सिंह, सहायक निदेशक द्वारा केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के निदेशक के नाम लिखा गया अभ्यावेदन)

सेवा में

निदेशक
केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
नई दिल्ली ।

विषय:- दिल्ली से मुंबई स्थानांतरण रुकवाने का अनुरोध।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संदर्भ में दिनांक..........के कार्यालय आदेश संख्या.........का अवलोकन करने की कृपा करें । इस आदेश के अनुसार मेरी पदोन्नति उपनिदेशक के पद पर की गई है। पदोन्नति के साथ-साथ मेरा स्थानांतरण नई दिल्ली से मुंबई किया गया है। मेरे लिए मुंबई जाना संभव नहीं है क्योंकि मेरी कुछ पारिवारिक समस्याएँ हैं जो इस प्रकार हैं:-

1. मुझे नई दिल्ली में सरकारी मकान आवंटित है। मुंबई स्थानांतरण पर जाने से मुझे यह सरकारी आवास खाली करना पड़ेगा। दिल्ली में मेरा कोई निजी मकान नहीं है। सरकारी मकान खाली करने से मेरे परिवार को आवास की समस्या होगी। दिल्ली और मुंबई जैसे दो महानगरों में निजी मकान की व्यवस्था करने से मेरा आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

2. मेरी पत्नी दिल्ली प्रशासन में अध्यापक हैं। उनका स्थानांतरण दिल्ली से बाहर नहीं हो सकता। मेरे दो बच्चे हैं जो दिल्ली के पब्लिक स्कूल में पढ़ रहे हैं। मेरी पुत्री 10वीं कक्षा में है अत: सत्र के मध्य में दोनों बच्चों को ही दूसरी जगह प्रवेश दिलवाना संभव नहीं है।

3. मेरे वृद्ध माता-पिता भी मेरे साथ रहते हैं। मेरे पिताजी हृदय रोग से पीड़ित हैं तथा माताजी को गठिया की बीमारी है। मेरी पत्नी के लिए नौकरी के साथ-साथ अकेले पूरे परिवार की देखभाल करना संभव नहीं है।

4. अनुरोध है कि उक्त समस्याओं को मद्दे नजर रखते हुए मेरे अभ्यावेदन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करें तथा मेरी तैनाती दिल्ली में करने की कृपा करें।

भवदीय

हस्ता0/-
(पद्म सिंह)
सहायक निदेशक

स्थान :....................
दिनांक :....................

शब्दार्थ

स्थानांतरण	transfer	महानगर	metropolitan city
अनुरोध	request	सत्र	session
अवलोकन	perusal	हृदय रोग	heart disease
पारिवारिक समस्याएँ	domestic problems	गठिया	rheymatoid arthritis
आवंटन	allotment	सहानुभूतिपूर्वक	sympathetically
आवास	housing	तैनाती	posting
केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना		CGHS	

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय - ministry of health & family welfare

पर्यायवाची

पदोन्नति	=	प्रोन्नति/तरक्की	स्थानांतरण	=	तबादला
तकलीफ	=	परेशानी	वृद्ध	=	बूढ़ा
अलावा	=	अतिरिक्त			

विलोम शब्द

असंभव	x	संभव	तकलीफ	x	आराम
प्रतिकूल	x	अनुकूल	पदोन्नति	x	पदावनति

बोध प्रश्न

1. लेखक की पदोन्नति किस पद पर हुई है?
2. लेखक किस विभाग में काम करता है?
3. पदोन्नति पर मुंबई जाने से सरकारी मकान का क्या होगा?
4. स्थानांतरण पर मुंबई जाने से परिवार पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
5. लेखक की पत्नी कहाँ काम करती हैं?

मौखिक अभ्यास

स्थानापत्ति अभ्यास

1. मेरा दिल्ली में रहना सुविधाजनक है।
   (घर, कार्यालय, होटल, गाँव, शहर)
2. मेरा स्थानांतरण पर मुंबई जाना मुश्किल है।
   (कठिन, असंभव, असुविधाजनक)
3. सर्दियों में मैं गरम पानी से नहाना पसंद करता हूँ।
   (वे, रमेश, पिताजी, राधाजी, कमला)
4. मेरा चेन्नै जाना मुश्किल होगा।
   (आप, तुम, माता जी, शीला, वे, वह)
5. मेरे जाने से कोई लाभ नहीं होगा।
   (गोपाल, श्याम, गीता, विमला, रमेश, वह, हम)

रूपांतरण अभ्यास

नमूना : रमन को चार महीने के बाद मकान खाली करना पड़ेगा।

रमन का चार महीने के बाद मकान खाली करना जरूरी है।

1. इस मामले पर सरकार को पुनर्विचार करना पड़ेगा।
2. हमें मंत्री जी को फाइल आज ही भेजनी पड़ेगी।
3. शीला को कल कोलकाता जाना पड़ेगा।
4. हिंदी दिवस समारोह में सबको उपस्थित रहना पड़ेगा।
5. बच्चों को सुबह जल्दी उठना पड़ेगा।

नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए

(क) **नमूना :** काम का बँटवारा करना होगा।

काम का बँटवारा करना ठीक/अच्छा/उचित होगा।

1. राधा जी को स्थानांतरण पर जाना होगा।
2. फाइल पर मामले को संक्षेप में प्रस्तुत करना होगा।
3. रिपोर्ट संघ लोक सेवा आयोग को भेजनी होगी।
4. दो सहायकों का स्थानांतरण करना होगा।
5. बैठक का कार्यवृत्त शीघ्र प्रस्तुत करना होगा।

(ख) **नमूना :** यह निर्णय आज ही लेना होगा।

क्यों न यह निर्णय आज ही लिया जाए।

1. दिवाली पर घर में रंगीन लाइटें लगानी होंगी।
2. यह रिपोर्ट आज ही भेजनी होगी।
3. कार्यालय आदेश आज ही निकालना होगा।
4. किसानों को कम ब्याज पर ऋण देना होगा।
5. देश के विकास के लिए नई योजनाएँ बनानी होंगी।

निम्नलिखित शब्दों के कार्यालयीन हिंदी में वाक्य बनाइए:-

पदोन्नति, तैनाती, अभ्यावेदन, प्रशासन, पीड़ित, स्थानांतरण।

संवाद

कार्यालय में श्री दिनेश की पदोन्नति हुई है इसके विषय में परस्पर बातचीत कीजिए।

पाठ - 24
सरकारी पत्र

भारत सरकार के विचारों या आदेशों की अभिव्यक्ति करने के लिए सरकारी पत्र का प्रयोग होता है। पत्र में स्पष्ट होता है कि ये पत्र सरकार के निदेश से लिखे जा रहे हैं। पत्र का प्रयोग राज्य सरकारों, संघ लोक सेवा आयोग जैसे- सांविधिक निकायों, निगमों, उपक्रमों के अध्यक्षों, संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्रों एवं जनता के बीच किया जाता है। दो मंत्रालयों के बीच आपसी पत्र-व्यवहार के लिए पत्र का प्रयोग नहीं किया जाता। पत्र का प्रारूप अपने आप में पूर्ण होता है। इसके निम्नलिखित अंग होते हैं:-

1. पत्र संख्या
2. भारत सरकार, विभाग, मंत्रालय/कार्यालय का नाम व पता
3. दिनांक
4. सेवा में, प्राप्तकर्ता का नाम और पदनाम व पता
5. विषय
6. संदर्भ (अगर पहले पत्र-व्यवहार हुआ है तो)
7. संबोधन (सरकारी पत्र के लिए महोदय/महोदया और गैर सरकारी पत्र के लिए प्रिय महोदय /महोदया)
8. पत्र का मुख्य भाग
9. अधोलेख (भवदीय/भवदीया)
10. प्रेषक के हस्ताक्षर और पदनाम

पत्र में "निदेश हुआ है", "कहना है," "करें", "किया जाए", "किया जा रहा है", "किया जाएगा", "किया जाना चाहिए" जैसे क्रिया रूपों का प्रयोग होता है।

शब्दार्थ

अभिव्यक्ति	expression	सार्वजनिक	public
निदेश	direction	प्राप्तकर्ता	receiver
सांविधिक निकाय	statutory bodies	संदर्भ	reference
निगम	corporation	संबोधन	salutation
उपक्रम	undertaking	अधोलेख	subscription
अधीनस्थ	subordinate	प्रेषक	sender

स्थिति: एम.एम.टी.सी. के अध्यक्ष को हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी भाषा के प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ प्रशिक्षण हेतु पात्रता संबंधी जानकारी देते हुए निदेशक (संस्थान) की तरफ से पत्र का मसौदा तैयार करें ।

संख्या 22011/21/2006-केहिप्रसं/अ.वि. एकक
भारत सरकार
केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय

सातवां तल, पर्यावरण भवन,
सी.जी.ओ.कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड,
नई दिल्ली-110003
दिनांक:

सेवा में,

अध्यक्ष,
एम०एम०टी०सी०,
स्कोप कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड,
नई दिल्ली-110003

विषय: हिंदी भाषा के प्रबोध, प्रवीण तथा प्राज्ञ प्रशिक्षण हेतु पात्रता।

संदर्भ: आपका दिनांक....................का पत्र संख्या..........................

महोदय,

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के कार्यालय ज्ञापन संख्या 14013/1/85-रा0भा0, दिनांक 18.9.1987 के अनुसार उक्त पाठ्यक्रमों के लिए पात्रता निम्नानुसार है:-

प्रबोध: इसमें तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, मिजो, मणिपुरी एवं अंग्रेजी बोलने वाले कर्मचारी जिनको हिंदी का प्राइमरी स्तर का भी ज्ञान नहीं है, प्रशिक्षण हेतु पात्र हैं।

प्रवीण: इसमें प्रबोध परीक्षा उत्तीर्ण तथा जिनकी मातृभाषा उड़िया, बंगला, असमिया, सिंधी, नेपाली, मराठी, गुजराती है और जिन्हें मिडिल स्तर की हिंदी का ज्ञान नहीं है, प्रशिक्षण हेतु पात्र हैं।

प्राज्ञ: इसमें प्रवीण परीक्षा उत्तीर्ण तथा अन्य हिंदीतर भाषा-भाषी कर्मचारी जिनकी मातृभाषा पंजाबी, उर्दू, कश्मीरी तथा पश्तो है और जिन्हें मैट्रिक स्तर की हिंदी का

ज्ञान नहीं है, प्रशिक्षण हेतु पात्र हैं। केंद्र सरकार के जिन अधिकारियों/कर्मचारियों को राजभाषा नियम 1976 के उपनियम 10(1)(क) के अनुसार हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त नहीं है, ऐसे अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी के प्राज्ञ स्तर का प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा।

भवदीया
(डॉ० जयप्रकाश कर्दम)
निदेशक

संलग्नक : उपर्युक्त कार्यालय ज्ञापन की प्रति।

बोध प्रश्न

1. पत्र का प्रयोग कहाँ-कहाँ किया जाता है?
2. क्या दो मंत्रालयों के बीच पत्र का प्रयोग होता है?
3. पत्र में प्राप्तकर्ता का नाम, पदनाम कहाँ लिखा जाता है?
4. पत्र में संबोधन के लिए किन शब्दों का प्रयोग किया जाता है?
5. पत्र में अधोलेख का प्रयोग होता है या नहीं?

भाग - 3

विविधा (बोधन)

1. उपभोक्ता संरक्षण

आज हमारे देश का उपभोक्ता पहले से अधिक जागरूक हो गया है। भारत सरकार ने भी उपभोक्ताओं के अधिकारों के संरक्षण को महत्व देते हुए 1986 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का प्रावधान किया है।

उपभोक्ता के अधिकारों के संरक्षण का मामला "उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय" के अंतर्गत आता है। इस मंत्रालय के अधीन कीमतों पर नियंत्रण, आवश्यक वस्तु उपलब्धता, माप-तौल नियंत्रण एवं उपभोक्ता वस्तुओं की गुणवत्ता नियंत्रित करने आदि मामलों से संबंधित नीति निर्धारित की जाती है।

ग्राहकों को दिन प्रतिदिन होने वाली धोखाधड़ी से बचाने के लिए उन्हें उत्पाद की गुणवत्ता, मात्रा, उपलब्धता, मानक वस्तु की कीमतों की जानकारी लेने का अधिकार प्रदान किया गया है। इसके साथ ही ग्राहकों को वस्तु की जो गारंटी दी जाती है, उसके अंतर्गत एक निर्धारित समयावधि के दौरान खराब वस्तु को निशुल्क मरम्मत करवाने या बदलने का भी अधिकार दिया गया है। आज बाज़ार में अनेक विकल्प मौजूद हैं जिससे प्रतियोगी दर पर ग्राहक अपनी इच्छानुसार वस्तु का चयन कर सकता है।

सरकार द्वारा उपभोक्ताओं के शोषण को रोकने तथा उनकी शिकायतों के निवारण के लिए 1986 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत जिला स्तर पर उपभोक्ता अदालतों की स्थापना की गई है । उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी या प्रदत्त सेवा में कोताही/ढिलाई की शिकायत उपभोक्ता अदालत में की जा सकती है।

आज उपभोक्ता संरक्षण का दायरा काफी विस्तृत हो गया है। सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई जनसुविधाएँ जैसे सड़कों का रख-रखाव, उन पर रोशनी की उचित व्यवस्था, स्वच्छ पानी तथा स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना, प्राथमिक शिक्षा व चिकित्सा और परिवहन आदि की व्यवस्था में अनियमितता के लिए भी जनता उपभोक्ता अदालत का सहारा ले सकती है। इसके दायरे में बैंक, अस्पताल, डॉक्टर, आवास-विकास बोर्ड, निजी बिल्डर आदि द्वारा प्रदत्त सेवाएँ भी शामिल हैं ।

उपभोक्ता अदालतों को पूरी तरह कानूनी मान्यता प्राप्त है। इन अदालतों द्वारा अनेक मामलों का न्यायोचित ढंग से निपटान किया जाता है तथा प्रभावित उपभोक्ता को अदालती खर्च के साथ-साथ उसके मानसिक, शारीरिक व आर्थिक शोषण के एवज में समुचित मुआवजे की व्यवस्था भी की गई है।

शब्दार्थ

उपभोक्ता	consumer	उपभोक्ता अदालत	consumer court
जागरूक	aware	प्रदत्त	delegate
संरक्षण	protection	कोताही/ढिलाई	dereliction/negligence
खाद्य	food	दायरा	purview
उपलब्धता	availability	परिवहन	transport
माप-तौल	measurement	अनियमितता	irregularity
गुणवत्ता	quality	निजी	private
नीति निर्धारण	policy making	न्यायोचित	justified
समयावधि	duration	प्रभावित	affected
विकल्प	choice	समुचित	overall
प्रतियोगी दर	competitive rates	मुआवजा	compensation
निवारण	solution		

बोध प्रश्न

1. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का प्रावधान कब हुआ था?
2. उपभोक्ता संरक्षण के मामले किस मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं?
3. उपभोक्ता संरक्षण के अंतर्गत उपभोक्ता को प्राप्त किन्ही तीन अधिकारों का उल्लेख करें?
4. इस अधिनियम में सरकार द्वारा प्रदत्त कौन-कौन सी सेवाएँ आती हैं?
5. उपभोक्ता अदालतें किस स्तर पर और किस तरह उपभोक्ताओं को संरक्षण प्रदान करती हैं?

2. संचार

यदि हम संचार के क्षेत्र में अतीत को याद करें तो हमें पता लगेगा कि आज इस क्षेत्र में कायाकल्प हो चुका है। सभ्यता के विकास के साथ मनुष्य ने दूरसंचार के लिए डाक प्रणाली विकसित की। बीसवीं शताब्दी के आरंभ में इलेक्ट्रॉनिकी नामक एक नए विज्ञान का विकास शुरू हुआ। इसकी महत्वपूर्ण देन है रेडियो, सिनेमा एवं टेलीविजन। संचार उपग्रहों ने टेलीविजन को विश्व के हर भाग में पहुँचा दिया है। भारत ने एप्पल संचार उपग्रह के बाद इनसेट श्रृंखला में कई उपग्रह स्थापित किए हैं। संचार क्रांति में कंप्यूटर ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इक्कीसवीं सदी नए एवं आधुनिकतम संचार माध्यमों की जन्मदात्री बनकर उभरी है।

हमारा देश एक लोकतांत्रिक गणराज्य है। इसी वजह से जनमत निर्धारण में जनसंचार माध्यमों का महत्व दिनों दिन बढ़ता जा रहा है।

आज व्यापार संबंधों, रेल, विमान, होटल आरक्षण और बैंकों में रुपयों के विनिमय आदि के लिए कंप्यूटर काफी सहायक है। अब कंप्यूटर व्यवस्था, ई-मेल, फैक्स आदि के द्वारा सूचनाएँ अतिशीघ्र एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजी जा सकती हैं।

विश्वभर के हजारों नेटवर्कों को एक दूसरे के साथ जोड़ने वाला इंटरनेट नामक विश्वव्यापी तंत्र भी अस्तित्व में आ गया है। इसने विश्व के संचार संबंधों को एक सूत्र में बाँध दिया है । विश्वव्यापी सचित्र मोबाइल संचार सेवा के होने से आप किसी भी एक स्थान से किसी अन्य स्थान पर उपस्थित व्यक्ति से साक्षात् संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इंटरनेट के तहत ही वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) अनेक सूचनाएँ प्राप्त करने की विधा भी है।

ई-कामर्स के द्वारा कंपनियों, विक्रेताओं, व्यापारियों व ग्राहकों को कई लाभ मिले हैं। ई-कैश द्वारा बिना नकद भुगतान के सामान खरीदा जा सकता है।

चिकित्सा के क्षेत्र में टेलीमेडिसन सुविधा द्वारा डॉक्टर दूर बैठे मरीजों का इलाज सफलतापूर्वक कर सकता है। इससे समय एवं धन की काफी बचत होती है। टेलीप्रिजेंस द्वारा आप वहाँ भी पहुँच जाते हैं जहाँ पर कल तक आपके लिए पहुँचना संभव नहीं था। इसके अलावा ई-क्लॉथ, ई-परामर्श, ई-प्रशासन आदि जनोपयोगी सेवाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

आज विश्व की उच्च कोटि की शिक्षा संबंधी जानकारी इंटरनेट युक्त कंप्यूटर से घर पर ही प्राप्त की जा सकती है। इसमें स्कूल व कॉलेज जाने की आवश्यकता नहीं रहती। अब इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों का भी युग आ गया है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रोजगार की भी बहुत संभावनाएँ हैं।

अत: संचार माध्यमों में निरंतर हो रही उन्नति देश के विकास में मील का पत्थर साबित होगी और जो देश इन नित नवीन विकसित हो रहे संचार माध्यमों के अनुकूल अपने को नहीं ढाल पाएगा, वह विकास की दौड़ में पिछड़ जाएगा।

शब्दार्थ

अतीत	past	विश्वव्यापी	world wide
कायाकल्प	transformation	सचित्र	with picture
दूरसंचार	communication	साक्षात	direct
उपग्रह	satellite	तहत	under
भूमिका निभाना	to play a role	विधा	devise
जन्मदात्री	mother	विक्रेता	seller
लोकतांत्रिक	democratic	संभावनाएँ	possibilities
जनमत निर्धारण	formation of public opinion	निरंतर	continuous
आरक्षण	reservation	मील का पत्थर	mile stone
विनियम	regulation	ढालना	to cast/ to change
अतिशीघ्र	most immediate	पिछड़ना	being left behind

बोध प्रश्न

1. इक्कीसवीं सदी के संचार माध्यमों के नाम बताएँ।
2. "ई" कॉमर्स द्वारा कौन-कौन लाभान्वित हो रहा है?
3. "ई" कैश क्या है?
4. टेलीमेडिसन के क्या लाभ हैं?
5. शिक्षा के क्षेत्र में इंटरनेट की क्या भूमिका है?

3. हमारा स्वास्थ्य

स्वास्थ्य हमारी असली संपत्ति है। स्वस्थ मनुष्य ही सुखी जीवन जी सकता है। स्वस्थता का अर्थ केवल रोगों से छुटकारा ही नहीं बल्कि इसका अर्थ है एक निरोग शरीर के साथ-साथ स्वस्थ मस्तिष्क।

हमारे शरीर के विभिन्न अंग विभिन्न कार्य संपन्न करते हैं, जैसे-श्वसन, पाचन, रक्त संचार एवं उत्सर्जन आदि। शरीर का हर अंग जब ठीक से काम करता है तभी संपूर्ण शरीर भी सुगमता से कार्य करता है। जब शरीर का कोई एक या एक से अधिक तंत्र प्रभावित होता है तभी हम बीमार पड़ते हैं।

रोग के मुख्य कारण हैं असंतुलित आहार का सेवन, दूषित पानी एवं दूषित भोजन का सेवन तथा दूषित हवा में श्वास लेना। हम कीटाणुओं के शरीर में प्रवेश या आहार सेवन की गलत आदतों के कारण भी बीमार पड़ते हैं। कुपोषण तथा अत्यधिक पौष्टिक तत्वों के सेवन से भी रोग होते हैं। मानसिक तनाव भी कई रोगों का कारण है।

रोग की रोकथाम का महत्वपूर्ण उपाय है पर्यावरण को स्वच्छ और स्वास्थ्यकर रखना। हमें निजी स्वस्थता और सामुदायिक स्वस्थता का पूरा ध्यान रखना होगा। रोग निवारण के लिए रोग के कारणों को ही समाप्त करना होगा। स्वच्छता रोगों को फैलने से रोकती है।

निजी स्वास्थ्य के लिए हमें शारीरिक स्वच्छता, संतुलित आहार, निद्रा तथा व्यायाम पर विशेष ध्यान देना होगा। धूम्रपान, शराब का सेवन, अत्यधिक खाने तथा नशीले पदार्थों के सेवन से बचना चाहिए। नाखूनों को काटना तथा उनकी सफाई रखना, आँखों को ठंडे पानी से धोना, हर आहार के बाद कुल्ला करना, नियमित रूप से स्नान करना, रोज धुले हुए वस्त्र धारण करना, खान-पान की शुद्धता के लिए धुले हुए बर्तनों का प्रयोग, खाना ढककर रखना, कच्ची सब्जियों एवं फलों का धोकर सेवन करना, खाना बनाते और परोसते समय सफाई का विशेष ध्यान रखना, दाँतों, बालों आदि की नियमित सफ़ाई निजी स्वच्छता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सामुदायिक स्वास्थ्य का अर्थ है समाज के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना। शहरों में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीकरण आदि हमारे वातावरण को प्रदूषित कर रहे हैं। स्थानीय नगर निगम का यह प्रथम उत्तरदायित्व है कि वह हर क्षेत्र में स्वच्छता रखे। वातावरण को स्वच्छ रखना हमारा सामूहिक उत्तरदायित्व है। स्थानीय नगर निगम की कई ज़िम्मेदारियाँ हैं जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ पेय जल की आपूर्ति करना ताकि दूषित पानी से होने वाले रोगों से बचा जा सके। इसके अलावा नगर निगम मिलों से निकलने वाले दूषित जल एवं अन्य अपशिष्टों के निस्तारण का

काम भी करती है। मिलों तथा औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिए विविध वैज्ञानिक विधियों का अपनाना स्वस्थ जीवन के लिए सार्थक होगा।

शब्दार्थ

स्वास्थ्य	health	सामुदायिक	community
संपत्ति	wealth	स्वच्छता	cleanliness
निरोग	disease free	संतुलित आहार	balanced diet
श्वसन	respiration	निद्रा	sleep
पाचन	digestion	व्यायाम	exercise
रक्त संचार	blood circulation	कुल्ला करना	to rinse one's mouth
उत्सर्जन	excretion	औद्योगिकीकरण	industrialisation
सुगमता	easily	नियमित सफाई	regular cleanliness
असंतुलित	imbalanced	उत्तरदायित्व	responsibility
प्रभावित	affected	आपूर्ति	supply
दूषित	polluted	अपशिष्ट	effluent
कुपोषण	deficiency	निस्तारण	disposal
पौष्टिक	nutricious	वैज्ञानिक विधियाँ	scientific ways
रोकथाम	prevention	पर्यावरण	environment

बोध प्रश्न

1. स्वस्थता का अर्थ क्या है?
2. रोग के मुख्य कारण क्या हैं?
3. रोग की रोकथाम का महत्वपूर्ण उपाय क्या है?
4. निजी स्वास्थ्य के लिए हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
5. शहरों में प्रदूषण कैसे बढ़ रहा है?
6. स्थानीय नगर निगम की क्या जिम्मेदारियाँ हैं?

4. खेल जगत और महिलाएँ

पहले महिलाएँ राजनीति, विज्ञान, शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में पुरुषों से बहुत पीछे थीं। समाज और परिवार उन्हें बाहर निकलने की इजाज़त नहीं देता था। आधुनिक युग में महिलाओं ने अपने बंधन तोड़े हैं। आज की आधुनिक महिलाएँ हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। शिक्षा के प्रसार से भारतीय महिलाओं ने साहित्य, विज्ञान, चिकित्सा और खेल विज्ञान में अपनी अलग पहचान बनाई है।

आज घरेलू खेलों से महिलाएँ बाहर आ गई हैं। उन्होंने खेल जगत में पुरुंषों के वर्चस्व को चुनौती दी है। वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सभी प्रतियोगिताओं में भाग ले रही हैं। सीमित संसाधनों में भी पी०टी० उषा ने "उड़नपरी" की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में चौथा स्थान प्राप्त किया। एशियन खेल, कॉमन वेल्थ एवं अन्य विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में उनकी उपलब्धियों की एक लंबी सूची है। लंबी कूद में अंजू बॉबी जॉर्ज ने एशियन खेलों में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। ओलंपिक खेलों में भी उन्होंने छठा स्थान प्राप्त कर भारत को गौरवान्वित किया है।

आज भारतीय महिलाओं ने हॉकी और क्रिकेट में भी अपना अच्छा प्रदर्शन कर विश्वस्तर पर भारत को अग्रिम पंक्ति में ला खड़ा किया है। क्रिकेट में शांता रंगास्वामी, अंजुम चोपड़ा, संध्या अग्रवाल ने और हॉकी में सूरज लता देवी, परमजीत कौर आदि ने खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर भारत का नाम रोशन किया है।

बैडमिंटन में अपर्णा पोपट, तैराकी में बुला चौधरी, पर्वतारोहण में बछेंद्रीपाल, निशानेबाजी में अंजलि वेद पाठक आदि ने वैज्ञानिक ढंग से अपना प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है । टेनिस में सानिया मिर्जा विश्व के मानस पटल पर अपनी छाप छोड़ चुकी हैं। खेल जगत में महिलाओं के कदम रखने से नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं।

शब्दार्थ

राजनीति	politics	संसाधन	resource
विज्ञान	science	विश्वस्तर	international level
इजाजत	permission	प्रसार	broadcast
अग्रिम पंक्ति	front row	चिकित्सा	medical/treatment
तैराकी	swimming	पहचान बनाना	to establish one's identity
वर्चस्व	dominance	पर्वतारोहण	mountaineering
बंधन तोड़ना	to break away	निशानेबाजी	shooting from restrictions
मानस पटल	mind	छाप छोड़ना	to make a mark
कीर्तिमान	record	कंधे से कंधा मिलाकर बढ़ना	to walk hand in hand

बोध प्रश्न

1. उड़नपरी की उपाधि किसे दी गई है?
2. अंजू बॉबी जॉर्ज ने एशियन खेलों में कौन-सा पदक प्राप्त किया?
3. बछेंद्री पाल का नाम किस लिए प्रसिद्ध है ?
4. किस महिला टेनिस खिलाड़ी ने विश्व में भारत का नाम गौरवान्वित किया है?
5. पहले समाज महिलाओं को किस बात की इजाजत नहीं देता था?
6. कुछ महिला क्रिकेट खिलाड़ियों के नाम बताइए।

हिंदी शब्दों के अंग्रेजी पर्याय

अंतिम रूप	final touch
अधिवेशन	session
अनापत्ति प्रमाण-पत्र	no objection certificate
अप्राधिकृत	unauthorised
अर्जित अवकाश	earned leave
अधिनियम	act
अवलोकन	perusal
अपेक्षित सूचना	requisite information
अनुमति	permission
अनुशासनिक कार्रवाई	disciplinary action
अधीनस्थ	subordinate
अग्रिम	advance
अभ्यावेदन	representation
अल्प सूचना	short notice
अनुसंधान	research
आवक	inward
आयात	import
आकस्मिक अवकाश	casual leave
आचरण नियमावली	conduct rules
आचरण संहिता	code of conduct
आदेश	order
आरक्षण	reservation
आयकर आयुक्त	income tax commissioner
औपचारिकता	formality
कार्रवाई	action
कार्यालय पद्धति	office procedure
कार्यालय प्रति	office copy
कार्यवृत्त	minutes
कार्यसूची	agenda
खिलाफ़/विरुद्ध	against
गोपनीय	confidential
गोष्ठी	seminar
चेतावनी	warning
चर्चा	discussion
चयन	selection
चिकित्सा अवकाश	medical leave
छँटनी	retrenchment
जावक	out ward
जाँच समिति	enquiry committee
तैनाती	posting
तदर्थ	adhoc
दैनिक मजदूरी	daily wages
नियुक्ति	appointment
निष्पादन	performance
निर्णय	decision
निलंबित करना	to suspend
निपटान	disposal
निष्ठावान	sincere
निरीक्षण	inspection
प्रस्तुत करना	to put up/to submit
प्रतिनियुक्ति	deputation
पदोन्नति	promotion
पदावनति	demotion
प्रतिपूरक छुट्टी	compensatory leave
पारपत्र	passport
वेतन	salary

परिणत अवकाश	commuted leave
प्रतिबंधित अवकाश	restricted leave
प्रतिपूरक अवकाश	compensatory leave
प्रसूति छुट्टी	maternity leave
प्रत्यावर्तन	reversion
पारिश्रमिक	remuneration
प्रस्ताव	proposal
प्रतियोगिता	competition
प्रतिलिपि सूचनार्थ	copy for information
पदों का सृजन	creation of posts
बकाया काम	pending work
बरखास्त करना	to dismiss
भविष्य निधि	provident fund
भुगतान	payment
मूल प्रति	original copy
महंगाई भत्ता	dearness allowance
मसौदा	draft
यात्रा कार्यक्रम	tour programme
लेखा परीक्षा	audit
लोकहित	public interest
लेखाकार	accountant
वेतन-नियतन	pay fixation
वितरण	distribution
वार्षिक निरीक्षण	annual inspection
विभागीय	departmental
वित्तीय अनुमोदन	financial approval
वार्षिक रिपोर्ट	annual report
वार्षिक विवरण	annual statement
शिकायत	complaint
स्थानांतरण/तबादला	transfer
स्पष्टीकरण	explanation/ clarification
समयोपरि भत्ता	overtime allowance
स्थगित	postpone
संगरोध छुट्टी	quarantine leave
सिफारिशें	recommendations
सहमति	concurrence
संस्वीकृति	sanction
समिति	committee
सूची	list
सुझाव	suggestion
स्वत: स्पष्ट टिप्पणी	self explanatory note
हस्ताक्षर	signature
ऋण	loan